THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 131 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण कृ.14 2083 मंगलवार, 11 अगस्त-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✲ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये


## एमपी में नाले में बही कार, 9 की मौत

भोपाल, 10 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ में निर्माणाधीन पुल पर भारी बारिश के बीच ईको वैन नाले में बह गई। वैन में 11 लोग सवार थे। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। दो तैरकर बाहर निकल आए। तेज बारिश के कारण नाले का पानी पुल के ऊपर से बह रहा था। ड्राइवर को अधूरा पुल दिखाई नहीं दिया, जिससे वैन नाले में जा गिरी। यूपी में गंगा-यमुना समेत 10 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। फर्रुखाबाद-बिजनौर में गंगा नदी का पानी हाईवे के ऊपर बह रहा है। कई सड़कें डूब गई हैं। 40 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। लोग सड़कों पर टेंट लगाकर रह रहे हैं। काशी में सभी 84 घाटों को जोड़ने वाले रास्ते जलमग्न हो गए हैं। गंगा का पानी मणिकर्णिका घाट तक पहुंच गया है।

# लाठीचार्ज मामले पर शाह देंगे जवाब

## रिजिजू बोले- विपक्ष को सुनना पड़ेगा, भाग नहीं सकते

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। गृहमंत्री अमित शाह दिल्ली में छात्रों के प्रदर्शन और पुलिस एक्शन मामले पर सदन में जवाब देंगे। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि शाह विस्तार से जवाब देंगे लेकिन विपक्ष को भरोसा देना होगा कि वह बहस से भागेगा नहीं। उन्हें गृहमंत्री का जवाब बिना हंगामा किए सुनना पड़ेगा।

हालांकि शाह कब बोलेंगे, रिजिजू ने इसकी जानकारी नहीं दी है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस एक्शन को लेकर विपक्ष लगातार गृहमंत्री के बयान की मांग कर रहा है। शाह संसद परिसर में नियमित रूप से आ रहे हैं, लेकिन उन्हें सदन में नहीं देखा गया है।

मानसून सत्र 20 जुलाई से चल रहा है। 13 अगस्त को इसका समापन है। तीन हफ्ते के दौरान लगातार हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही बार-बार स्थगित हुई है। एंटी-पेपर लीक बिल पर बहस के अलावा किसी और मुद्दे पर चर्चा नहीं हुई है।

कांग्रेस ने अपने सभी सांसदों को व्हिप जारी किया और 10 अगस्त से 12 अगस्त के दौरान सदन में मौजूद रहने का आदेश दिया। लोकसभा में चार अहम बिल पेश किए गए। इनमें ट्रिब्यूनल्स रिफॉर्म्स बिल, 2026, माइंस एंड मिनरल्स डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन अमेंडमेंट बिल, 2026

शामिल हैं। लोकसभा ने ट्रिब्यूनल्स रिफॉर्म्स बिल, 2026 को बिना चर्चा के पारित कर दिया। इसके बाद सदन की कार्यवाही मंगलवार तक स्थगित कर दी गई।

अखिलेश यादव ने कहा कि विपक्ष पहले दिन से ही चाहता है कि छात्रों के मुद्दे पर गृह मंत्री सदन में बयान दें, लेकिन सरकार इसके लिए तैयार नहीं है। अभी दो दिन बाकी हैं। सरकार के पास दोनों मुद्दों- अयोध्या राम मंदिर के चंदे में कथित गड़बड़ी और छात्र आंदोलन पर चर्चा करने का समय है।

केंद्र ने सोमवार को स्पष्ट किया कि प्रमुख एयरपोर्ट ऑपरेटरों के एयरलाइंस में हिस्सेदारी रखने पर कोई सरकारी रोक नहीं है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने राज्यसभा में इस बात की जानकारी दी। मंत्री मुरलीधर ने बताया कि हालांकि कुछ पीपीपी एयरपोर्ट के मौजूदा समझौतों में एयरलाइंस और उनकी ग्रुप कंपनियों को एयरपोर्ट ऑपरेटरों में हिस्सेदारी रखने पर प्रतिबंध है। एएआई को इन प्रतिबंधों में छूट के लिए अनुरोध मिला है, लेकिन नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने अभी मामले की जांच नहीं की है।

दरअसल मीडिया रिपोर्टों में जीएमआर और अडाणी ग्रुप के एयरलाइन कारोबार में प्रवेश की बात कही गई थी। हालांकि, अडाणी ग्रुप ने इसे खारिज करते हुए कहा कि वह एयरलाइन कारोबार में प्रवेश के किसी प्रस्ताव पर विचार नहीं कर रहा है और रिपोर्ट बेबुनियाद हैं।

आरजेडी सांसद मनोज झा ने कहा, सरकार की असंवेदनशीलता का एक पिरामिड खड़ा हो गया है। छात्रों पर पैलेट गन चलाई गईं, कीलों वाली लाठियों का इस्तेमाल किया गया और चंदे व चढ़ावे की चोरी के मुद्दे भी हैं। कल ममता बनर्जी के साथ जो हुआ, उससे साफ होता है कि संसदीय लोकतांत्रिक परंपराओं और सदाचार के मानदंडों को खत्म कर दिया गया है।

**संसद से पास हुआ बैंकर्स बुक्स एविडेंस बिल, 2026**

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बैंकर्स बुक्स एविडेंस बिल, 2026 को लोकसभा में 3 अगस्त को पेश किया था। 6 अगस्त को लोकसभा ने ध्वनिमत से पारित किया। राज्यसभा में यह बिल सोमवार को पेश हुआ और आज ही बिल पारित कर दिया। बैंकर्स बुक्स एविडेंस बिल, 2026 का मकसद बैंकों के रिकॉर्ड को अदालत में सबूत के तौर पर इस्तेमाल करने के नियमों को मौजूदा डिजिटल बैंकिंग व्यवस्था के हिसाब से अपडेट करना है।

## कावेरी जल विवाद

**तमिलनाडु की याचिका पर 13 अगस्त को सुनवाई**

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को तमिलनाडु सरकार की उस याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई, जिसमें कर्नाटक सरकार को तमिलनाडु के हिस्से का कावेरी नदी का पानी तुरंत छोड़ने का निर्देश देने की मांग की गई है। शीर्ष कोर्ट इस याचिका पर 13 अगस्त को सुनवाई करेगा। चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहन की पीठ ने राज्य सरकार की ओर से पेश वकील की दलीलों पर ध्यान दिया। वकील ने कहा कि कम बारिश वाले साल में तमिलनाडु को कावेरी नदी के पानी का उसका उचित हिस्सा नहीं मिल रहा है। सीजेआई ने कहा, हम इसे गुरुवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करेंगे। सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने तीन अगस्त को सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

सरकार ने कर्नाटक को तमिलनाडु के हिस्से का कावेरी का पानी तुरंत छोड़ने का निर्देश देने की मांग की थी।

# पीएम मोदी से मिले एनसीपी (एसपी) सांसद

## महाराष्ट्र के सूखे-प्याज से नदी प्रदूषण तक मुद्दे उठे

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। एनसीपी (शरद पवार गुट) की कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद सुप्रिया सुले के नेतृत्व में पार्टी के सभी आठ लोकसभा सांसदों ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान महाराष्ट्र से जुड़े अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक करीब 15 मिनट चली। सुप्रिया सुले ने बैठक के बाद कहा कि प्रधानमंत्री के साथ महाराष्ट्र के मुद्दों पर चर्चा हुई। सूत्रों के मुताबिक, सांसदों ने अपने-अपने संसदीय क्षेत्रों से जुड़े विषय प्रधानमंत्री के सामने रखे।

सूत्रों के अनुसार, एनसीपी (एसपी) सांसदों ने अपने क्षेत्रों से जुड़े कई मुद्दों पर प्रधानमंत्री से चर्चा की। इनमें सूखे की स्थिति, प्याज की कीमत और चंद्रभागा नदी में प्रदूषण जैसे विषय शामिल रहे। सांसदों ने अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित समस्याओं को बैठक में रखा।

करीब 15 मिनट चली इस बैठक में विवादित एफसीआरए संशोधन विधेयक का मुद्दा नहीं उठा। सुप्रिया सुले मौजूदा स्वरूप में इस विधेयक का विरोध करती रही हैं। शनिवार को उन्होंने कहा था कि विदेशी फंडिंग को हमेशा संदेह की नजर से नहीं देखा जा सकता। उन्होंने केंद्र से विधेयक को वापस लेने या इसे संयुक्त संसदीय समिति यानी जेपीसी के पास भेजने की मांग की थी।

22 जुलाई को एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने अपनी सांसद बेटी सुप्रिया सुले के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी।

## राहुल बोले- जंतर-मंतर पर लाठीचार्ज-फायरिंग का आदेश किसने दिया:जिम्मेदार कौन; 3 मांगें रखीं

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। राहुल गांधी ने सोमवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक बार फिर जंतर-मंतर प्रदर्शन पर हुए लाठीचार्ज का मुद्दा उठाया। राहुल ने सवाल किया कि लाठीचार्ज का आदेश किसने दिया। इसका जिम्मेदार कौन है, वो सामने आए। गृह मंत्री सदन में आकर बयान दें। राहुल ने कहा कि विपक्ष की तीन मांगें हैं। पहली- युवाओं पर गोली चलाने की जिम्मेदारी स्पष्ट हो। दूसरी- प्रधानमंत्री घटना के लिए माफी मांगें और तीसरी- राम मंदिर में चोरी के मुद्दे पर चर्चा हो।

# आंखों के उपचार के लिए विदेश जा सकेंगे अभिषेक बनर्जी

## सुप्रीम कोर्ट से मिली अनुमति

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अभिषेक बनर्जी को राहत दी है। शीर्ष कोर्ट ने उन्हें आंखों के इलाज के लिए तीन हफ्ते विदेश जाने की अनुमति दी। अभिषेक बनर्जी ने कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने अभिषेक बनर्जी की यह कहते हुए याचिका खारिज कर दी थी कि वह एसएसकेएम अस्पताल के मेडिकल बोर्ड के सामने अपनी मेडिकल जांच कराने के लिए तैयार नहीं थे। कोर्ट का कहना था कि मेडिकल बोर्ड की विशेषज्ञ राय के आधार पर ही विदेश जाकर इलाज कराने की जरूरत का आकलन किया जा सकता है। हाईकोर्ट ने कहा था कि डायमंड हार्बर के सांसद अभिषेक बनर्जी अपनी मेडिकल स्थिति की जांच के लिए अगले दिन कोलकाता के एसएसकेएम अस्पताल में गठित मेडिकल बोर्ड के सामने पेश होने को तैयार नहीं थे।

## भारतीय विमानन क्षेत्र में बढ़ेगी महिलाओं की भागीदारी

### 25 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य: राम मोहन नायडू

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने सोमवार को कहा कि सरकार भारतीय विमानन क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाकर 25 प्रतिशत तक पहुंचाने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत पहले ही महिला पायलटों की हिस्सेदारी के मामले में वैश्विक औसत से काफी आगे है और अब इस सफलता को विमानन क्षेत्र के अन्य विभागों तक भी विस्तार देने का लक्ष्य रखा गया है। एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि वर्तमान में भारत में करीब 15 प्रतिशत पायलट महिलाएं हैं, जबकि वैश्विक स्तर पर यह आंकड़ा केवल 5 प्रतिशत के आसपास है। उन्होंने इसे भारत की बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि विमानन क्षेत्र के हर हिस्से में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाई जाए। राम मोहन नायडू ने कहा, नारी शक्ति भारत के विमानन विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रही है।

उन्होंने कहा कि भारत ने हमेशा महिलाओं को विमानन क्षेत्र में प्रवेश करने, योगदान देने और नेतृत्व संभालने के लिए प्रोत्साहित किया है। देश ने इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन अभी और आगे बढ़ने की जरूरत है। मंत्री ने गर्व के साथ कहा कि महिलाओं की भागीदारी के मामले में भारत दुनिया के कई देशों के लिए एक उदाहरण बन चुका है। उन्होंने कहा कि भारतीय विमानन उद्योग में महिला पायलटों की संख्या वैश्विक औसत की तुलना में तीन गुना अधिक है, जो देश की समावेशी सोच और अवसरों की उपलब्धता को दर्शाता है।

राम मोहन नायडू ने स्पष्ट किया कि सरकार का 25 प्रतिशत का लक्ष्य केवल महिला पायलटों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे विमानन कार्यबल को शामिल करता है।

# राज्य में अच्छी बारिश की कामना को लेकर महा वरुण यज्ञ संपन्न

## नागार्जुनसागर में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने सपत्नीक पूर्णाहुति अर्पित की

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) राज्य में व्यापक वर्षा और खुशहाली की कामना को लेकर तेलंगाना सरकार की ओर से सोमवार को नागार्जुनसागर स्थित विजय विहार में कृष्णा नदी के तट पर आयोजित महा वरुण यज्ञ वैदिक मंत्रोच्चारण और धार्मिक अनुष्ठानों के बीच विधिवत संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अपनी पत्नी के साथ यज्ञ में भाग लिया और ऋत्विकों के मार्गदर्शन में वैदिक अनुष्ठान करते हुए पूर्णाहुति अर्पित की।

यादाद्रि स्थित श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर के अर्चकों और वेद पंडितों के नेतृत्व में 108 ऋत्विकों ने 11 हवन कुंडों में वैदिक विधि-विधान से हवन किया। इस दौरान राज्य में पर्याप्त वर्षा के लिए वरुण देव की आराधना की गई। राज्य के मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने भी अपनी पत्नी के साथ यज्ञ में भाग लिया। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने प्रार्थना करते हुए कहा कि कृष्णा और गोदावरी नदी के जलग्रहण क्षेत्रों में पर्याप्त बारिश हो, श्रीशैलम, नागार्जुनसागर सहित राज्य की सभी परियोजनाएं पूरी तरह भरें और हर तालाब व जलाशय में जलकला दिखाई दे। उन्होंने भूजल स्तर बढ़ने, भरपूर फसल होने और किसानों के चेहरों पर मुस्कान आने की कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य हरा-भरा और समृद्ध बने तथा प्रदेश के सभी लोग सुख, शांति और अच्छे स्वास्थ्य के साथ जीवन व्यतीत करें।मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में अच्छी वर्षा और प्रकृति की कृपा के लिए यज्ञ, अनुष्ठान और पूजा करने की परंपरा प्राचीन काल से चली आ रही है। सरकार एक ओर वैज्ञानिक आकलन और योजनाओं के आधार पर आगे बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर वर्षा, कृषि, प्रकृति और मानव जीवन के परस्पर संबंधों को दर्शाने वाली भारतीय संस्कृति और परंपराओं का सम्मान करते हुए प्रकृति की कृपा के लिए प्रार्थना कर रही है। बताया गया कि मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार इस वर्ष राज्य में सामान्य से कम बारिश होने की आशंका है। इसी पृष्ठभूमि में सरकार की ओर से महा वरुण यज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधान परिषद के सभापति गुत्ता सुखेंदर रेड्डी, मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, मंत्री कोंडा सुरेखा, सरकारी सलाहकार के. केशवराव, पी. सुदर्शन रेड्डी, पूर्व मंत्री के. जना रेड्डी सहित कई जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया।

## संस्कृत श्लोक के जरिए पीएम मोदी ने दिया संदेश

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर सोमवार को सुभाषित शेयर किया है। प्रधानमंत्री की ओर से सोशल मीडिया पर लिखा गया हम सत्य, शुभ और ज्ञानवर्धक वचन सुनें, कल्याणकारी विचारों को अपनाएं। स्वस्थ शरीर, उत्तम आचरण और श्रेष्ठ गुणों के साथ जीवन को लोकहित में समर्पित करें तथा सत्य, प्रामाणिक और जनहितकारी सूचनाओं का प्रसार कर राष्ट्र और समाज को जागरूक, सशक्त तथा समरस बनाएं।

उनके श्लोक का हिंदी अर्थ है, चंद्रमा किसी प्रत्युपकार की इच्छा से अपनी किरणों द्वारा कमुदनी को प्रकाशित नहीं करता, अपितु यह उसका स्वाभाविक गुण है।

## राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टली

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। अयोध्या के श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी की स्वतंत्र जांच की मांग वाली 4 याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टल गई है। इस मामले पर अब सुप्रीम कोर्ट में अगले हफ्ते सुनवाई होगी। कोर्ट में उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से दो सप्ताह के लिए सुनवाई टालने की मांग की गई।

सरकार ने कहा कि उसकी तरफ से पेश हो रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता उपलब्ध नहीं हैं, इसलिए सुनवाई टाल दी जाए। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने एक नई एसआईटी बनाने का निर्देश दिया था जिसके बाद यूपी सरकार की ओर से नई एसआईटी का गठन किया गया था। नई एसआईटी का नेतृत्व लखनऊ रेंज की आईजी किरण एस कर रही हैं। इस एसआईटी टीम में अयोध्या के डीआईजी सोमेन वर्मा और एसएसपी गौरव ग्रोवर, बाराबंकी के एसपी रितेश कुमार के अलावा वित्तीय लेन-देन और अभिलेखों की जांच के लिए एक ऑडिटर को भी शामिल किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले की जांच ने फिर रफ्तार पकड़ी है। नई विशेष जांच टीम (एसआईटी) के गठन के बाद जांच तेजी से आगे बढ़ रही है। इस मामले पर राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। विपक्ष सरकार पर आरोप लगा रहा है।

# बैरिकेडिंग तोड विधानसभा गेट के पास पहुंचे आंदोलनकारी छात्र

## पुलिस ने लाठीचार्ज किया, आंसू गैस के गोले दागे; वाटर कैनन छोड़ी तो स्टूडेंट डांस करने लगे

रांची, 10 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड के रांची में परीक्षा में धांधली के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हजारों छात्र बैरिकेडिंग तोड़ विधानसभा गेट के पास पहुंच गए। छात्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। कई बार पुलिस और छात्रों के बीच झड़प की नौबत आई। दो-तीन बार लाठीचार्ज करना पड़ा। कुछ छात्रों के सिर पर चोटें आई हैं। प्रदर्शनकारियों ने भी पुलिस पर पानी की बोतलें और चप्पलें फेंकीं।

छात्र सुबह 10 बजे ओल्ड विधानसभा के पास एकत्रित हुए और फिर विधानसभा के घेराव के लिए निकले। पुलिस ने कंटीले तार की बैरिकेडिंग कर रखी थी। पुलिस ने जैसे ही वाटर कैनन का

इस्तेमाल किया छात्र बैरिकेडिंग पर चढ़कर डांस करते नजर आए। कुछ छात्रों ने राष्ट्रगान गाया। इसके बाद पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी दागे। 6 लेयर की सुरक्षा व्यवस्था की गई है। सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है।

इधर, सीआईडी ने जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल ख्यांगते को गिरफ्तार कर लिया है। 21 जुलाई को जेपीएससी ऑफिस में रेड के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। सीआईडी उनसे लगातार पूछताछ कर रही थी। राज्य के मुख्य सचिव पद से रिटायर होने के बाद पिछले साल फरवरी में झारखंड लोक सेवा आयोग के चेयरमैन नियुक्त किए गए ख्यांगते ने 22 जुलाई को इस्तीफा दे दिया था। अतिरिक्त महानिदेशक (सीआईडी) मनोज कौशिक ने बताया कि हमने भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी के सिलसिले में एल. ख्यांगते को गिरफ्तार किया है। 28 जुलाई से ख्यांगते से चार बार पूछताछ की जा चुकी थी। यह गिरफ्तारी जेपीएससी के तीनों सदस्यों के इस्तीफे के एक दिन बाद हुई है। झारखंड पीएससी-एसएससी की परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर 17 दिन से आंदोलन कर रहे हैं। देवेंद्रनाथ महतो समेत 6 छात्र भूख हड़ताल पर हैं। वे एंबुलेंस से विधानसभा घेराव में शामिल हुए।

## तीन बागी टीएमसी सांसदों का भाजपा में जाने से इनकार

**इनमें यूसुफ-अबू ताहिर, बोले- हम एनडीए में नहीं; 20 सांसदों ने एनसीपीआई में विलय किया था**

कोलकाता/नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के तीन बागी मुस्लिम सांसद अबू ताहिर खान, खलीलुर रहमान और यूसुफ पठान ने कहा है कि वे बीजेपी में शामिल नहीं होंगे और वे एनडीए का हिस्सा भी नहीं हैं। तीनों सांसदों के मुताबिक, वे बीजेपी की राजनीति से सहमत नहीं हैं, लेकिन अपने क्षेत्रों के लोगों के हित में केंद्र और राज्य सरकार के साथ काम करेंगे।

ये तीनों उन 20 बागी टीएमसी सांसदों में शामिल हैं, जिन्होंने बंगाल विधानसभा चुनाव के कुछ हफ्तों बाद ममता बनर्जी की पार्टी से अलग होकर नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में विलय किया था। इसके बाद एनडीए को समर्थन देने की घोषणा की थी।

हालांकि, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने अभी तक उन्हें औपचारिक रूप से एनसीपीआई सांसद के तौर पर मान्यता नहीं दी है। अबू ताहिर और खलीलुर रहमान के मुताबिक, स्पीकर अभी भी उन्हें संसद में टीएमसी सांसद कहकर संबोधित करते हैं और उनके नाम के साथ टीएमसी लिखा जाता है।

# रेणुका का 'मोतियाबिंद' चश्मा, संसद में सियासी वार

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने सरकार और बीजेपी समर्थकों पर तीखा हमला बोला। संसद परिसर में 'मोतिया बिंद' लिखा चश्मे दिखाते हुए उन्होंने कहा कि ये चश्मे उन 'अंधभक्तों' के इलाज के लिए हैं, जिन्हें देश में हो रही समस्याएं दिखाई नहीं देतीं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर मोतिया बिंद का इलाज हो सकता है, तो इसका भी इलाज कराया जाएगा।

रेणुका चौधरी ने कहा कि ऐसे लोगों को चोरी का मामला नहीं दिखता, पुल का गिरना नहीं दिखता और नीट परीक्षा से जुड़ा मुद्दा भी नजर नहीं आता। उन्होंने कहा कि उन्हें सिर्फ तारीफ करना दिखाई देता है। इसी वजह से उन्होंने सोचा कि उनके 'सही इलाज' का इंतजाम किया जाना चाहिए। उनके हाथ में मौजूद चश्मे पर 'मोतियाबिंद' लिखा हुआ था।

वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संसद में जारी गतिरोध को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा। खरगे ने कहा कि लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष की एक ही मांग है कि अमित शाह सदन में आएं और अपनी बात रखें। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पिछले 17 दिनों से लगातार कोशिश कर रही है कि गृह मंत्री सदन में आएं और बच्चों के साथ हुए अन्याय और इस पूरे मुद्दे पर बयान दें।

खरगे ने सवाल उठाते हुए कहा कि अगर सदन में जनता ने अपने प्रतिनिधियों को चुनकर भेजा है, तो सरकार सदन की अनदेखी क्यों कर रही है? उन्होंने कहा कि सदन में आकर जवाब देना सरकार की जिम्मेदारी है। खरगे के मुताबिक, अमित शाह का सदन में न आना जनता द्वारा चुने गए सदस्यों का अपमान है। उन्होंने साफ कहा कि विपक्ष चाहता है कि गृह मंत्री सदन में आएं और बयान दें।

## घर के अंदर पत्नी ने बनाई कब्र बेहोश पति को जिंदा दफनाने वाली थी; मजदूरों को हुआ शक और पहुंच गई पुलिस

बारामती, 10 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बारामती में प्रवीण और शर्मिला की जिंदगी की शुरुआत सात फेरों के साथ शुरू हुई थी लेकिन कहानी का अंत इतना खौफनाक होगा किसी ने सोचा नहीं था। शर्मिला ने अपने पति को जिंदा दफनाने के लिए घर में उसकी कब्र बना दी। लेकिन उसे बनाने वाले मजदूरों को जब शक हुआ तो पूरे मामले का भंडाफोड़ हो गया। पुलिस ने आरोपी पत्नी को हिरासत में ले लिया है। पुलिस की तरफ से मिली जानकारी के मुताबिक प्रवीण जगताप की पत्नी शर्मिला जगताप ने अपने पति को पहले नशीली दवा देकर बेहोश किया और फिर क्रिकेट बैट से हमला करने के बाद उसे घर के अंदर बने ईंट-सीमेंट के एक चेंबर में जिंदा दफन करने की कोशिश की।

लेकिन समय रहते घर में चेंबर तैयार करने वाले मजदूरों को ही शक हो गया और पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद पति की जान बच गई। यह घटना बारामती शहर के जामदार रोड स्थित इंद्रप्रस्थ सोसायटी के एक फ्लैट में 1 अगस्त की सुबह के बीच हुई बताई जा रही है।

# टीआईएसएस के दो पूर्व छात्रों की ज़मानत याचिका खारिज होने पर सिब्बल ने कहा

## यह सरकार की असहिष्णुता और न्यायपालिका की स्थिति को दर्शाता है

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने सोमवार को कहा कि यह शर्म की बात है कि टीआईएसएस के दो पूर्व छात्रों को अदालत ने अग्रिम ज़मानत देने से इनकार कर दिया। उन्होंने दावा किया कि इससे सरकार की असहिष्णुता और न्यायपालिका की स्थिति का पता चलता है। मुंबई की एक अदालत ने शुक्रवार को टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टीआईएसएस) के दो पूर्व छात्रों को अग्रिम ज़मानत देने से इनकार कर दिया। इन छात्रों पर दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर जीएन साईबाबा को श्रद्धांजलि देने के लिए कैंपस में बिना अनुमति के सभा करने और विचाराधीन कैदियों उमर खालिद और शरजील इमाम की रिहाई की मांग करते हुए नारे लगाने के आरोप में आपराधिक मामले दर्ज हैं।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश वीबी बोहरा ने सात अन्य छात्रों को गिरफ्तारी से पहले ज़मानत दे दी। सिब्बल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, टीआईएसएस के पूर्व छात्रों शर्म की बात है कि

उन्हें अग्रिम ज़मानत नहीं मिली। आरोप है कि: उन्होंने उमर खालिद और शरजील इमाम (जो 2020 से जेल में हैं) की रिहाई के लिए नारे लगाए। स्वतंत्र राज्यसभा सांसद ने कहा, इससे आपको क्या पता चलता है: 1) सरकार की असहिष्णुता का स्तर; 2) पुलिस; 3) न्यायपालिका की स्थिति? अदालत ने कहा कि हालांकि साईबाबा (जिन्हें मौत से पहले बॉम्बे हाईकोर्ट ने नक्सलवाद से जुड़े एक मामले में बरी कर दिया था) को श्रद्धांजलि देना गैर-कानूनी नहीं है, लेकिन एक शैक्षणिक संस्थान में यूएपीए मामले में आरोपी विचाराधीन कैदियों के समर्थन में नारे लगाना आरोपियों - कामाख्या दास (23) और अभिरूप पॉल (32) - के आचरण पर संदेह पैदा करता है।

अदालत ने यह भी गौर किया कि आमतौर पर, मृत व्यक्तियों को श्रद्धांजलि देते समय रेस्ट इन पीस (शांति से सोएं) जैसे वाक्यांशों का इस्तेमाल किया जाता है।

लेकिन आरोपी छात्रों ने कथित तौर पर रेस्ट इन पावर (1967- हमेशा के लिए) शब्दों का इस्तेमाल किया। न्यायाधीश ने टीआईएसएस के दो पूर्व छात्रों को राहत देने से इनकार करते हुए अलग-अलग आदेशों में टिप्पणी की कि इस हरकत और उनके पास मिली सामग्री से निश्चित रूप से उनके आचरण पर संदेह पैदा होता है। अदालत ने सात अन्य छात्रों -- उत्कर्ष खुंटिया, यश कौडिल्य, अवंतिका, इशप्रीत कौर, निकिता मोनिका डिसूज़ा, हार्दिका भगत और सत्यम यादव को अग्रिम ज़मानत दे दी।

कोर्ट ने कहा कि उनसे कस्टडी में पूछताछ की ज़रूरत नहीं थी क्योंकि उन्होंने जांच में सहयोग किया था। यह कथित घटना 12 अक्टूबर, 2025 को हुई थी, जब टीआईएसएस में 10 से 12 छात्रों का एक समूह प्रशासन की बिना अनुमति के हॉस्टल के सामने इकट्ठा हुआ था।

पुलिस के अनुसार, छात्रों ने साईबाबा की पुण्यतिथि पर उनकी तस्वीरें लगाकर, मोमबत्तियां जलाकर, उनकी कविताएं पढ़कर और रेस्ट इन पावर (1967 से - हमेशा के लिए) का संदेश दिखाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। समूह ने खालिद और इमाम की रिहाई की मांग करते हुए नारे भी लगाए, जो अभी गैर-कानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत जेल में हैं।

## आश्रम स्कूल में आधी रात को घुसा जहरीला सांप... सो रहीं तीन छात्राओं को डसा, मौत से हड़कंप

गढ़चिरोली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के गढ़चिरोली जिले से एक बेहद दर्दनाक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। धानोरा तालुका के जपटलाई स्थित एक सरकारी सहायता प्राप्त आवासीय आश्रम स्कूल में सोते समय जहरीले सांप के काटने से तीन छात्राओं की मौत हो गई। इस भयावह हादसे के बाद आश्रम स्कूल के साथ-साथ पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है और छात्राओं के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्राप्त प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, जपटलाई स्थित इस आवासीय आश्रम स्कूल में सैकड़ों छात्राएं रहकर पढ़ाई करती हैं।

रोज की तरह रात भी छात्राएं अपने कमरे में सो रही थीं। देर रात किसी जहरीले सांप ने फर्श पर सो रही तीन छात्राओं को डस लिया। सुबह जब अन्य छात्राओं और स्कूल प्रशासन को घटना की भनक लगी, तब तक तीनों छात्राओं की सांसें थम चुकी थीं। तीनों मृत छात्राओं के शवों को तुरंत गढ़चिरोली के जिला सामान्य अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें आधिकारिक रूप से मृत घोषित कर दिया।

# पंजाब में आतंकी साजिश नाकाम

## बीकेआई मॉड्यूल का आतंकी गिरफ्तार, हैंड ग्रेनेड बरामद; खेप पहुंचाने से पहले शिकंजा

जालंधर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस जालंधर और एसबीएस नगर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में आईएसआई प्रायोजित बब्बर खालसा इंटरनेशनल के एक आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है।

पुलिस ने मॉड्यूल से जुड़े एक प्रमुख आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 86-पी हैंड ग्रेनेड बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, इस बरामदगी से एक संभावित आतंकी हमले को टालने में सफलता मिली है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी ने विदेश बैठे हैंडलरों के निर्देश पर जालंधर के आदमपुर के पास एक डीलर से कथित तौर पर हैंड ग्रेनेड हासिल किया था। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि ग्रेनेड कहां पहुंचाया जाना था और इसके जरिए किस स्थान या व्यक्ति को निशाना बनाने की योजना थी। इस मामले में एसबीएस नगर के थाना सदर नवांशहर में बीएनएस और एक्सप्लोसिव सब्सटेंसेज एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। जांच एजेंसियां गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ के आधार पर विदेशी हैंडलरों, स्थानीय मददगारों और मॉड्यूल से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने में जुटी हैं। पुलिस का फोकस आतंकी नेटवर्क की फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंक तलाशने पर है, ताकि हथियारों की सप्लाई और विदेश से संचालित नेटवर्क की पूरी कड़ी को उजागर किया जा सके। पंजाब पुलिस ने कहा है कि राज्य में आतंकी नेटवर्क और संगठित अपराध को जड़ से खत्म करने के लिए कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

## ओडिशा में भारी बारिश से बाढ़ के हालात, हीराकुंड बांध के 12 गेट खोले गए

भुवनेश्वर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। ओडिशा के निचले इलाकों में लगातार मूसलाधार बारिश के चलते कई प्रमुख नदियां उफान पर हैं, जिससे बालासोर और भद्रक समेत चार जिलों में जलजमाव हो गया है। छत्तीसगढ़ के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में हो रही वर्षा के कारण हीराकुड जलाशय के 12 जल नियंत्रण फाटकों से पानी छोड़ा जा रहा है। मौसम विज्ञान विभाग ने आगामी 24 घंटों में राज्य के कई उत्तरी और पश्चिमी जिलों में तेज वर्षा का अनुमान व्यक्त किया है। कम दबाव का क्षेत्र बनने के कारण हुई मूसलाधार बारिश से नदियों का जलस्तर बढ़ गया है और कई जिलों के निचले इलाकों में जलजमाव हो गया है, जिससे ओडिशा में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि वैतरणी, सालंदी, काणी और महानदी नदी प्रणाली के कुछ हिस्सों में पानी का स्तर कम हो रहा था,

# नीट-यूजी पेपर लीक मामले में टला आदेश

## अदालत ने 12 अगस्त तक बढ़ाई आरोपियों की न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। नीट यूजी पेपर लीक मामले में सोमवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू स्थित विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई हुई। हालांकि, कोर्ट ने चार्जशीट पर संज्ञान लेने का आदेश टाल दिया है। अब अदालत इस मामले में 12 अगस्त को संज्ञान लेने

का फैसला सुनाएगी। वहीं, राउज एवेन्यू कोर्ट ने आरोपियों की न्यायिक हिरासत 12 अगस्त तक बढ़ा दी है। कोर्ट के आदेश के अनुसार, सभी आरोपियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पूछताछ की जाएगी। कोर्ट ने मांगीलाल बिवाल, विकास बिवाल और दिनेश बिवाल की उस अर्जी को खारिज कर दिया है, जिसमें उनके पॉलीग्राफ, ब्रेन मैपिंग और लाई डिटेक्टर टेस्ट के लिए निर्देश देने की मांग की गई थी।

इससे पहले राउज एवेन्यू स्थित विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट ने बीते गुरुवार को इस मामले में सभी 13 आरोपियों की न्यायिक हिरासत 10 अगस्त तक बढ़ा दी थी। फास्ट ट्रैक गठित होने से यह मामला राउज एवेन्यू में ही न्यायाधीश अजय गुप्ता की अदालत में चल रहा था। फास्ट ट्रैक गठित होने पर मामला विशेष न्यायाधीश अनु ग्रोवर बलिगा के पास आ गया। उनके स्थानांतरण के बाद अजय गुप्ता को फास्ट ट्रैक कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया है।

## वृद्धाश्रम में रखा रहा पिता का शव, बच्चे नहीं पहुंचे

भोपाल, 10 अगस्त (एजेंसियां)। एक पिता ने जिंदगीभर मेहनत कर अपने चार बच्चों को पाला। जो कुछ कमाया, उनके बीच बांट दिया। जिंदगी के आखिरी पड़ाव पर उसी पिता को अपनों से दूर वृद्धाश्रम में रहना पड़ा। मौत के बाद बच्चे उनका चेहरा देखने तक नहीं पहुंचे। भोपाल में 'अपना घर' वृद्धाश्रम का प्रबंधन 70 वर्षीय घनश्याम की मौत के बाद दो दिन तक उनके परिजन के आने का इंतजार करता रहा। बेटियों ने आने से इनकार कर दिया, बेटों ने भी पहुंचने में असमर्थता जताई।

परिवार की ओर से बार-बार आश्रम प्रबंधन से ही अंतिम संस्कार करने और डेथ सर्टिफिकेट उपलब्ध कराने को कहा जाता रहा। आश्रम संचालिका माधुरी मिश्रा के मुताबिक, बुजुर्ग की मौत 4 अगस्त 2026 को हुई थी। परिवार से संपर्क की कोशिशें की गईं, लेकिन कोई अंतिम संस्कार के लिए नहीं पहुंचा। शव को दो दिन तक इस उम्मीद में रखा गया कि शायद कोई अपना आएगा। बाद में पुलिस की मदद से अंतिम संस्कार कराया गया।

## दो जगह कांपी धरती, उत्तरकाशी में लगे 4.2 के झटके, टिहरी में 2.0 रही तीव्रता

उत्तरकाशी/टिहरी, 10 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी और टिहरी गढ़वाल में सोमवार देर रात भूकंप के झटके महसूस किए गए। उत्तरकाशी में 4.2 तीव्रता का तेज झटका आया, जबकि टिहरी में 2.0 तीव्रता का हल्का भूकंप दर्ज हुआ। दोनों ही स्थानों पर जान-माल के किसी नुकसान की कोई सूचना नहीं है। उत्तरकाशी में यमुना घाटी और गंगा घाटी सहित कई क्षेत्रों में भूकंप का तेज झटका महसूस किया गया। भूकंप का झटका इतना तेज था कि लोग तुरंत अपने घरों से बाहर आ गए। उन्होंने अपने आसपास के लोगों को फोन कर भूकंप के बारे में पूछा।

जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, यह झटका देर रात करीब 1:21 बजे आया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने इसकी तीव्रता 4.2 बताई है। भूकंप का केंद्र उत्तरकाशी जिले में था। इसकी गहराई करीब 10 किलोमीटर दर्ज की गई। केंद्र बडकोट तहसील मुख्यालय के नजदीक राजगढ़ी के आसपास बताया जा रहा है। टिहरी गढ़वाल के कीर्तिनगर और घनसाली क्षेत्र में भी भूकंप महसूस किया गया। यह सोमवार तड़के आया और इसकी तीव्रता 2.0 थी। यह बहुत हल्का भूकंप था, जिसकी गहराई 5 किलोमीटर रही। जिले में इस भूकंप से किसी तरह के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। उत्तरकाशी में आए तेज भूकंप के कारण लोग घरों से बाहर निकल आए थे।

कई लोगों ने तुरंत अपने परिजनों और पड़ोसियों से फोन पर संपर्क किया। जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र ने देर रात आए भूकंप की जानकारी दी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने भूकंप का केंद्र और गहराई दर्ज की। दोनों ही जिलों में प्रशासन ने किसी भी प्रकार के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं दी है।

## दिल्ली में महिलाओं ने संभाली ड्रग्स कारोबार की कमान

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। नशीले पदार्थों के कारोबार में महिलाएं जहां पहले ज्यादातर सहायक या डिलीवरी की सीमित भूमिका में होती थीं, वहीं अब कई महिलाएं मुख्य सरगना के रूप में सक्रिय हैं। ड्रग्स स्मगलिंग से जुड़कर कई महिला अपराधियों ने छोटे स्तर से करोड़ों की संपत्ति तक जुटा ली है। ऐसे में एंटी-नारकोटिक्स टीमों में अधिक महिला पुलिसकर्मियों को शामिल करने की योजना बनाई जा रही है। जांच एजेंसियों के सूत्रों के अनुसार, तस्लीमा पुट्टी, कुसुम, पारो, उषा और कांता जैसी महिलाओं ने इस नेटवर्क में सक्रिय भूमिका निभाई है। जांच में पाया गया है कि इन्होंने अवैध धंधे में लिप्त होकर करोड़ों रुपये की संपत्ति जुटाई है। इनमें फ्लैट, मकान और अन्य संपत्तियां शामिल बताई गई हैं। कई मामलों में महिलाओं ने अपने पति, पिता, भाई या बेटों के एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार होने के बाद कारोबार संभाला।

## सिविक बॉडी को ओएसआर ज़मीन पर सीवेज स्टेशन बनाने से रोका गया

चेन्नई, 10 अगस्त (एजेंसियां)। मद्रास हाई कोर्ट ने चेंगलपेट जिले के पोथेरी में 'एबोड वैली अपार्टमेंट्स' के सामने ओएसआर ज़मीन पर सीवेज पंपिंग स्टेशन बनाने से मराईमलाई नगर नगरपालिका को अस्थायी रूप से रोक दिया है। जस्टिस हेमंत चंदनगौडर ने हाल ही में 'एबोड वैली ओनर्स एसोसिएशन' के सेक्रेटरी आरएस श्रीराम की याचिका पर यह अंतरिम आदेश जारी किया। जज ने प्रतिवादी अधिकारियों की ओर से पेश सरकारी वकील के अनुरोध पर सुनवाई 12 अगस्त तक के लिए टाल दी और कहा कि तब तक वे सीवेज पंपिंग स्टेशन का निर्माण कार्य आगे नहीं बढ़ाएंगे।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश सीनियर वकील टी मोहन ने वकील एस जिमराज मिल्टन की मदद से बताया कि प्रमोटर ने 2010 में नगरपालिका को ओएसआर ज़मीन का गिफ्ट डीड सौंपा था, लेकिन नगरपालिका ने नियमों के मुताबिक उस ज़मीन को पार्क या खेल के मैदान के तौर पर विकसित नहीं किया। उन्होंने कहा कि कई साल बाद, नगरपालिका कमिश्नर ने अब 'टीएन कंबाइंड डेवलपमेंट एंड बिल्डिंग रूल्स, 2019' के नियम 41 और 42 का उल्लंघन करते हुए ज़मीन के एक हिस्से का इस्तेमाल सीवेज पंपिंग स्टेशन बनाने के लिए करने का प्रस्ताव रखा है।

उन्होंने बताया कि सीवेज पंपिंग स्टेशन पीने के पानी के मौजूदा कुएं के पास और पोथेरी झील के सामने बनाने का प्रस्ताव है, जिससे लोगों की सेहत और पर्यावरण को खतरा हो सकता है। उन्होंने कहा कि यह प्रस्ताव 'टीएन डिस्ट्रिक्ट म्युनिसिपैलिटीज एक्ट, 1920' के तहत नगरपालिका की कानूनी जिम्मेदारियों का उल्लंघन करता है, जिसके तहत सार्वजनिक जल स्रोतों की सुरक्षा और रखरखाव ज़रूरी है और पीने के पानी को दूषित करने वाली गतिविधियों पर रोक है।

## बुधवार रात टूटे तारों से सजेगा ब्रह्मांड, आसमान में बरसेंगे उल्कापिंड; दिखेंगे मोहक नजारे

नैनीताल, 10 अगस्त (एजेंसियां)। प्रकृति प्रेमियों, फोटोग्राफरों और खगोल विज्ञान में रुचि रखने वालों के लिए साल 2026 का अगस्त महीना एक अविस्मरणीय और अद्भुत अनुभव लेकर आ रहा है। 12 और 13 अगस्त की मध्यरात्रि को अंतरिक्ष में एक ऐसी अनोखी घटना घटने जा रही है जो इंसानी आंखों को चौंधिया देगी। इस रात दुनिया का सबसे प्रसिद्ध और भव्य पर्सीड उल्का पात अपने चरम पर होगा। आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज), नैनीताल के वैज्ञानिकों के अनुसार, इस दौरान आसमान से प्रति घंटे 60 से लेकर 100 तक उल्का गिरते हुए दिखाई देंगे जो अंधेरे आकाश में रोशनी की खूबसूरत और लंबी लकीरें खींचेंगे।

## हाईवे पर मिला खून से लथपथ शव, पुलिस को पत्नी और बेटे पर हत्या का शक

अमरावती, 10 अगस्त (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के अन्नमय्या जिले में पिलेरू कस्बे के पास तिरुपति हाईवे एक युवक का खून से लथपथ शव मिला है। युवक की पहचान 47 वर्षीय सुब्रह्मण्यम के रूप में हुई है। शुरुआती तौर पर इसे सड़क दुर्घटना माना जा रहा था। लेकिन मृतक के पिता के आरोपों, घर में मिले खून के धब्बों और सीसीटीवी फुटेज ने मामले का रुख बदल दिया। पुलिस को संदेह है कि पारिवारिक विवाद और अवैध संबंधों के चलते सुब्रह्मण्यम की घर पर ही हत्या की गई और फिर शव को हाईवे पर फेंककर दुर्घटना का रूप देने की कोशिश की गई। पुलिस ने मृतक की पत्नी उमादेवी और बेटे लोहित को हिरासत में ले लिया है और दोनों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह जानने की कोशिश कर रही है कि क्या यह एक सुनियोजित हत्या थी। दरअसल, सुब्रह्मण्यम की मौत के बाद उनके पिता ने पुलिस को बताया कि वह अपने बेटे, बहू या पोते से संपर्क नहीं कर पा रहे हैं।

# जब तक गृह मंत्री बयान नहीं देते, तबतक

## संसद में गतिरोध जारी रहेगा: प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को कहा कि संसद में विपक्ष और सरकार के बीच गतिरोध तब तक जारी रहेगा जब तक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह छात्रों पर कथित पुलिस ज्यादती के बारे में बयान नहीं देते। मानसून सत्र में केवल चार दिन बचे हैं, और संसद में जारी गतिरोध के बीच महिला आरक्षण, परिसीमन और विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) पर बड़े बिलों का भविष्य अनिश्चित बना हुआ है। सोमवार को लोकसभा के कामकाज की सूची में इनमें से कोई भी बिल शामिल नहीं था।

प्रियंका गांधी ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा, मुझे लगता है कि संसद में गतिरोध तब तक जारी रहेगा जब तक केंद्रीय गृह मंत्री बयान नहीं देते। हालांकि सरकार की पहल के बाद कुछ विपक्षी दलों ने महिला कोटा और परिसीमन बिलों पर अपना रुख नरम करने के संकेत दिए हैं, लेकिन कांग्रेस और उसके

अधिकांश सहयोगियों ने इन बिलों और एफसीआरए संशोधन बिल को लाने के किसी भी कदम का विरोध करने का संकल्प लिया है। संविधान संशोधन बिल, जिसमें 2029 में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण और सदन के विस्तार के लिए लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण का प्रस्ताव था, अप्रैल में दो-तिहाई बहुमत हासिल न कर पाने के कारण गिर गया था। एफसीआरए संशोधन बिल, 2026, इस साल 25 मार्च को लोकसभा में पेश किया गया था और इस पर चर्चा और इसे पारित करने की प्रक्रिया होनी है। एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने रविवार को कहा था, अगर केंद्र सरकार को लगता है कि वे इन दो या तीन दिनों में विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन बिल तैयार करके पेश कर सकते हैं, तो उन्हें यह इच्छा अपने तक ही सीमित रखनी चाहिए। वेणुगोपाल ने आरोप लगाया था कि प्रस्तावित कानून अल्पसंख्यकों और एनजीओ को निशाना बनाता है और कहा था कि विपक्ष इसे पारित नहीं होने देगा। वेणुगोपाल ने केरल के अलाप्पुझा में पत्रकारों से कहा था, अगर अमित शाह इस जन-विरोधी बिल को पारित कराने आते भी हैं, तो इसमें कोई संदेह नहीं है कि उन्हें संसद में कड़े विरोध का सामना करना पड़ेगा। यह बिल असंवैधानिक और जन-विरोधी है। हम ऐसे जन-विरोधी और असंवैधानिक बिल को पारित नहीं होने देंगे।

एफसीआरए बिल का मकसद विदेशी फंडिंग वाली संस्थाओं पर निगरानी को काफी सख्त करना है। इसमें एक नई और ताकतवर अथॉरिटी बनाने का प्रस्ताव है, जो उन गैर-लाभकारी संस्थाओं की संपत्ति ज़ब्त कर सकेगी और उनका प्रबंधन कर सकेगी जिनका लाइसेंस रद्द हो गया है। राजनीतिक दलों के अलावा ईसाई संगठनों ने भी इसका कड़ा विरोध किया है।

## 'मैं भारतीय हूं, मुझे घर लौटना है', असम के रास्ते बांग्लादेश भेजी गई बंगाल की महिला

मुंबई, 10 अगस्त (एजेंसियां)। मुंबई में हिरासत में ली गई बंगाल की महिला को घुसपैठिया होने के संदेह में बांग्लादेश प्रत्यर्पित किया गया। पश्चिम बंगाल की शाहिदा फकीर पिछले 20 वर्षों से अपने परिवार के साथ नवी मुंबई में रह रही हैं। पुलिस ने उन्हें 18 जुलाई को घुसपैठिया होने के संदेह में हिरासत में लिया और अंततः बांग्लादेश भेज दिया। 40 वर्षीय शाहिदा अपने पति जुम्मन फकीर (45 वर्ष) जो एक हाउसिंग सोसाइटी में केयरटेकर हैं और अपने छोटे बेटे (जो कक्षा 7 का छात्र है) के साथ नवी मुंबई के सनपाड़ा में रहती थीं। यह दंपति पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के स्वरूपनगर से हैं जहां उनका बड़ा बेटा मोबाइल फोन रिपेयर तकनीशियन के रूप में काम करता है। जुम्मन ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया, "18 जुलाई को वह बाजार गई थीं और पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया, उनका मोबाइल फोन जब्त कर लिया।

# 'शुद्ध पेट्रोल तुम्हारे बाप के घर से आएगा क्या', किस पर भड़के बीजेपी सांसद जनार्दन मिश्रा?

रीवा, 10 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के रीवा से बीजेपी सांसद जनार्दन मिश्रा एक बार फिर अपने विवादित बयानों को लेकर चर्चा में हैं। रीवा एयरपोर्ट पर एक कार्यक्रम के दौरान एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल का विरोध करने वालों पर निशाना साधते हुए सांसद जनार्दन मिश्रा ने कहा कि आंदोलन हो रहा है एथेनॉल नहीं चलेगा, शुद्ध पेट्रोल चलेगा। लेकिन शुद्ध पेट्रोल है ही नहीं तो कहां से आएगा।

सांसद ने एथेनॉल का विरोध करने वालों पर अटैक करते हुए यहां तक कह डाला कि शुद्ध पेट्रोल तुम्हारे बाप के घर से आएगा? दरअसल,

रीवा एयरपोर्ट पर हवाई सेवा के शुभारंभ के अवसर पर एक भव्य जनसभा का आयोजन किया गया था। बीजेपी सांसद जनार्दन मिश्रा मंच से जनता को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने मंच से असंयमित भाषा का इस्तेमाल किया जिससे सियासत काफी गरमा गई है। भाषण देते हुए बीजेपी सांसद ने कहा, "18,000 किलोमीटर का चक्कर लगाकर तेल मिल रहा है। और जब मोदी जी कह रहे हैं कि एथेनॉल मिलाओ 20% तो आंदोलन हो रहा है कि नहीं एथेनॉल नहीं चलेगा, केवल शुद्ध पेट्रोल चलेगा। शुद्ध पेट्रोल तुम्हारे बाप के यहां से आएगा? शुद्ध पेट्रोल है ही नहीं देश में तो कहां से आएगा?" उन्होंने ब्राजील का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां बड़े स्तर पर एथेनॉल का इस्तेमाल किया जा रहा है और वाहन एथेनॉल से चल रहे हैं। सांसद ने यह भी कहा कि भारतीय वाहनों में एथेनॉल से चलने की क्षमता है। उन्होंने तर्क दिया कि अगर एथेनॉल नहीं बनेगा तो पेट्रोल और डीजल की ज़रूरत कैसे पूरी होगी। सांसद के इस बयान के बाद यह मामला चर्चा में है। जिस समय सांसद जनार्दन मिश्रा ने यह विवादित बयान दिया, उस समय मंच पर कई बड़े नेता मौजूद थे।

इनमें डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल, सतना से सांसद गणेश सिंह और राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी शामिल थीं। अब बीजेपी सांसद का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

## भारी बारिश हुई तो बदल जाएगा मणिमहेश यात्रा का रूट

चंबा, 10 अगस्त (एजेंसियां)। 25 अगस्त से शुरू होने वाली मणिमहेश यात्रा के दौरान अगर पिछले साल जैसी भारी बारिश और भूस्खलन की स्थिति बनती है तो प्रशासन श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए वैकल्पिक मार्ग का इस्तेमाल करेगा। इसके लिए प्लान-बी तैयार कर लिया गया है। वैकल्पिक रास्ता सामान्य मार्ग से करीब एक किलोमीटर लंबा है, लेकिन प्रशासन के अनुसार यह सुरक्षित है। भारी बारिश या भूस्खलन की स्थिति में ही इस मार्ग को श्रद्धालुओं की आवाजाही के लिए खोला जाएगा। सामान्य परिस्थितियों में श्रद्धालु पारंपरिक मार्ग से ही मणिमहेश के लिए आवाजाही करेंगे। वैकल्पिक मार्ग वन विभाग के क्षेत्र से होकर गुजरता है।

यह हड़सर से धुई नाला, तोस गोठ, यमकुंड, दुनाली और धन्छौ झरने से होते हुए सीधे गौरीकुंड हेलीपैड के पास निकलता है। अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी विकास शर्मा ने बताया कि इस बार मणिमहेश यात्रा के दौरान व्यवस्थाओं और मार्गों की स्थिति पर प्रशासन की लगातार नजर रहेगी। पिछले साल आपदा के दौरान दुनाली के पास सामान्य यात्रा मार्ग को काफी नुकसान पहुंचा था। हालांकि वर्तमान में श्रद्धालुओं की आवाजाही के लिए रास्ता तैयार कर दिया गया है,

सुविचार: दुनिया एक सागर है इसे मंथन करो । तुम्हें अपार ज्ञान की प्राप्ति हो जाएगी।

## आउटसोर्स कर्मचारी की बिजली का झटका लगने से मौत

कुमरम भीम आसिफाबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को गोंतलापेट और मोटलागुडा गांवों के बीच बिजली लाइन पर काम करते समय एनपीडीसीएल के एक आउटसोर्स कर्मचारी को बिजली का झटका लगा।

पुलिस ने बताया कि बॉम्बेगुडा गांव के रहने वाले कर्मचारी चंदू (32) को बिजली लाइन की मरम्मत के लिए पोल पर चढ़ने के बाद गंभीर चोटें आईं। उसे कागजनगर शहर के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

इस बीच, चंदू के परिवार के सदस्यों ने न्याय की मांग करते हुए अस्पताल में धरना दिया। उन्होंने कहा कि चंदू ने पोल पर चढ़ने से पहले सावधानी बरती थी, लेकिन बिना जानकारी के बिजली चालू कर दी गई, जिससे उसकी जान चली गई। वे चाहते थे कि कंपनी मुआवज़ा दे और मानवीय आधार पर नौकरी दे।

## गरीबों के चेहरों पर मुस्कान ही हमारा लक्ष्य है : पोंगुलेटी

### इंदिरम्मा आवास योजना के तहत 8 लाख मकानों को मंजूरी

हनमकोंडा, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता )। तेलंगाना सरकार ने गरीब परिवारों के अपने घर के सपने को साकार करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। राज्य के राजस्व, आवास एवं सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि पात्र प्रत्येक गरीब परिवार को अपना घर उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। इंदिरम्मा आवास योजना के तहत अब तक हैदराबाद सहित राज्यभर में करीब 8 लाख मकानों को मंजूरी दी जा चुकी है।

आने वाले तीसरे और चौथे चरण में भी पात्र परिवारों को मकान दिए जाएंगे। सोमवार को हनमकोंडा जिले के कमलापुर मंडल में करीब 394 डबल बेडरूम मकानों के पट्टे लाभार्थियों को वितरित करते हुए मंत्री ने कहा कि गरीबों के आत्मसम्मान से जुड़ा अपना घर उपलब्ध कराने में सरकार किसी तरह का राजनीतिक भेदभाव नहीं कर रही है। मुख्यमंत्री, मंत्रियों और विपक्षी विधायकों के विधानसभा क्षेत्रों में भी पात्रता के आधार पर मकानों का आवंटन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इंदिरम्मा मकानों के निर्माण के लिए प्रत्येक लाभार्थी को 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता चरणबद्ध तरीके से सीधे बैंक खाते में दी जा रही है। मकान के निर्माण की प्रगति के आधार पर अगली किस्त जारी होगी। सरकार ठेकेदारों की भूमिका के बजाय सीधे लाभार्थियों के माध्यम से निर्माण को प्राथमिकता दे रही है।पोंगुलेटी ने बताया कि राज्यभर में करीब 35 हजार अधूरे मकानों को पूरा करने का अभियान भी चलाया जा रहा है। आवासीय बस्तियों में पेयजल, सड़क, बिजली सहित अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर भी सरकार का जोर है। परिवहन एवं बीसी कल्याण मंत्री पोनम प्रभाकर ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान और क्षेत्र का विकास सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने विकास कार्यों में राजनीतिक मतभेद भुलाकर जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और जनता से मिलकर काम करने का आह्वान किया। जिला कलेक्टर चाहत बाजपेयी ने बताया कि 394 लाभार्थियों का चयन क्षेत्रीय स्तर पर सत्यापन के बाद किया गया है। गलत जानकारी देकर अपात्र पाए जाने पर आवंटन रद्द किया जाएगा। लाभार्थियों को एक सप्ताह के भीतर मकानों का कब्जा लेने के निर्देश दिए गए हैं।

## घर के नीचे गड़ा खजाना मिलने का झांसा देकर एक करोड़ की ठगी

### चार गिरफ्तार, भारी मात्रा में ठगी का सामान बरामद

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। घर के नीचे गड़ा हुआ सोना और खजाना निकालने का झांसा देकर लोगों से ठगी करने वाले गिरोह का कमिश्नर टास्क फोर्स, शमशाबाद जोन ने राजेंद्रनगर पुलिस के साथ मिलकर पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब एक करोड़ रुपये की ठगी से जुड़े सामान बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहम्मद मुनव्वर उर्फ मुन्ना (36), सैयद अली अशरफ (40), मोहम्मद हाजी (25) और मोहम्मद सलमान (29) के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से दो कारें, एक ऑटो रिक्शा, दो मोटरसाइकिल, चार मोबाइल फोन, सोने की परत चढ़े 25 नकली सिक्के, छह किलो कोयला, चार किलो मिट्टी और पूजा सामग्री बरामद की है।

पुलिस के अनुसार कार की डेंटिंग-पेंटिंग का काम करने वाले

मुनव्वर ने आसान तरीके से पैसा कमाने के लिए ठगी की योजना बनाई। वह लोगों को अपने पास जमीन के नीचे दबे खजाने का पता लगाने की विशेष जानकारी होने का दावा करता था। विश्वास में लेने के बाद गिरोह के सदस्य संबंधित स्थान पर खुदाई करते और पहले से तैयार कोयले तथा नकली सोने के सिक्कों से भरी बोरी जमीन में दबा देते थे। इसके बाद पीड़ितों से कहा जाता था कि जमीन से निकला कोयला कुछ समय बाद सोने में बदल जाएगा। इसी झांसे में लेकर आरोपी मौके से फरार हो जाते थे। पुलिस के मुताबिक गिरोह ने विभिन्न इलाकों में कम से कम 11 लोगों को अपना शिकार बनाया और ठगी की कुल रकम करीब एक करोड़ रुपये आंकी गई है। इस संबंध में राजेंद्रनगर पुलिस थाने में बीएनएस की धाराओं 318(4), 351(2), 61(2) के साथ 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस को मुनव्वर के खिलाफ बेगम बाजार थाने में पहले से दर्ज एक ठगी के मामले की भी जानकारी मिली है।

साइबराबाद पुलिस ने लोगों से अपील की है कि जमीन के नीचे दबे खजाने या 'गुप्त निधि' का पता लगाने का दावा करने वाले किसी भी व्यक्ति के झांसे में न आएं। ऐसी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। आरोपियों की गिरफ्तारी टास्क फोर्स इंस्पेक्टर के. रवि के नेतृत्व में एसआई के. मंसूर अली, नरसिंह राव और एस. शेषु तथा उनकी टीम ने राजेंद्रनगर पुलिस के समन्वय से की।

## पपन्ना गौड़ साहस और सामाजिक समानता के प्रतीक : टीपीसीसी प्रमुख

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । टीपीसीसी अध्यक्ष और एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने सरदार सरवाई पपन्ना गौड़ को एक महान योद्धा और साहस का प्रतीक बताया, जिन्होंने सामाजिक समानता और शोषित वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। वह सोमवार को हैदराबाद के रवींद्र भारती में सरदार सरवई पपन्ना महाराज धर्म परिपालन संस्था और जय गौड़ आंदोलन राष्ट्रीय समिति द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित सरदार सरवई पपन्ना गौड़ जयंती समारोह में बोल रहे थे। इस अवसर पर महेश कुमार गौड़ ने सरदार सरवाई पपन्ना गौड़ के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि पापन्ना गौड़ केवल एक योद्धा ही नहीं बल्कि एक जननेता भी थे, जिन्होंने शोषितों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया और आम लोगों की गरिमा को कायम रखा। उन्होंने अपने समय की सामाजिक और आर्थिक

असमानताओं को चुनौती दी और लोगों में विश्वास जगाया। महेश कुमार गौड़ ने कहा कि पापन्ना गौड़ का जीवन अन्याय के विरुद्ध खड़े होने, जनता के लिए लड़ने और समाज में समानता स्थापित करने के जज्बे का उदाहरण था। उन्होंने आगे कहा कि उनका साहस, नेतृत्व क्षमता और जन कल्याण के प्रति समर्पण वर्तमान पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा। टीपीसीसी प्रमुख ने कहा कि इतिहास में अनेक महान संघर्ष हुए हैं, लेकिन कई हस्तियों को वह सम्मान नहीं मिला जिसके वे हकदार थे। उन्होंने कहा कि ऐसे महान व्यक्तित्वों के योगदान और इतिहास को सामने लाना समाज का दायित्व है। महेश कुमार गौड़ ने कहा कि सरदार सर्वई पापन्ना गौड़ का इतिहास भावी पीढ़ियों तक पहुंचाया जाना चाहिए और उनके आदर्शों को व्यवहार में उतारा जाना चाहिए।उन्होंने युवाओं से सरदार सरवाई पापन्ना गौड़ के जीवन और इतिहास का अध्ययन करने और उनके साहस, आत्मसम्मान और नेतृत्व गुणों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

## काचीगुड़ा रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ बैंड ने देशभक्ति की धुनों से बांधा समां

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आरपीएफ की दक्षिण मध्य रेलवे बैंड टीम ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के तहत रविवार को काचीगुड़ा रेलवे स्टेशन पर शानदार संगीतमय कार्यक्रम प्रस्तुत किया। 12 सदस्यीय आरपीएफ बैंड दल ने देश की स्वतंत्रता की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में विभिन्न देशभक्ति गीतों के साथ लोकप्रिय गीतों की भी मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। रेलवे स्टेशन परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम को देखने के लिए बड़ी संख्या में यात्री और आम नागरिक एकत्र हुए। बैंड की मधुर और जोशपूर्ण प्रस्तुतियों ने यात्रियों एवं दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के दौरान स्टेशन परिसर देशभक्ति के उत्साह से सराबोर नजर आया। दर्शकों ने आरपीएफ बैंड के कलाकारों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उनके प्रयासों की प्रशंसा की। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित इस संगीतमय कार्यक्रम ने यात्रियों के बीच देशभक्ति की भावना को और मजबूत किया।

## साइबर अपराध जागरूकता और परिचालन तैयारियों को प्राथमिकता दें : सीवी आनंद

### डीजीपी ने 5 वीं तेलंगाना विशेष पुलिस बटालियन का दौरा किया

मुलुगु,10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सी. वी. आनंद ने सोमवार को मुलुगु स्थित 5वीं तेलंगाना विशेष पुलिस बटालियन का दौरा किया और अधिकारियों तथा जवानों से बातचीत की। उन्होंने उभरती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए बटालियन पुलिस व्यवस्था को और मजबूत करने पर जोर दिया। पुलिसकर्मियों को संबोधित करते हुए डीजीपी ने विशेष रूप से युवाओं के बीच साइबर अपराध, नशीली दवाओं के दुरुपयोग और ऑनलाइन सट्टेबाजी के प्रति व्यापक जनजागरूकता पैदा करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि सामुदायिक स्तर पर लोगों से जुड़कर निवारक पुलिसिंग को मजबूत किया जाना चाहिए, ताकि अपराधों को होने से पहले ही रोकने के प्रयास किए जा सकें। उन्होंने निरंतर प्रशिक्षण, कड़े अनुशासन, शारीरिक फिटनेस और परिचालन तैयारियों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बटालियन के जवानों को आपात स्थितियों और अन्य गंभीर परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए हर समय तैयार रहना चाहिए। डीजीपी ने बटालियन के बुनियादी ढांचे में सुधार करने और पुलिसकर्मियों के कल्याण को प्राथमिकता देने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कर्मचारी स्वास्थ्य योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही आधुनिक पुलिसिंग की आवश्यकताओं के अनुरूप तकनीक का अधिक उपयोग करने और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को और मजबूत करने की सलाह दी। पुलिसकर्मियों के साथ बातचीत के दौरान डीजीपी ने उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली तथा भरोसा दिलाया कि उनके मुद्दों के समाधान के लिए जल्द उचित कदम उठाए जाएंगे।

## संसदीय समिति ने प्राइवेट अस्पतालों में इलाज के खर्च पर सीमा तय करने की सिफारिश की

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। प्राइवेट कॉर्पोरेट अस्पतालों में बहुत ज़्यादा और अनिश्चित मेडिकल बिलों पर लगाम लगाने के लिए, एक उच्च-स्तरीय संसदीय स्थायी समिति ने सभी प्राइवेट हेल्थकेयर सेंटर्स में ज़रूरी इलाज, जांच और रूटीन प्रक्रियाओं के खर्च पर सख्त सीमा तय करने और शुल्क एक समान करने की सिफारिश की है।

उच्च-स्तरीय समिति ने खर्च पर सीमा तय करने की सिफारिश इसलिए की है क्योंकि प्राइवेट अस्पतालों में इलाज के दौरान मरीज़ और उनके परिवार अक्सर गंभीर आर्थिक संकट में फंस जाते हैं, जबकि वहां इलाज का खर्च सरकारी सुविधाओं की तुलना में कई गुना ज़्यादा होता है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण पर संसदीय स्थायी समिति ने कुछ दिन पहले संसद में अपनी 176वीं रिपोर्ट पेश की, जिसमें हेल्थकेयर सेक्टर में अस्पष्ट बिलिंग सिस्टम और भारी असमानताओं की कड़ी आलोचना की गई। समिति ने ऐसे आंकड़ों पर ज़ोर दिया जो दिखाते हैं कि कई राज्यों में प्राइवेट अस्पतालों में भर्ती होने का खर्च मध्यम और कम आय वाले परिवारों के लिए बहुत भारी पड़ता है। इसलिए, समिति का मानना है कि प्राइवेट अस्पतालों में इलाज के खर्च पर सीमा तय करने और शुल्क एक समान करने जैसे सुरक्षा उपायों की तत्काल आवश्यकता है।

समिति ने रूटीन प्रक्रियाओं, विशेष इलाज और क्लिनिकल जांच के खर्च पर सीमा तय करने के लिए एक संस्थागत तंत्र बनाने पर ज़ोर दिया है, ताकि प्राइवेट हेल्थकेयर के कारण होने वाले भारी आर्थिक बोझ को खत्म किया जा सके।

दवाओं की उपलब्धता को किफायती बनाने के लिए, समिति ने सरकारी योजनाओं के तहत सूचीबद्ध सभी बड़े प्राइवेट अस्पतालों के परिसर में अनिवार्य रूप से जन औषधि केंद्र खोलने की भी सिफारिश की है। पैनल ने अपनी सिफारिशों में यह भी कहा कि भारत में मेडिकल टूरिज्म के तेज़ी से बढ़ने से बड़ी कॉर्पोरेट हॉस्पिटल चेन की कमाई में भारी बढ़ोतरी हुई है, जिन्हें अक्सर सरकारी रियायतें और विदेशी निवेश (एफडीआई) का समर्थन मिलता है। पैनल ने एक व्यवस्थित क्रॉस-सब्सिडाइज़ेशन मॉडल की सिफारिश की, जिसके तहत अमीर और विदेशी मरीज़ों से मुनाफ़ा कमाने वाले संस्थानों के लिए यह ज़रूरी हो कि वे आर्थिक रूप से कमज़ोर घरेलू मरीज़ों के लिए टर्शियरी केयर (विशेष इलाज) में सब्सिडी दें।

रिपोर्ट में 'मिसिंग मिडिल' (बीच के उस वर्ग) के लिए खास हेल्थ इंश्योरेंस प्रोडक्ट की भी बात कही गई है – यानी वे लाखों नागरिक जो एबी-पीएणजेएवाय जैसी सरकारी सुरक्षा योजनाओं के लिए योग्य नहीं हैं, लेकिन कमर्शियल प्राइवेट इंश्योरेंस का खर्च उठाने में भी संघर्ष करते हैं।

समिति ने बुनियादी ढांचे से जुड़ी दिक्कतों को दूर करने पर भी ध्यान दिया है और कहा है कि प्रमुख केंद्रीय मेडिकल संस्थानों में बहुत ज़्यादा भीड़ के कारण अक्सर इलाज का खर्च बढ़ जाता है। इस चुनौती से निपटने के लिए, पैनल ने दिल्ली के उत्तरी बाहरी इलाके में एक और स्वतंत्र रूप से संचालित एम्स सुविधा या पूरी तरह से सुसज्जित सैटेलाइट सेंटर बनाने का सुझाव दिया है, ताकि टर्शियरी हेल्थकेयर के बोझ को विकेंद्रीकृत (बांटा) किया जा सके। पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि इस तरह के सरकारी बुनियादी ढांचे का विस्तार करना बहुत ज़रूरी है ताकि उन मरीज़ों की संख्या कम की जा सके जो मजबूरी में महंगे प्राइवेट नेटवर्क में इलाज कराने को मजबूर होते हैं।

## नरसमपेट में सुदर्शन रेड्डी की मूर्ति के लिए बने चबूतरे को तोड़ने का विरोध

वारंगल, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के नरसमपेट शहर में तनाव फैल गया, जब बीआरएस के बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने अचानक विरोध प्रदर्शन किया। यह विरोध हाल ही में गुज़रे पूर्व एमएलए पेड्डी सुदर्शन रेड्डी की मूर्ति लगाने के लिए बनाए गए चबूतरे को तोड़े जाने के बाद हुआ। बताया गया कि नरसमपेट विधानसभा क्षेत्र के पार्टी कार्यकर्ताओं ने शहर के बाहरी इलाके में सर्वपुरम में सरकारी मेडिकल कॉलेज के सामने एक निजी ज़मीन पर मूर्ति लगाने की योजना बनाई थी।

हालांकि, नगर पालिका अधिकारियों ने रविवार देर रात अर्थ मूवर्स और मज़दूरों को लगाकर चबूतरे को ज़मींदोज़ कर दिया। उनका कहना था कि सुदर्शन रेड्डी की मूर्ति लगाने के लिए कोई इजाज़त नहीं ली गई थी। उनके इस कदम की स्थानीय लोगों और बीआरए कार्यकर्ताओं ने कड़ी आलोचना की है।

पूर्व मंत्री एर्रबेली दयाकर राव, एमएलसी टक्कलपल्ली रविंदर राव, पूर्व पूर्व बोइनपल्ली विनोद कुमार और वरिष्ठ नेताओं ने सत्ताधारी पार्टी के नेताओं के कहने पर चबूतरे को तोड़े जाने की कड़ी निंदा की। नेताओं ने बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के साथ सोमवार को शहर की मुख्य सड़क पर रास्ता रोको प्रदर्शन किया। पुलिस ने नेताओं को हिरासत में लेने की कोशिश की, जिसके दौरान बीआरएस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच हाथापाई हुई और शहर में तनाव फैल गया।

मीडिया से बात करते हुए, पूर्व जेडपी चेयरमैन अकुला श्रीनिवास ने बताया कि पार्टी कार्यकर्ताओं ने कुछ दिन पहले 'भूमि पूजा' की थी और नरसमपेट के जंगमा रामा राव की निजी ज़मीन पर सुदर्शन रेड्डी की मूर्ति लगाने के लिए चबूतरा बनाया था।

## जमीन आवंटन पर बीआरएस ने उठाए सवाल

### सीएम रेवंत रेड्डी के इस्तीफे की मांग

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के प्रवक्ता मन्ने कृषांक ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर पद का दुरुपयोग कर परिवार के सदस्यों के कारोबारी हितों को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। उन्होंने चौथे शहर क्षेत्र में टेसरैक्ट एडवांस्ड सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड को सरकारी जमीन आवंटित किए जाने के मामले में स्वतंत्र जांच की मांग की। कृषांक ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के भाई अनुमुला कोंडल रेड्डी के अध्यक्ष पद वाली कंपनी को रविर्याल में करीब 20,234 वर्ग मीटर सरकारी जमीन 3,707 रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर से आवंटित की गई है। उन्होंने सवाल उठाया कि इतनी मूल्यवान जमीन ऐसी कंपनी को किस आधार पर आवंटित की गई, जिसकी चुकता पूंजी कथित तौर पर केवल एक लाख रुपये है और कंपनी के अभिलेखों में कर्मचारियों की संख्या शून्य बताई गई है। उन्होंने सरकार से चौथे शहर क्षेत्र में किए गए सभी जमीन आवंटनों का विवरण सार्वजनिक करने की मांग की।

साथ ही टेसरैक्ट को जमीन आवंटित करने के दौरान निर्धारित पात्रता मानदंड, जमीन का मूल्यांकन और जांच-पड़ताल की प्रक्रिया के बारे में भी स्पष्टीकरण मांगा। कृषांक ने कंपनी द्वारा किए जाने वाले एयरोस्पेस और रक्षा संबंधी कार्यों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने इन गतिविधियों के लिए आवश्यक मंजूरियों और लाइसेंस का विवरण सार्वजनिक करने की मांग की। साथ ही उन्होंने सवाल किया कि कंपनी के अध्यक्ष को अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी मंच के भारत कार्यकारी नेतृत्व बोर्ड में शामिल किए जाने से पहले किस प्रकार की जांच-पड़ताल की गई थी। बीआरएस प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि इस मामले में हितों के टकराव की आशंका है। उन्होंने कहा कि जब तक रेवंत रेड्डी मुख्यमंत्री पद पर बने रहेंगे, तब तक निष्पक्ष जांच कराना कठिन होगा। कृषांक ने जमीन का आवंटन रद्द करने तथा स्वतंत्र जांच का मार्ग प्रशस्त करने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से पद छोड़ने की मांग की।

## बाइक की टक्कर में पंचायत कर्मचारी की मौत

मेडक, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को यूसुफपेट में दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक, अकुला कृष्णा (33), पापान्नापेट मंडल मुख्यालय में पंचायत कर्मचारी के तौर पर काम करते थे।

वे मेडक से पापान्नापेट की ओर जा रहे थे, तभी मुसलापुर के एक अन्य व्यक्ति ने उन्हें टक्कर मार दी। कृष्णा को मेडक के अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान एक घंटे बाद उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

## माधापुर में थार की टक्कर से 50 साल के व्यक्ति की मौत

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को माधापुर में कोंडापुर आरटीओ ऑफिस के पास एक तेज़ रफ़्तार जीप ने कथित तौर पर पीछे से एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे 50 साल के एक व्यक्ति की मौत हो गई।

मृतक की पहचान वनापर्थी के सीएच श्रीनिवासुलु के तौर पर हुई है, जो मोटरसाइकिल पर पीछे बैठे थे, तभी महिंद्रा थार ने पीछे से बाइक को टक्कर मारी। श्रीनिवासुलु को गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मोटरसाइकिल चलाने वाले शिव कुमार घायल हो गए और उनका इलाज चल रहा है।

## रैपिडो राइडर बताने वाले व्यक्ति पर महिला ने उत्पीड़न का आरोप लगाया

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ऐतिहासिक चारमीनार स्मारक के पास ऑटो-रिक्शा का इंतज़ार कर रही एक महिला ने आरोप लगाया है कि इरफ़ान नाम के एक व्यक्ति ने हाल ही में उसके पास आकर उसे छेड़ा और पूछा, क्या मैं आपको छोड़ दूँ?

उसके इंस्टाग्राम पोस्ट के अनुसार, उस व्यक्ति की बाइक स्टॉर्ट नहीं हो रही थी और महिला ने देखा कि उस पर नंबर प्लेट नहीं थी। महिला का दावा है कि जब उसने पूछा, तो उसने खुद को रैपिडो राइडर बताया, लेकिन आईडी दिखाने के लिए कहे जाने पर वह हिचकिचाने लगा।

पूरी घटना वीडियो में रिकॉर्ड हो गई। महिला, जिसने अकेले ही उस व्यक्ति का सामना किया और निडर होकर उससे सवाल किए, उसे कथित उत्पीड़न के खिलाफ आवाज़ उठाने के लिए सोशल मीडिया पर काफी तारीफ़ मिली है। बाद में उसने इंस्टाग्राम पर अपना अनुभव शेयर किया और उस घटना के दौरान हुई परेशानी के बारे में विस्तार से बताया।


## CLASSIFIEDS

### CHANGE OF NAME

I, No. 14654806F, Hav, Sanjay Kumar Dwivedi, R/o, Dist: Deoria, Uttar Pradesh, changed my Mother's name from Lalpari Dwivedi to Lalpari Dubey, vide Affidavit No. 995039 dt. 07.08.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

### सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

# जेन जी से समझेगा संघ, कहां क्या खटक रहा?

## किन मुद्दों पर असहमति, 2027 से पहले रणनीति, प्रांत स्तर पर संवाद

कानपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। सोशल मीडिया के दौर में जेन जी के सवाल अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के एजेंडे में हैं। पुरानी व्यवस्थाओं को तर्क की कसौटी पर कसने और सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों पर बेबाक राय रखने वाली इस पीढ़ी की सोच और असहजता को समझने के लिए, संघ अब सीधे उसके बीच जाएगा।

स्वतंत्रता दिवस के बाद संघ के प्रचारक जेन जी से संवाद करेंगे। वह समझेंगे कि केंद्र व राज्य सरकारों की नीतियों और शासन व्यवस्था को लेकर उनके मन में क्या सवाल और शिकायतें हैं। संवाद से मिले फीडबैक के आधार पर संघ अपनी सामाजिक और युवा रणनीति को नए सिरे से आकार देगा।

खास बात यह है कि इस बार कोशिश युवाओं को अपनी बात समझाने से पहले उनकी बात सुनने की है। वर्ष 2027 में उत्तर प्रदेश के अलावा उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, गुजरात, गोवा और मणिपुर में विधानसभा चुनाव होने हैं। इससे पहले गत जून-जुलाई में दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए जेन-जी के प्रदर्शन और उसे मिले देशव्यापी समर्थन ने राजनीतिक दलों के साथ ही संघ का ध्यान भी इस वर्ग की ओर खींचा है। युवा मतदाताओं का रुख आने वाले चुनावों में हार और मात के सियासी खेल को प्रभावित कर सकता है।

छह अगस्त को मुंबई में संघ प्रमुख मोहन भागवत का जेन जी और जेन अल्फा के साथ संवाद इसी लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। संघ प्रमुख ने युवाओं की शिकायतों को जायज बताते हुए उनकी बात सुने जाने की जरूरत कही थी। इसके बाद अब प्रांत स्तर पर सीधे संवाद की तैयारी है। संघ का गुरु दक्षिणा कार्यक्रम होने के साथ 15 अगस्त के बाद कानपुर, काशी, गोरक्ष और अवध प्रांत के साथ पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ और ब्रज प्रांत में युवा सम्मेलन होंगे। इनमें जेन जी से विशेष रूप से संवाद किया जाएगा। संघ की कोशिश ऐसे युवाओं तक पहुंचने की भी रहेगी जो किसी संगठन से सीधे जुड़े नहीं हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों को लेकर सक्रिय रहते हैं।

जेन अल्फा को भी इस अभियान में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। संघ की दीर्घकालिक रणनीति में यह वह पीढ़ी है, जो आने वाले वर्षों में सामाजिक विमर्श और सार्वजनिक जीवन को प्रभावित करेगी। उसे संघ की विचारधारा और कार्यपद्धति से परिचित कराने के साथ भविष्य के जुड़ाव की जमीन तैयार करने की कोशिश होगी।

संघ के एक वरिष्ठ प्रचारक के मुताबिक किशोर गण और तरुण गण शाखाओं के माध्यम से किशोरों और युवाओं के बीच हमारी पहुंच पहले से ही है। शताब्दी वर्ष में युवा सम्मेलनों की कार्ययोजना करीब तीन साल पहले ही तैयार कर ली गई थी। बदलते सामाजिक और राजनीतिक माहौल में इसका महत्व बढ़ गया है।

# राममंदिर चढ़ावा चोरी- चंपत राय फिर महासचिव की रेस में

## विहिप ने क्लीनचिट दी, अयोध्या के संतों ने निर्दोष बताया, रोज महंतों से मिल रहे

अयोध्या, 10 अगस्त (एजेंसियां)। राम मंदिर चढ़ावा चोरी के आरोपों से घिरे चंपत राय एक बार फिर मंदिर ट्रस्ट के महासचिव बनने की रेस में हैं। चंपत ने 26 जून को महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया था।

सूत्रों के मुताबिक, 22 जुलाई को दिल्ली में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की राष्ट्रीय बैठक में उन्हें क्लीनचिट दे दी गई। इसके अगले ही दिन अयोध्या में उनके समर्थन में संतों ने बैठक की। मणिराम दास छावनी में हुई बैठक में कई प्रमुख संतों ने चंपत राय को बेदाग बताते हुए दोबारा महासचिव बनाने की मांग उठाई। ज्यादातर संतों ने इसका समर्थन भी किया।

इसके बाद से चंपत राय रोज संतों के पास पहुंच रहे हैं। वह मंदिरों में पहुंचकर संतों-महंतों से मुलाकात कर रहे हैं। राम मंदिर व्यवस्था को लेकर विचार-विमर्श कर रहे हैं। खुद के प्रति विश्वास बढ़ाने की कोशिश में लगे हैं।

रामवल्लभाकुंज के प्रमुख और राम मंदिर धार्मिक समिति के सदस्य स्वामी राजकुमार दास ने कहा कि संत समाज की नजर में चंपत राय निर्दोष हैं। अगर सभी जांचों में वे बेदाग साबित होते हैं, तो उन्हें दोबारा महासचिव बनाया जाना स्वागत योग्य होगा। इससे राम मंदिर की व्यवस्था और सनातन समाज के हित में काम होगा। अयोध्या के संत इसकी मांग भी कर रहे हैं।

स्वामी राजकुमार दास ने कहा कि स्वर्गीय अशोक सिंहल के साथ और उनके बाद चंपत राय ने राम मंदिर आंदोलन और निर्माण में काफी योगदान दिया है। इसलिए उन्हें सम्मान मिलना चाहिए।

23 जुलाई को अयोध्या में मणिराम दास छावनी ट्रस्ट के तुलसीदास प्राकृतिक चिकित्सालय परिसर में अयोध्या के प्रमुख संतों की बैठक हुई थी। ये बैठक चंपत राय के समर्थन को लेकर थी।

इसमें महंत कमलनयन दास, राम मंदिर धार्मिक समिति के सदस्य स्वामी राजकुमार दास, महंत मिथिलेश नंदिनी शरण, अखाड़ा परिषद के प्रवक्ता महंत संजय दास, वैष्णव अखाड़ा परिषद के प्रवक्ता महंत गौरीशंकर दास, तुलसीदास छावनी के महंत जनार्दन दास और रामकचहरी के महंत शशिकांत दास समेत कई संत शामिल हुए थे। बैठक में चंपत राय के राम मंदिर आंदोलन में योगदान का जिक्र करते हुए उन पर लगे आरोपों को साजिश बताया गया था। संतों ने कहा था कि चंपत राय को दोबारा राम मंदिर ट्रस्ट का महासचिव बनाया जाना चाहिए। बताया जा रहा है कि चंपत राय से जुड़े लोगों ने संतों-महंतों को समर्थन देने के लिए प्रेरित किया था। ये लोग मंदिर-मंदिर गए थे और चंपत राय के पक्ष में समर्थन मांगा था। इसके बाद पूरा माहौल बदल गया। सूत्रों के अनुसार, ऊपर से संकेत मिलने के बाद ही विहिप में चंपत राय का विरोध पूरी तरह ठंडा पड़ गया। संतों ने चंपत राय के राम मंदिर आंदोलन की चर्चा की, उन पर लग रहे आरोपों को साजिश बताया।

# यूपी-पंजाब में चुनाव लड़ेंगे चिराग पासवान?

## दिल्ली में तैयार हो रही रणनीति, बीजेपी की पैनी नजर

पटना/दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश और पंजाब की विधानसभा चुनावों में दो-दो हाथ करने की तैयारी में चिराग पासवान जुट गए हैं। दिल्ली में लोजपा (रामविलास) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की अहम बैठक बुलाई गई है। केंद्रीय मंत्री और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान की मौजूदगी में आयोजित इस बैठक में देशभर के प्रदेश अध्यक्ष, विधायक और वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हो रहे। बिहार सरकार में मंत्री संजय पासवान ने इसे विधायक बनने के बाद अपनी पहली राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक बताया। बैठक का मुख्य फोकस पार्टी संगठन के विस्तार और विभिन्न राज्यों में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों की रणनीति तय करने पर है। केंद्र और बिहार सरकार में एनडीए के अहम सहयोगी होने के नाते, चुनावी राज्यों में चिराग पासवान के अगले सियासी फैसलों पर बीजेपी की भी खास नजर बनी हुई है।

केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान की अध्यक्षता में पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक नई दिल्ली में आयोजित की गई है। बैठक में देशभर से प्रदेश अध्यक्ष, विधायक और वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हो रहे हैं। इस दौरान संगठन को मजबूत करने, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने और उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा हो सकती है।

बिहार सरकार में मंत्री और लोजपा(आर) नेता संजय पासवान ने कहा, 'आज मैं राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में आया हूं। विधायक बनने के बाद यह पहली बार है जब राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हो रही है। पूरे देश से सभी प्रदेश अध्यक्ष और विधायक सब लोग आए हैं। आज महत्वपूर्ण निर्णय होंगे। हमारे नेता चिराग पासवान आज जो भी दिशा निर्देश देंगे, हम सब लोग उसको जमीन पर उतारने का काम करेंगे।'

उन्होंने कहा कि बैठक का मुख्य एजेंडा संगठन को मजबूत करना है। उन्होंने कहा, 'आने वाले समय में 6 राज्यों में चुनाव है।

# भरत एनकाउंटर: वकील बोले- 11 आरोपियों के खिलाफ गैरजमानती वारंट

आरा, 10 अगस्त (एजेंसियां)। भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में आज आरा सिविल कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान भरत तिवारी के परिवार के वकील संजीव कुमार सिंह ने कोर्ट के समक्ष 11 पॉइंट पर अपना पक्ष रखा। जिसपर कोर्ट ने सहमति जताते हुए एसपी से अब तक की जांच रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट से बाहर आने के बाद संजीव कुमार सिंह ने दावा किया कि आरा कोर्ट ने भरत इनकाउंटर में शामिल 11 लोगों के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया है। कोर्ट की ओर से कहा गया है कि इन 11 लोगों के खिलाफ गैरजमानती वारंट जारी नहीं किया गया है। कोर्ट की ओर से यह भी कहा गया कि वकील ने कोर्ट में 11 प्वाइंट पर अपना पक्ष रखा था। जिस पर कोर्ट की ओर से अपडेट मांगा गया है। इससे पहले वकील ने ये भी दावा किया कि कोर्ट ने 12 अगस्त को इन सभी को अरेस्ट कर कोर्ट में पेश करने का आदेश दिया है।

# बिहार के स्कूल में पढ़ाई के लिए कम हैं शिक्षक तो रात 11 बजे कहां से आएंगे टीचर?

## सम्राट की घोषणा और हकीकत

पटना, 10 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री सम्राट सरकार ने घोषणा की है कि 15 अगस्त से राज्य के सरकारी स्कूलों के बच्चों की पढ़ाई के लिए रात 11 बजे भी शिक्षक ऑनलाइन उपलब्ध रहेंगे। लेकिन सवाल ये है कि जब राज्य के 551 मॉडल स्कूलों में सभी विषयों के पर्याप्त शिक्षक नहीं हैं तो रात 11 बजे पढ़ाई के लिए शिक्षक कहां से उपलब्ध हो जाएंगे?

उदाहरण के तौर पर औरंगाबाद जिले के मदनपुर मॉडल स्कूल (सरस्वती विद्या निकेतन) की बात करते हैं। 9 अगस्त तक यहां 11वीं और 12वीं के बच्चों को पढ़ाने के लिए फिजिक्स और बायोलॉजी के शिक्षक ही नहीं थे। स्कूल में प्रयोगशाला तो है, लेकिन लेबोरेट्री इंस्ट्रक्टर नहीं हैं, जिससे बच्चे ठीक से प्रैक्टिकल नहीं कर पाते। दूसरी तरफ सरकार का दावा है कि बच्चों को मेडिकल- इंजीनियरिंग की तैयारी के लिए कोटा नहीं जाना पड़े, इसलिए शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा रहा है। बिहार में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए पिछले महीने 19 जुलाई पूरे राज्य में 551 मॉडल स्कूलों (सरस्वती विद्या मंदिर) का शुभारंभ हुआ था। इन स्कूलों में 'स्मार्ट क्लास', कंप्यूटर लैब और ई-लाइब्रेरी जैसी पढ़ाई की अत्याधुनिक सुविधाएं बहाल की जानी थीं। शिक्षा विभाग की तरफ से कहा गया था कि इस परियोजना का सबसे अधिक फायदा 9वीं से 12वीं के छात्रों को मिलेगा। इन्हें आधुनिक तकनीक से पढ़ाया जाएगा, ताकि सरकारी स्कूलों के छात्र भी निजी स्कूलों जैसी सुविधाओं का फायदा उठा सकें। इससे ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे भी शहरी क्षेत्र के बच्चों की तरह पढ़ाई में बराबरी हासिल कर सकेंगे।

सीएम सम्राट चौधरी की घोषणा और हकीकत में बहुत अंतर है। कोई भी स्कूल योग्य शिक्षकों के बल पर ही अच्छा प्रदर्शन करता है, लेकिन मानक के अनुरूप शिक्षक नहीं मिल पा रहे हैं। जून में मॉडल स्कूलों में नियुक्ति का प्रक्रिया चल रही थी। चयन के लिए पहले 70 फीसदी कट ऑफ रखा गया था। इसके आधार पर 5 फीसदी शिक्षक नियुक्त नहीं हो पाए। फिर कट ऑफ 70 से घटाकर 50 फीसदी किया गया। इसके बाद भी 50 फीसदी सीट नहीं भर पाए। मुजफ्फरपुर में 126 वैकेंसी थी। 50 फीसदी कटऑफ पर केवल 40 शिक्षक ही बहाल हो पाए। खबरों के मुताबिक, करीब 75 फीसदी मॉडल स्कूलों में फिजिक्स और गणित के स्थायी शिक्षक नहीं हैं। सरकार ने हर प्रखंड में एक मॉडल स्कूल खोलने की बेहद जल्दबाजी कर दी। अधिकारियों ने भी संख्या (551) दिखाने के लिए बिना बुनियादी ढांचा विकसित किये जैसे -तैसे स्कूल खोल दिए। कई मिडिल स्कूलों को सीधे उच्च माध्यमिक स्कूल में अपग्रेड कर दिया। जबकि ये मिडिल पहले से ही संसाधनों की कमी का रोना रो रहे थे। ऐसे स्कूलों में कमरों की कमी थी। छात्रों को बैठने के लिए पर्याप्त बेंच नहीं थे। खेल का मैदान नहीं था। फिजिक्स केमिस्ट्री के लिए प्रयोगशाला नहीं थी। फिर भी मॉडल स्कूल खोल दिए गए।

स्मार्ट क्लास के लिए सभी 551 स्कूलों को इंफ्रास्ट्रक्चर मुहैया करा दिया गया है, लेकिन हकीकत ये है कि कई अपग्रेड किये मिडिल स्कूलों में प्रोजेक्टर और डिजिटल बोर्ड बिना उपयोग के पड़े हुए हैं।

# थाने में पुजारी ने फांसी लगाई

## 9 साल की बच्ची से छेड़छाड़ का आरोप था, एक दिन पहले पुलिस ने किया था गिरफ्तार

झांसी, 10 अगस्त (एजेंसियां)। झांसी में 62 साल के पुजारी ने थाने के टॉयलेट में फंदे से लटककर जान दे दी। सोमवार सुबह करीब 6 बजे पुलिसकर्मियों ने उन्हें फंदे से लटका देखा। पुलिसकर्मियों ने तत्काल नीचे उतारा और अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर पुजारी को झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

घटना जिला मुख्यालय से करीब 70 किमी दूर गुरसराय थाने की है। पुलिस के मुताबिक, 9 साल की बच्ची से छेड़छाड़ के आरोप में पुजारी को रविवार दोपहर करीब 12.30 बजे पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया था।

उधर, पुजारी की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों ने थाने में हंगामा शुरू कर दिया। परिजनों ने पुजारी को झूठे केस में फंसाने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि पुजारी आरोप सहन नहीं कर पाए। पुजारी की मौत के बाद गांव में तनाव है। स्थिति को देखते हुए गांव में पीएसी और पुलिस बल तैनात किया गया है।

गुरसराय थाना क्षेत्र के सिंगार गांव के रहने वाले राजेंद्र प्रसाद मंदिर के पुजारी थे। उनके तीन बेटे और एक बेटी रजनी है। दोनों बेटों और बेटी की शादी हो चुकी है। बड़े बेटे विनय ने बताया- हमारे गांव में राधा-कृष्ण का मंदिर है। मंदिर की करीब 8 बीघा जमीन है। हमारे परिवार की तीन पीढ़ियां मंदिर में पूजा करती आ रही हैं। अभी पिता जी ही पूजा करते थे। विनय ने बताया- गांव के कुछ लोग हमें मंदिर से हटाना चाहते हैं। हमारे दो घर हैं। एक में हम लोग रहते हैं और दूसरे घर में जानवर बांधते हैं। वहीं बोरिंग लगी है, जिससे घर में पानी आता है। रविवार सुबह करीब 8:30 बजे पिता सबमर्सिबल पंप बंद करने गए थे। उसी समय 9 साल की बच्ची गेट पर लगे पेड़ से कनेर के फूल तोड़ रही थी। गांव के लोग भी वहां से फूल तोड़ते हैं। पिता ने उसे सिर्फ डांट दिया था। इसके बाद वह घर चली गई।

# फर्रुखाबाद में बाढ़, बर्बादी देखकर महिलाएं रो रहीं

## बोलीं- पाई-पाई जोड़कर घर बनाया था, सब बह गया, यूपी के 75 जिलों में अलर्ट

लखनऊ/वाराणसी, 10 अगस्त (एजेंसियां)। पहाड़ों पर हो रही बारिश से यूपी में गंगा-यमुना समेत 10 नदियां उफान पर हैं। फर्रुखाबाद-बिजनौर में गंगा नदी का पानी हाईवे के ऊपर बह रहा है। कई सड़कें डूब गई हैं। 40 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। दर्जनों गांव टापू बन गए हैं। लोग अपने गांवों और घरों को छोड़कर सड़कों पर टेंट लगाकर रह रहे हैं। रात के वक्त सड़कों पर सोने को मजबूर हैं।

फर्रुखाबाद में 21 घर गंगा नदी में समा चुके हैं। कटान की जद में आए बाकी मकानों को लोग खुद ही तोड़ रहे, ताकि ईंट-सरिया जैसे सामानों को बचा सकें और हालात सुधरने के बाद फिर से घर बनाने में उनका इस्तेमाल कर सकें। मकान टूटते देख महिलाएं फूट-फूटकर रो पड़ीं। बिलखते हुए कहा- पाई-पाई जोड़कर घर

बनाया, लेकिन बाढ़ ने जिंदगीभर की कमाई बर्बाद कर दी। अब कहां जाएंगे?

मथुरा में यमुना नदी का पानी घाटों की सीढ़ियों तक पहुंच गया है। वृंदावन में केशीघाट का परिक्रमा मार्ग डूब गया। भक्त एक फीट पानी में उतरकर परिक्रमा कर रहे हैं। कानपुर शहर से 25 किमी. दूर गंगा के ब्रह्मावर्त घाट पर 'ब्रह्मा की खूंटी' मंदिर में खूंटी डूब गई है। काशी में गंगा का पानी मणिकर्णिका घाट तक पहुंच गया है। सभी 84 घाटों को जोड़ने वाले रास्ते जलमग्न हो गए हैं।

इधर, सोमवार को सहारनपुर इतनी बारिश हुई कि गंगराव नदी में अचानक सैलाब आ गया। उस पर बना पुल क्षतिग्रस्त हो गया। नदी का पानी दिल्ली यमुनोत्री हाइवे के ऊपर से बहने लगा। सड़कों-कॉलोनियों में 3-4 फीट पानी भर गया। घरों-दुकानों में पानी भर गया।

# आरजेडी में भी बनेगा 'मार्गदर्शक मंडल'

## नई टीम को लेकर तेजस्वी ने शुरू की तैयारी

पटना, 10 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के बांकीपुर विधानसभा सीट के उपचुनाव में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को मिली करारी शिकस्त के बाद पार्टी के भीतर संगठन को नए सिरे से खड़ा करने की कवायद तेज हो गई है।

पार्टी ने बिहार में प्रदेश से लेकर पंचायत स्तर तक की सभी कमेटियों को भंग कर दिया है। अब सबकी नजरें इस बात पर टिकी हैं कि कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव नई टीम में किन चेहरों को जगह देते हैं और संगठन की कमान किस तरह नए सिरे से तय करते हैं।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, नई टीम के गठन में तेजस्वी यादव अनुभव और युवा ऊर्जा के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर सकते हैं। लालू प्रसाद यादव के पुराने और करीबी नेताओं को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दिए जाने की संभावना है। माना जा रहा है कि पार्टी के मुश्किल दौर में साथ खड़े रहे वरिष्ठ नेताओं के अनुभव का इस्तेमाल संगठन को मजबूत करने में किया जाएगा। वहीं, जिन नेताओं का कोई प्रभावी विकल्प नहीं है, उन्हें उनकी उम्र और भूमिका के अनुरूप जिम्मेदारी देकर सम्मान बनाए रखने की रणनीति अपनाई जा सकती है।

इसके साथ ही तेजस्वी यादव अपने भरोसेमंद और करीबी नेताओं को भी संगठन में अहम स्थान देने पर विचार कर रहे हैं। युवा चेहरों को आगे लाने के साथ-साथ ऐसे कार्यकर्ताओं को भी जिम्मेदारी मिलने की उम्मीद है, जिनकी संगठन और जमीनी राजनीति पर मजबूत पकड़ है।

# आकाश बोले- अखिलेश-राहुल 50 साल के बूढ़े, इन्हें अंकल कहूंगा

## भाजपा 110 रुपए में गन्ने का रस बेच रही, मायावती के भतीजे की 2 साल बाद रैली

हाथरस, 10 अगस्त (एजेंसियां)। बसपा सुप्रीमो मायावती के भतीजे आकाश आनंद ने सोमवार को हाथरस में चुनावी रैली को संबोधित किया। अखिलेश यादव और राहुल गांधी को अंकल कहकर बुलाया। कहा- मैं 30 साल का हूं और अखिलेश जी 50 साल के हैं। मैं 50 साल के वृद्ध को अंकल नहीं कहूंगा तो और क्या कहूंगा। हालांकि, अखिलेश की सही उम्र 53 साल है, जबकि राहुल की 56 साल है।

उन्होंने कहा- राहुल अंकल एक किताब लेकर घूमते हैं। वे संविधान की बात करते हैं। अगर किताब पलट दी जाए तो पता चलेगा कि उसके पन्ने खाली हैं। वे संसद में संविधान की बात करते हैं, लेकिन जिन राज्यों में कांग्रेस की सरकार है, वहां वही काम कर रहे हैं, जो भाजपा यूपी में कर रही है। आकाश आनंद ने

भाजपा पर भी हमला बोला। कहा-एथेनॉल पेट्रोल के नाम पर 110 रुपए में गन्ने का रस बेच रहे हैं। देश में सबसे बेकार एक्सप्रेस-वे बनाए जा रहे हैं। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे इसके उदाहरण हैं। इतने साल बाद भी एक भी गड्ढा नहीं है। मायावती जी के शासन में यह बना था। आकाश पर मुकदमा हुआ। इसके बाद मायावती आकाश को उत्तराधिकारी पद के साथ नेशनल कोऑर्डिनेटर पद से हटा दिया था। हालांकि, बाद में उन्होंने अपना फैसला पलट दिया था। बसपा के नेशनल कोऑर्डिनेटर ने कहा- यूपी में 2017 से भाजपा की सरकार है। इतने सालों में सरकार ने सिर्फ अपनी कमियां छिपाने का काम किया है। आपके 7 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा टैक्स के पैसों से भाजपा ने सिर्फ एडवर्टाइजमेंट किया है। इन पैसों से भाजपा ने अपनी कमियां छिपाई हैं।

आकाश आनंद ने कहा- इनकी (भाजपा) आदत दूसरों के काम पर अपना झंडा लगाना है। काम किसी और का, फीता ये लोग काटते हैं। ये हाल तब है, जब डबल इंजन की सरकार है। 4 लाख से ज्यादा सरकारी पद खाली पड़े हैं। पेपर लीक हो रहे हैं। अगर यह पैसा व्यवस्था सुधारने पर खर्च होता तो आज बच्चे सरकारी नौकरी पा रहे होते।

झांसी के अस्पताल में नवजात बच्चों की मौत हो गई। उनके लिए इनके पास अफसोस करने के अलावा और कुछ नहीं है। 2014 में गैस सिलेंडर 400 रुपए का हुआ करता था। उस समय इनके सभी नेता सड़क पर उतरकर गैस सिलेंडर सिर पर रखकर छाती पीटते हुए कहते थे- अरे, महंगाई।

# क्या है योगी सरकार की ओटीएस स्कीम?

## हाउस टैक्स-वाटर टैक्स बकाएदारों को तीन किस्तों में करना होगा बकाए का भुगतान

लखनऊ, 10 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के शहरी क्षेत्र में रहने वाले लोगों को हाउस टैक्स और वाटर टैक्स के दायरे में लाया गया है। अमूमन लोग हाउस टैक्स और वाटर टैक्स जमा कर देते हैं, लेकिन कुछ लोग आर्थिक या अन्य दिक्कतों की वजह से हाउस टैक्स और वाटर टैक्स नहीं भर पाते हैं। अब योगी आदित्यनाथ सरकार ने ऐसे बकाएदारों की सुविधा के लिए वन टाइम सेटलमेंट (ओटीएस) स्कीम लेकर आ रही है। इस स्कीम को एक साथ प्रदेश के 762 नगर निकायों में लागू किया जाएगा। इसका लाभ हाउस, वाटर और सीवर टैक्स के बकाएदार उठा सकेंगे। योजना के कारण बकाएदारों को तो लाभ होगा ही, पैसे आने से नगर निकायों की वित्तीय स्थिति में भी सुधार होगा।

# दिल्ली-रांची के बाद पटना पहुंचा छात्रों का प्रदर्शन

## बीपीएससी स्टूडेंट्स और बीटीएससी के सफल अभ्यर्थियों का आंदोलन शुरू

पटना, 10 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली से शुरू हुई छात्र आंदोलन की चिंगारी झारखंड के बाद अब बिहार में भी भड़कने लगी है। राजधानी पटना में आज सोमवार को बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) और बिहार तकनीकी सेवा आयोग (बीटीएससी) के सफल अभ्यर्थियों ने अपनी-अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया है। बीपीएससी के छात्र परीक्षा के परिणामों का इंतजार कर रहे हैं, जबकि बीटीएससी अभ्यर्थियों ने जल्द मेरिट लिस्ट की मांग की है। एक बीटीएससी अभ्यर्थी ने बात करते हुए कहा कि बीटीएससी पास किए हुए लगभग डेढ़ साल हो चुका है, लेकिन अब तक नियुक्ति नहीं मिली है। नियुक्तियों में लगातार देरी की जा रही है। इस स्थिति में हम घर बैठने को मजबूर हैं। हमें बार-बार सिर्फ आश्वासन दिया जाता है। उन्होंने कहा कि 11 हजार से अधिक पदों पर भर्ती निकली थी, जिसके लिए लगभग 9 हजार अभ्यर्थी पास हुए। अब पोस्ट के लिए देरी की जा रही है। अभी तक मेरिट लिस्ट नहीं जारी की गई है।

एक अन्य अभ्यर्थी ने बताया कि पिछले साल भर्ती निकाली गई, जिसके लिए सितंबर में परीक्षा हुई थी। 8 दिन के बाद परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया, लेकिन इसके बाद से सारी चीजों में देरी की गई है।

दरअसल, स्टाफ नर्स की 11,389 पदों के लिए पिछले साल अप्रैल में भर्ती निकाली गई थी। करीब 9 हजार उम्मीदवारों का डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन हो चुका है, लेकिन अब तक उनकी मेरिट लिस्ट नहीं बनी है। उसी तरह 1,785 ड्रेसर की नियुक्ति होनी है, लेकिन उनकी मेरिट लिस्ट भी जारी नहीं हुई है। इसी के विरोध में अभ्यर्थियों ने सोमवार को विरोध प्रदर्शन किया।

उधर, सोमवार को बीपीएससी के छात्र परीक्षा परिणाम जारी किए जाने की मांग को लेकर पटना की सड़क पर उतरे। एक युवती ने कहा, 'हमारा परिणाम रुका हुआ है। मेमो नंबर पर स्टे लगी है, जबकि रिजल्ट पर नहीं है। इसके बावजूद परिणाम नहीं आया है। हमारे नोडल विभाग ने एक पत्र (नंबर 4618) भेजा है, जिसमें साफ तौर पर कहा गया है कि परीक्षा का रिजल्ट जल्द से जल्द जारी किया जाए। फिर भी, कोई कार्रवाई नहीं हुई है और हम एक साल से इंतजार कर रहे हैं।'

## गुजरात सचिवालय के बेसमेंट में लगी आग रिकॉर्ड रूम जलकर खाक

गांधीनगर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। गुजरात की राजधानी गांधीनगर स्थित सचिवालय परिसर में सोमवार सुबह उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब ब्लॉक नंबर 9 के बेसमेंट में भीषण आग लग गई। इस हादसे में बेसमेंट में बना रिकॉर्ड रूम पूरी तरह जलकर खाक हो गया, हालांकि गनीमत रही कि कोई हताहत नहीं हुआ। गांधीनगर नगर निकाय के प्रभारी मुख्य अग्निशमन अधिकारी राजेश पटेल ने बताया कि सुबह 7:50 बजे फायर कंट्रोल रूम को आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद दो दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। उन्होंने बताया कि दमकल टीमों ने पाया कि आग सचिवालय के ब्लॉक नंबर 9 के बेसमेंट तक ही सीमित थी। अधिकारी ने बताया कि करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया और कूलिंग ऑपरेशन चल रहा था। पटेल ने बताया कि बेसमेंट में मौजूद एक रिकॉर्ड रूम जलकर खाक हो गया, साथ ही उन्होंने कहा कि नुकसान का पूरा ब्योरा अभी पता नहीं चल पाया है।

### अच्छे केस को खराब मत करो...

# वकील अश्विनी उपाध्याय को सुप्रीम कोर्ट ने क्यों दी ये सलाह?

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। 14 साल तक के बच्चों को सेक्युलर/धार्मिक शिक्षा देने वाले सभी संस्थानों के रजिस्ट्रेशन, मान्यता, सुपरविजन और मॉनिटरिंग की मांग के से जुड़े मामले में लेकर सोमवार (10 अगस्त) को सुप्रीम कोर्ट ने वकील अश्विनी उपाध्याय को एक अहम सलाह दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अपने ही अच्छे केस को खराब मत करो। कोर्ट ने कहा कि रिट नहीं अवमानना याचिका दायर करें। जिसके बाद वकील ने याचिका वापस ले ली। इस मामले पर जस्टिस अरविंद कुमार ने वकील अश्विनी उपाध्याय से कहा कि आप पहले भी इस कोर्ट में आए थे।

कोर्ट ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए 'रिट ऑफ़ मैंडमस' जारी किया था कि वो दो महीने के भीतर आपकी अर्जी पर विचार करें। वहीं अश्विनी उपाध्याय ने कोर्ट को बताया कि तीन महीने बीत जाने के बावजूद अधिकारियों ने उनकी अर्जी पर कोई विचार नहीं किया है। इस

पर जस्टिस अरविंद कुमार ने पूछा कि ऐसी स्थिति में आपके पास क्या उपाय है। उपाध्याय ने कहा कि उन्होंने इसीलिए यह रिट याचिका दायर की है। इस पर जस्टिस अरविंद कुमार ने कहा कि यह याचिका एक मिनट से ज़्यादा नहीं टिकेगी। तीसरी रिट याचिका को शुरुआती स्तर पर ही खारिज कर दिया जाएगा। जस्टिस अरविंद कुमार ने कहा कि उपाय आसान है। उन्होंने वकील अश्विनी उपाध्याय से कहा कि जाकर अवमानना याचिका दायर करें। उसके बाद सुप्रीम कोर्ट उस पर सुनवाई करेगा सुनवाई के दौरान अश्विनी उपाध्याय ने संविधान के अनुच्छेद 26 और 30 से जुड़े बड़े कानूनी मुद्दे और माइनॉरिटी संस्थानों पर शिक्षक पात्रता परीक्षा यानी टेट लागू करने का मुद्दा भी उठाने की कोशिश की। हालांकि जस्टिस अरविंद कुमार ने कहा कि उस मुद्दे का आपके मौजूदा मामले से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने वकील से कहा कि आपकी रिट पहले से ही आपके पक्ष में है। जस्टिस अरविंद कुमार ने कहा कि हमें आपके अधिकार को लागू करने का आदेश पहले ही मिल चुका है। इसे कैसे लागू करें? अवमानना याचिका दायर करें। जस्टिस कुमार ने कहा कि आपको कभी भी 'सेल्फ-गोल' नहीं करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हम आपको सुप्रीम कोर्ट लीगल सर्विसेज कमिटी के सदस्य के तौर पर मुफ्त में सलाह दे रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि एक के बाद एक रिट याचिका दायर करने के बजाय सही उपाय अपनाएं। कोर्ट ने याचिका वापस लेने की मांग को मंजूरी दी। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश में दर्ज किया कि याचिका वापस लेने की छूट के साथ उचित कदम उठाएं।

## होटल में 20 वर्षीय युवती का शव मिला, साथ लाने वाला युवक अरेस्ट; पुलिस पूछताछ में जुटी

जालंधर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। जालंधर सिटी रेलवे स्टेशन के पास स्थित रायल होटल के कमरे में करीब 20 वर्षीय युवती का शव मिलने से सोमवार सुबह सनसनी फैल गई। युवती पिछले करीब दो दिनों से होटल के कमरा नंबर 102 में ठहरी हुई थी। सुबह करीब सात बजे होटल कर्मचारियों ने उसे कमरे में मृत अवस्था में देखा। सूचना मिलते ही थाना तीन की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने उस युवक को पकड़ लिया है, जो युवती को होटल में लेकर आया था।

बताया जा रहा है कि युवती की मौत के बाद युवक होटल से फरार हो गया था। पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की और अब उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि युवती की मौत किन परिस्थितियों में हुई और घटना के समय कमरे में कौन-कौन मौजूद था। जांच के दौरान पुलिस को होटल के कमरे से लाल रंग का एक सूटकेस मिला, जो खाली था।

## कुचाई के सिकरंबा जंगल में एसएसबी-पुलिस का सर्च ऑपरेशन, हथियार बरामद

सरायकेला, 10 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड के सरायकेला खरसावां एसपी के द्वारा नक्सलियों के खिलाफ लगातार जारी अभियान में एक और सफलता हाथ लगी है। हफ्ते भर में सरायकेला खरसावां पुलिस और सुरक्षा बलों ने नक्सलियों की कमर तोड़ने में दोबारा सफलता हासिल की है। यहां कुछ दिनों पहले इनामी नक्सलियों को हथियार के साथ दबोचा गया था। अब झारखंड के सरायकेला खरसावां जिले के कुचाई के सिकरंबा जंगल से पिस्टल-राइफल समेत हथियारों का जखीरा बरामद किया गया है। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और झारखंड पुलिस के संयुक्त सर्च में यह सफलता हासिल हुई है, जो जंगल में छिपाकर रखे गए थे हथियार।

जानकारी के मुताबित, 26वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), रांची के कमांडेंट शाश्वत कुमार (आईपीएस) के निर्देशन में एसएसबी की ए-समवाय जम्बरो और झारखंड पुलिस की संयुक्त टीम ने सिकरंबा गांव के घने जंगलों में विशेष सर्च अभियान चलाया। ये जंगल कुचाई थाना क्षेत्र के रोलाहातु पंचायत अंतर्गत आता है। इस अभियान के दौरान जंगल में छिपाकर रखे गए कई हथियार और हथियारों से संबंधित सामग्री बरामद किए गए। अभियान का नेतृत्व उप कमांडेंट शक्ति सिंह एवं निरीक्षक उज्ज्वल कांति मुहुरी ने किया। संयुक्त टीम ने सिकरंबा गांव के आसपास के दुर्गम एवं घने जंगलों में सघन तलाशी ली। तलाशी के दौरान सुरक्षा बलों को जंगल में छिपाकर रखे हथियार मिले। सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों ने मौके से एक पिस्टल, दो 303 राइफल, तीन 303 राइफल मैगजीन, एक 9 एमएम कार्बाइन पिस्टल ग्रिप और एक 9 एमएम कार्बाइन का कॉकिंग हैंडल बरामद किया।

बरामद सभी हथियारों एवं सामग्रियों को सुरक्षा बलों ने कब्जे में ले लिया है। मामले में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अधिकारियों के अनुसार, क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने तथा असामाजिक एवं उग्रवादी गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से सुरक्षा बलों द्वारा लगातार संयुक्त सर्च अभियान चलाए जा रहे हैं।

## 'आओ न डरो मत, राहुल गांधी बस थोड़ी सी धुलाई करेंगे', संजय राउत ने पीएम मोदी पर साधा निशाना

मुंबई, 10 अगस्त (एजेंसियां)। संसद के मानसून सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र और अमित शाह की गैरमौजूदगी पर विपक्षी दल लगातार सवाल उठा रहे हैं। इसी क्रम में उद्धव ठाकरे गुट के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने भी पीएम मोदी और अमित शाह पर निशाना साधते हुए सोशल मिडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया है। संजय राउत ने तंजिया लहजे में लिखा, आओ न, डरो मत, राहुल गांधी अच्छा इंसान हैं कुछ नहीं करेंगे। बस थोड़ी सी धुलाई करेंगे।

संजय राउत ने पोस्ट में लिखा, आप 56 इंच वाले हो, मालूम है। एक बार अंदर आकर तो देखो। डरो मत। राहुल गांधी अच्छे संस्कारी इंसान हैं। वो आपको कुछ नहीं करेंगे। केवल थोड़ी सी धुलाई करेंगे, इतना तो हक बनता ही है। शिवसेना यूबीटी सांसद ने आगे लिखा, राहुल संसद के दरवाजे पर खड़े हैं। छुपके मत देखो। आओ भाई, आईए।

## गुरमीत राम रहीम के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्या मामले में डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट से बरी किए जाने के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने इस मामले में गुरमीत राम रहीम और सीबीआई को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

सुप्रीम कोर्ट में 16 नवंबर से शुरू होने वाले सप्ताह में सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार अपील में नहीं आई है। छत्रपति के बेटे ने हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। मार्च 2026 में पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को पत्रकार रामचंद्र छत्रपति की हत्या के 2002 के पुराने मामले में बरी कर दिया था। अदालत ने पर्याप्त सबूतों के अभाव का हवाला देते हुए निचली अदालत के उम्रकैद के फैसले को पलट दिया। हालांकि, इस मामले में शामिल अन्य तीन दोषियों की सजा बरकरार रखी गई थी। बता दें कि अक्टूबर 2002 में छत्रपति को उनके घर के बाहर मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने गोली मार दी थी। इलाज के दौरान 21 नवंबर 2002 को उनकी मृत्यु हो गई थी। छत्रपति की हत्या के मामले में पंचकूला की विशेष सीबीआई अदालत ने जनवरी 2019 में राम रहीम और कुलदीप सिंह, निर्मल सिंह और कृष्ण लाल को आजीवन कारावास (उम्रकैद) की सजा सुनाई थी। डेरा प्रमुख और अन्य सह-आरोपियों ने स्पेशल सीबीआई कोर्ट के फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने गुरमीत राम रहीम को इस मामले में बरी कर दिया था, जबकि अन्य की सजा बरकरार रखी थी। राम रहीम 2017 में बलात्कार के एक मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद से भी सुर्खियों में रहा है।

## बंगाल के जलपाईगुड़ी में किसान का अपहरण

कोलकाता, 10 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले में 35 साल के चाय किसान दीपांकर गोप के अपहरण का मामला सामने आया है। घटना शनिवार को भारत-बांग्लादेश सीमा के पास राजगंज ब्लॉक के कुकुरजान इलाके के एक चाय बागान में हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, परिवार का आरोप है कि करीब 20 बांग्लादेशी बदमाश अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर चाय बागान में पहुंचे और दीपांकर को जबरन अपने साथ बांग्लादेश के पंचगढ़ जिले में ले गए। परिवार का दावा है कि इसी हफ्ते सीमा पार से घुसपैठ की कोशिश नाकाम हुई थी।

इसके बाद बदला लेने के लिए दीपांकर का अपहरण किया गया। अपहरण के बाद बीएसएफ मौके पर पहुंची और दीपांकर की रिहाई की कोशिश शुरू की।अधिकारियों ने बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के साथ फ्लैग मीटिंग भी की। हालांकि, शनिवार रात तक दीपांकर को रिहा नहीं किया गया था। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि वह बीजीबी की हिरासत में हैं। इस बीच, सोशल मीडिया पर दीपांकर का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है,

## युद्ध जितना लंबा चलेगा उतना ही अमेरिका को होगा नुकसान, हार चुके हैं राष्ट्रपति: डेमोक्रेटिक सीनेटर

वाशिंगटन, 10 अगस्त (एजेंसियां)। ईरान के बीच जारी संघर्ष को लेकर अमेरिकी डेमोक्रेटिक सीनेटर क्रिस मर्फी ने अमेरिका के अंदरूनी हाल पर चिंता जताई। उन्होंने कहा अमेरिकी राष्ट्रपति 'यह युद्ध हार चुके हैं' और यह युद्ध जितना लंबा चलेगा, उतना ही अमेरिका को नुकसान होगा। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी डेमोक्रेटिक सीनेटर क्रिस मर्फी का कहना है कि ईरान के साथ चल रहे संघर्ष में अमेरिकी राष्ट्रपति 'यह युद्ध हार चुके हैं।' उनका मानना है कि लड़ाई जितनी लंबी चलेगी, उतना ही अमेरिका कमजोर होगा और ईरान मजबूत होता जाएगा।

रिपोर्ट के अनुसार, मर्फी ने कहा कि वह युद्ध खत्म करने और होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा खोलने के लिए किसी 'खराब समझौते' का भी समर्थन करेंगे। बातचीत में कोई प्रगति नहीं हो रही है और इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को फिर से खोलने की कीमत लगातार बढ़ती जा रही है। मर्फी ने युद्ध खत्म करने पर जोर देते हुए कहा कि युद्ध जारी रहने से अमेरिका हर दिन कमजोर हो रहा है और ईरान मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका में रहने वाले लोगों पर इसका बोझ बढ़ रहा है। कीमतें लगातार बढ़ रही हैं और आम लोग इसकी मार झेल रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, सीनेटर ने युद्ध के विरोध की बात की। उन्होंने कहा कि वह युद्ध को जारी रखने के लिए अतिरिक्त फंडिंग का विरोध करेंगे। हालांकि, संघर्ष समाप्त होने के बाद अमेरिकी हथियारों और गोला-बारूद के भंडार को फिर से भरने के लिए समर्थन देंगे। वहीं, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने रविवार को कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच कोई प्रत्यक्ष बातचीत नहीं हो रही है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जब तक वॉशिंगटन तेहरान की मांगें नहीं मानता, तब तक होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा नहीं खोला जाएगा। अराघची ने कहा कि ईरान की मांगों में अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी को हटाना भी शामिल है।

## सऊदी अरब: रियाद की सोफा फैक्ट्री में लगी आग

### 16 बांग्लादेशी मजदूरों की मौत

रियाद, 10 अगस्त (एजेंसियां)। सऊदी अरब के रियाद स्थित मूसा सनैया इलाके में एक सोफा कारखाने में लगी भीषण आग में 16 बांग्लादेशी नागरिकों की मौत हो गई है। सोमवार को बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने इस घटना की पुष्टि करते हुए मृतकों के परिवारों के प्रति गहरा दुख और संवेदना व्यक्त की। मंत्रालय ने हुई इस घटना पर एक आधिकारिक बयान जारी कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इसके साथ ही, नुकसान की इस कठिन घड़ी में मृतकों के परिवारों को पूरे समर्थन और एकजुटता का आश्वासन दिया है। इसमें आगे कहा गया कि उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी गहरी सहानुभूति व्यक्त की और उन्हें इस अपूरणीय क्षति और दुख के समय में उनके साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया। मंत्रालय ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही रियाद स्थित बांग्लादेशी दूतावास के अधिकारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गए थे। वे पीड़ितों की पहचान करने और शवों को स्वदेश वापस भेजने की आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के लिए सऊदी अधिकारियों के साथ लगातार समन्वय कर रहे हैं। दूतावास इस घटना के बारे में विस्तृत जानकारी जुटाने और प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान करने का भी काम कर रहा है।

रियाद में बांग्लादेश के दूतावास ने बयान जारी कर कहा कि हमें रियाद के मूसा सनैया इलाके में लगी इस दुखद आग के कारण प्रवासी बांग्लादेशियों के हताहत होने की सूचना देते हुए गहरा खेद है। घटना की खबर मिलते ही दूतावास का एक प्रतिनिधिमंडल तुरंत मौके पर पहुंचा और विस्तृत जानकारी जुटाना शुरू कर दिया। दूतावास सरकार के उच्च स्तर से प्राप्त निर्देशों के अनुसार सभी आवश्यक कदम उठा रहा है, जिसमें मृतकों की पहचान की पुष्टि करना, कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करना और प्रभावित व्यक्तियों को व्यापक सहायता प्रदान करना शामिल है।

## अब मंडराया 'टाइफून नंबर 15' का खतरा

### 24 घंटे हैं बेहद अहम, जापान में समंदर किनारे से हटाए गए लोग

टोक्यो, 10 अगस्त (एजेंसियां)। जापान में खराब होते मौसम और टाइफून नंबर 15 के खतरे को देखते हुए प्रधानमंत्री सनाए तकाइची ने लोगों से सतर्क रहने और समय रहते सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने की अपील की है। मौसम विभाग ने कई इलाकों में भारी बारिश, तेज हवाओं, बाढ़, भूस्खलन और ऊंची समुद्री लहरों की आशंका जताई है। प्रधानमंत्री तकाइची ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि टाइफून नंबर 15 फिलहाल जापान के पूर्वी हिस्से के समुद्र में उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ रहा है। माना जा रहा है कि तूफान 11 अगस्त को दक्षिणी तोहोकू और उत्तरी कांटो क्षेत्रों के काफी करीब पहुंच सकता है।

इसके तट से टकराने की भी आशंका जताई जा रही है। सरकार ने स्थिति पर नजर रखने के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय के संकट प्रबंधन केंद्र में स्थापित सूचना समन्वय कक्ष को एक्टिव कर दिया है। यहां से मौसम और टाइफून से जुड़ी जानकारी लगातार जुटाई जा रही है। सरकार ने कहा है कि स्थिति गंभीर होने पर आपदा प्रबंधन व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा और जरूरत के मुताबिक राहत और बचाव के सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे। प्रधानमंत्री तकाइची के मुताबिक तोहोकू क्षेत्र के प्रशांत तटीय हिस्सों में 11 अगस्त की देर सुबह से रात तक भारी बारिश हो सकती है। इससे भूस्खलन का खतरा बढ़ सकता है। निचले इलाकों में जलभराव होने के साथ-साथ नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ने और उनके उफान पर आने की भी आशंका है।

# तमिलनाडु विधानसभा: राज्य गीत अनिवार्य करने वाला प्रस्ताव पेश

### डीएमके व अन्नाद्रमुक ने किया समर्थन; सीएम ने क्या कहा?

चेन्नई, 10 अगस्त (एजेंसियां)। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) के साथ कांग्रेस पार्टी ने तमिलनाडु विधानसभा में मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की ओर से पेश किए गए प्रस्ताव का समर्थन किया। इस प्रस्ताव में राज्य के शिक्षण संस्थानों, सरकारी कार्यालयों और अन्य सार्वजनिक संस्थानों में होने वाले कार्यक्रमों की शुरुआत से पहले राज्य गीत 'तमिल थाई वाजथु' औपचारिक रूप से अनिवार्य करने की बात कही गई है।

प्रस्ताव पेश करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में तमिल थाई वाजथु को सबसे ज्यादा प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा, तमिल का मतलब गर्व है, तमिल का मतलब शक्ति है।

जैसे ही आप 'तमिल' कहते हैं, पूरा तमिलनाडु एकजुट हो जाता है। तमिल थाई वाजथु को तमिलनाडु में पहला स्थान मिलना चाहिए। तमिल थाई वाजथु को पहला स्थान देना हमारा राज्य का अधिकार है। उन्होंने विधानसभा के सदस्यों से प्रस्ताव का सर्वसम्मति से समर्थन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि तमिलगा वेत्री कड़गम

(टीवीके) राज्य गीत के सम्मान की रक्षा के मामले में कोई समझौता नहीं करेगा। उन्होंने कहा, तमिल थाई वाजथु के सम्मान की रक्षा के मामले में टीवीके सरकार कोई समझौता नहीं करेगी। तमिल थाई वाजथु को सबसे पहले गाया जाना चाहिए, यह कहना राजनीतिक बहस का विषय नहीं बनना चाहिए। पार्टी के मतभेदों को अलग रखते हुए सभी सदस्यों को एकजुट होकर इस प्रस्ताव का समर्थन करना चाहिए।

प्रस्ताव में कहा गया है कि तमिल दुनिया की सबसे पुरानी शास्त्रीय भाषाओं में से एक है। तमिल सभ्यता दुनिया की सबसे पुरानी सांस्कृतिक परंपराओं में से एक है। इसमें बताया गया है कि 'तमिल थाई वाजथु' 1891 में मनोनमनियम सुंदरनार की ओर से लिखे गए नाटक 'मनोनमनियम' में मां तमिल की स्तुति के रूप में शामिल है। 23 नवंबर 1970 को जारी एक सरकारी आदेश के जरिये इसे सरकारी कार्यक्रमों में सबसे पहले गाने की व्यवस्था लागू की गई थी। प्रस्ताव में आगे कहा गया है कि 12 दिसंबर 2021 से 'तमिल थाई वाज्थु' को आधिकारिक तौर पर राज्य गीत का दर्जा दिया गया। इसके बाद तमिलनाडु के शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालयों, सरकारी कार्यालयों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य सार्वजनिक संस्थानों में होने वाले कार्यक्रमों से पहले इसे गाना अनिवार्य करने का आदेश दिया गया।

## भगवान शिव पर अभद्र टिप्पणी मामला: उत्तर प्रदेश से संचालित हो रही थी फर्जी आईडी, पुलिस की टीमें दे रहीं दबिश

रायपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। इंटरनेट मीडिया पर भगवान शिव के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणी का मामला तूल पकड़ता जा रहा है, और इस मामले में पुलिस की जांच अब उत्तर प्रदेश तक जा पहुंची है। रायपुर पुलिस की साइबर टीम ने अपनी तकनीकी जांच के दौरान यह पाया है कि क्रिश्चियन फोरम के अध्यक्ष अरुण पन्नालाल द्वारा जिस फेसबुक पोस्ट पर अभद्र टिप्पणी की गई थी, उस विवादित टिप्पणी से जुड़ी आइडी को 'हंसराज गोयल' नामक व्यक्ति के नाम से चलाया जा रहा था। शुरुआती जांच में यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है कि हंसराज गोयल के नाम से संचालित यह फेसबुक प्रोफाइल एक फर्जी आइडी थी,

जिसे उत्तर प्रदेश के अलग-अलग ठिकानों से संचालित किया जा रहा था। पुलिस की ओर से जब इस संदिग्ध फेसबुक प्रोफाइल की छानबीन की गई, तो कई अन्य संदिग्ध जानकारियां भी हाथ लगीं। प्रोफाइल की टाइमलाइन और पुरानी गतिविधियों की जांच में पुलिस को कई ऐसे पोस्ट मिले हैं, जिनमें जातिगत और धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाली सामग्री होने का दावा किया जा रहा है। इन तमाम पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि इस फर्जी पहचान के पीछे असल में कौन सा व्यक्ति या कौन सा गिरोह सक्रिय है।

# मंत्री रेखा आर्या ने उठाई कांवड़

### 2036 में भारत को ओलंपिक की मेजबानी मिलने की कामना

देहरादून, 10 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तराखंड की खेल मंत्री रेखा आर्य ने आज हरकी पैड़ी से कांवड़ यात्रा की शुरुआत की। 2036 में भारत को ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने का मौका मिले इस कामना के साथ उन्होंने कांवड़ उठाई है। वह 22 किलोमीटर दूरी तय करने के लिए ऋषिकेश रवाना हुईं। इस अवसर पर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज और महामंत्री श्रीमहंत हरि गिरी महाराज समेत कई साधु संत मौजूद रहे। सबसे पहले मंत्री रेखा आर्य ने हरकी पैड़ी पर मां गंगा को नमन किया।

विधि विधान के साथ गंगा पूजन किया और जयघोष के साथ हरकी पैड़ी से पैदल रवाना हुईं। कांवड़ यात्रा में कई खेल प्रेमी भी मौजूद रहे। भोले के भक्ति गीतों पर कांवड़ यात्रा सुबह सवेरे हरकी पैड़ी से रवाना कर गई। यात्रा से पहले खेल मंत्री रेखा आर्य ने अपने पति के साथ हरिद्वार पहुंचकर मां गंगा का पूजन अर्चन किया और देश प्रदेश की सुख समृद्धि की कामना की। वह ऋषिकेश के वीरभद्र मंदिर में भगवान शिव का रुद्राभिषेक करेंगी।

उनकी दो महत्वपूर्ण संकल्प है, जिनमें पहला संकल्प वर्ष 2036 के ओलंपिक खेलों की सफल मेजबानी भारत को मिले और उसका सफल आयोजन हो। दूसरा संकल्प भारत को खेलों के क्षेत्र में विश्व की खेल महाशक्ति के रूप में स्थापित करने का है। रेखा आर्य ने कहा कि भगवान भोलेनाथ के आशीर्वाद से उनके दोनों संकल्प अवश्य पूरे होंगे।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 11 अगस्त - 2026

# झारखंड विधानसभा के घेराव पर अड़ा 'जेन ज़ेड'

**अशोक भाटिया**

झारखंड की राजधानी रांची इस समय एक अभूतपूर्व युवा क्रांति की गवाह बन रही है, जिसे देश के इतिहास में जेन जेड आंदोलन के रूप में देखा जा रहा है। राज्य लोक सेवा आयोग और कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षाओं में कथित धांधली, पेपर लीक और भ्रष्टाचार के खिलाफ युवाओं का यह आक्रोश अब सड़कों पर लावा बनकर फूट पड़ा है। आज 10 अगस्त 2026 को आंदोलनकारियों द्वारा किया गया विधानसभा घेराव का ऐतिहासिक ऐलान इस जन-आक्रोश का सबसे निर्णायक मोड़ बन गया है। यह आंदोलन केवल नौकरियों की मांग भर नहीं है, बल्कि यह पूरी व्यवस्था की साख और युवाओं के अस्तित्व की लड़ाई बन चुका है।

झारखंड के इस युवा आंदोलन की नींव रातों-रात नहीं रखी गई है। राज्य के युवाओं में पिछले कई वर्षों से सरकारी भर्ती प्रक्रियाओं को लेकर गहरा असंतोष पनप रहा था। इसकी शुरुआत तब हुई जब 23 जुलाई 2026 को राज्य भर से हजारों परीक्षार्थी और नौकरी के इच्छुक उम्मीदवार अपने बिस्तर, किताबों और सालों पुराने एडमिट कार्डों से भरे प्लास्टिक फोल्डर्स लेकर रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में जुटने शुरू हुए। इन युवाओं के चेहरों पर केवल निराशा नहीं, बल्कि व्यवस्था के प्रति एक गहरा आक्रोश था। उम्मीदवारों का आरोप था कि हाल ही में आयोजित 14वीं जेपीएससी संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा और जेएसएसएससी-सीजीएल परीक्षाओं में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं बरती गईं, प्रश्नपत्र लीक किए गए और मेधावी छात्रों के भविष्य को चंद पैसों के लिए बेच दिया गया। छात्रों ने साफ कहा कि जिन परीक्षाओं ने उनके जीवन के अनमोल 10 साल छीन लिए, वे अब उनके साथ और खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेंगे। यहीं से जन्म हुआ जेपीएससी-जेएसएससी सुधार मंच का, जिसने इस बिखरे हुए असंतोष को एक संगठित सत्याग्रह का रूप दे दिया।

इस आंदोलन की सबसे बड़ी विशेषता इसका डिजिटल और स्वायत्त स्वरूप है। पारंपरिक राजनीतिक आंदोलनों के विपरीत, इसे किसी बड़े राजनीतिक दल या पुराने छात्र संगठन ने हवा नहीं दी। यह देश की पहली ऐसी बड़ी युवा क्रांति है जिसे विशुद्ध रूप से जेन ज़ेड (1990 के दशक के उत्तरार्ध और 2010 के दशक की शुरुआत के बीच जन्मे युवा) द्वारा संचालित किया जा रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स, विशेषकर इंस्टाग्राम रील्स, एक्स और व्हाट्सएप ग्रुप्स, इस आंदोलन के मुख्य नियंत्रण कक्ष बन गए। एक रील या एक पोस्ट के जरिए कुछ ही घंटों में हजारों छात्र रांची की सड़कों पर इकट्ठा होने लगे। छात्रों ने आंदोलन को किसी भी राजनीतिक लाभ से बचाने के लिए एक सख्त आचार संहिता लागू की है। मंच से किसी भी राजनेता को सीधे माइलेज लेने की अनुमति नहीं दी गई। युवाओं का साफ नारा है कि यह आंदोलन हमारा है और हमारा भविष्य किसी राजनीतिक सौदेबाजी के लिए नहीं है। आंदोलन में कोई एक आका नहीं है; यद्यपि आंदोलन अत्यधिक खंडित भी दिखाई देता है जहाँ अलग-अलग गुटों की मांगें थोड़ी भिन्न हैं, लेकिन उनका मूल लक्ष्य एक ही है-पारदर्शिता और न्याय। शांतिपूर्ण सत्याग्रह के रूप में शुरू हुआ यह आंदोलन 2 अगस्त 2026 को उस समय और गंभीर हो गया, जब छात्र नेता और झारखंड लोकतांत्रिक क्रांति मोर्चा से जुड़े देवेंद्र नाथ महतो ने जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी। उनके साथ कई अन्य युवा भी अन्न-जल त्याग कर बैठ गए। जैसे-जैसे दिन बीतते गए, अनशनकारी छात्रों की तबीयत बिगड़ने लगी। खुद देवेंद्र नाथ महतो ने बेहद कमजोर आवाज में अस्पताल या धरना स्थल से प्रशासन को चेताया कि सरकार छात्रों के प्रति अत्यंत असंवेदनशील रवैया अपना रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे अपनी जान की बाजी लगा रहे हैं ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक ऐसा सिस्टम बनाया जा सके जहां पेपर लीक करना नामुमकिन हो जाए। इस अनशन ने राज्य के कोने-कोने में बैठे युवाओं के खून में उबाल ला दिया। जैसे ही आंदोलन दूसरे सप्ताह में प्रवेश कर गया, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार पर दबाव बेहद बढ़ गया। सरकार ने चौतरफा घिरने के बाद बैकफुट पर आते हुए मंत्रियों की एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया और छात्रों को वार्ता के लिए आमंत्रित किया। 7 और 8 अगस्त 2026 को रांची के सर्किट हाउस और स्टेट गेस्ट हाउस में सरकार और छात्रों के 8 से 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडलों के बीच कई घंटों तक मैराथन बैठकें हुईं। सरकार ने अपनी ओर से दावा किया कि उसने छात्रों की लगभग 98% मांगें मान ली हैं। इसके तहत 14वीं जेपीएससी पीटी परीक्षा को रद्द करने, त्वरित अदालतों के गठन और कड़ी कानूनी कार्रवाई पर सहमति जताई गई। यहाँ तक कि जेपीएससी के चेयरमैन नीरज सिन्हा के इस्तीफे और तीन मौजूदा सदस्यों (अजिता भट्टाचार्य, अनिमा हांसदा और जमाल अहमद) को राज्य अपराध जांच विभाग द्वारा नोटिस जारी कर तलब भी किया गया।

इस पूरे गतिरोध के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने युवाओं से शांति की अपील करते हुए सरकार का रुख साफ किया। उन्होंने अपने बयान में कहा, हमारी सरकार राज्य के युवाओं के भविष्य को लेकर पूरी तरह संवेदनशील है। जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में यदि कोई विसंगति पाई गई है, तो उस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए परीक्षा रद्द करने और जांच के आदेश दिए जा चुके हैं। हम एक कड़ा कानून लेकर आए हैं जिसके तहत पेपर लीक और धांधली करने वालों को उम्रकैद और करोड़ों रुपये के जुर्माने की सजा होगी। छात्र राजनीतिक दलों के बहकावे में न आएं, सरकार बातचीत के जरिए हर जायज मांग को पूरा करने के लिए तैयार है। इसके बावजूद वार्ता पूरी तरह बेनतीजा रही, क्योंकि सरकार पूरे मामले की जांच सीआईडी और प्रवर्तन निदेशालय से कराने पर अड़ी है, जबकि छात्र संगठन किसी भी राज्य स्तरीय एजेंसी पर भरोसा करने को तैयार नहीं हैं। वे पिछले 7 वर्षों में हुई सभी बड़ी परीक्षाओं की जांच सीधे केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो से कराने की लिखित गारंटी और ठोस नीतिगत सुधारों की मांग पर अड़े हुए हैं। सरकार ने आंदोलन को शांत करने के लिए एक विशेष ईमेल आईडी भी जारी की ताकि छात्र अपने सुझाव दे सकें, लेकिन युवाओं का भरोसा इस कदर टूट चुका है कि वे अब डिजिटल आश्वासनों के बहकावे में आने को तैयार नहीं हैं।

दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी और विपक्ष के नेता अमर कुमार बाउरी ने इस आंदोलन को युवाओं के अस्तित्व की लड़ाई बताते हुए सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने विधानसभा के बाहर कड़ा रुख अपनाते हुए बयान दिया, हेमंत सोरेन की सरकार ने झारखंड के लाखों युवाओं के भविष्य को पूरी तरह अंधकार में धकेल दिया है।

पिछले 7 सालों से हर परीक्षा में सिर्फ भ्रष्टाचार और पेपर लीक का खेल चल रहा है। जब छात्र अपने हक के लिए शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे हैं, तो सरकार लाठियों और निषेधाज्ञा के दम पर उनकी आवाज दबाना चाहती है। युवा राज्य की जांच एजेंसियों पर भरोसा खो चुके हैं, इसलिए जब तक इस पूरे महाघोटाले की सीबीआई जांच की सिफारिश नहीं की जाती, तब तक भाजपा सड़क से सदन तक युवाओं के साथ खड़ी रहेगी।

## भारत-अमेरिका रिश्तों की परीक्षा

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने शनिवार रात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं के बीच वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर चर्चा ऐसे समय हुई है, जब भारत-अमेरिका संबंध कई संवेदनशील मुद्दों से गुजर रहे हैं। एक ओर रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर टैरिफ का दबाव बढ़ रहा है तो दूसरी ओर अमेरिकी वीजा नीति में संभावित बदलाव भारतीय पेशेवरों के लिए चिंता पैदा कर रहे हैं। पश्चिम एशिया का संकट और यूक्रेन युद्ध पहले ही वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा बाजार को अस्थिर कर चुके हैं। ऐसे में भारत के लिए अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी महत्वपूर्ण है, लेकिन राष्ट्रीय हितों की कीमत पर किसी दबाव को स्वीकार करना उचित नहीं होगा। अमेरिकी सीनेट में पारित विधेयक सरकार को रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का अधिकार देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसका असर भारत जैसे बड़े ऊर्जा आयातक देश पर पड़ सकता है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए रूस से कच्चा तेल खरीदता है और इस खरीद ने भारतीय रिफाइनिंग तथा ऊर्जा सुरक्षा को भी सहारा दिया है। ऐसे में अचानक लगाए जाने वाले अतिरिक्त शुल्क का असर केवल व्यापार पर ही नहीं, बल्कि तेल की कीमत, परिवहन लागत और महंगाई पर भी पड़ सकता है। ट्रंप प्रशासन पहले भी टैरिफ को दूसरे देशों पर दबाव बनाने के साधन के रूप में इस्तेमाल करता रहा है। रूस को तेल के जरिए झुकाने की अमेरिकी कोशिश कितनी सफल होगी, यह अलग सवाल है, लेकिन पश्चिम एशिया के मौजूदा संकट ने ऊर्जा आपूर्ति की अनिश्चितता बढ़ा दी है। होर्मुज जलडमरूमध्य और बाब-अल-मंदेब जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर खतरा बढ़ने से वैश्विक तेल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। ऐसी स्थिति में भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण है कि उसे पर्याप्त और सस्ती ऊर्जा मिलती रहे। इसलिए नई दिल्ली को रूस समेत सभी प्रमुख ऊर्जा उत्पादक देशों के साथ व्यावहारिक संबंध बनाए रखते हुए अपने आयात स्रोतों में विविधता बढ़ानी चाहिए। अमेरिकी वीजा नीति भी भारत के लिए महत्वपूर्ण मुद्दा है। एच-1बी वीजा व्यवस्था में बदलाव और नौकरी जाने के बाद मिलने वाली 60 दिन की अवधि को समाप्त करने के प्रस्ताव से भारतीय पेशेवर प्रभावित हो सकते हैं। एच-1बी लाभार्थियों में भारतीयों की हिस्सेदारी बहुत बड़ी है। भारत-अमेरिका के बीच तकनीक, आईटी और सेवा क्षेत्र में गहरे संबंध हैं। इसलिए वीजा नियमों में कोई भी कठोर बदलाव दोनों देशों के आर्थिक हितों को प्रभावित कर सकता है। भारत को इस मुद्दे पर अमेरिका के साथ स्पष्ट और लगातार संवाद करना चाहिए। भारत और अमेरिका के रिश्ते केवल व्यापार तक सीमित नहीं हैं। रक्षा, तकनीक, निवेश, ऊर्जा और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में दोनों देशों की साझेदारी लगातार महत्वपूर्ण हुई है। लेकिन मजबूत साझेदारी का अर्थ यह नहीं कि भारत अपने स्वतंत्र निर्णय लेने का अधिकार छोड़ दे। रूस से तेल खरीदना हो, ऊर्जा सुरक्षा का सवाल हो या भारतीय पेशेवरों के हित, हर मामले में भारत को अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देनी होगी। बदलती वैश्विक परिस्थितियों में भारत के लिए रास्ता टकराव नहीं, बल्कि संतुलित और आत्मविश्वासी कूटनीति है। अमेरिका के साथ रणनीतिक संबंध मजबूत रहें, रूस और अन्य देशों से भी व्यावहारिक रिश्ते कायम रहें और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित हो, यही भारत के व्यापक हित में है। मित्रता तभी मजबूत होती है, जब उसमें पारस्परिक सम्मान और एक-दूसरे के हितों की समझ भी हो।

## इलाज के बाद बची बीमारी: अस्पतालों के नीचे दफन होता भविष्य

**आरके जैन**

कूड़े का कोई टुकड़ा सिर्फ कूड़ा नहीं, खासकर जब वह अस्पताल से निकला हो। उसे जमीन में दबाने से खतरा खत्म नहीं होता; वह मिट्टी और पानी के रास्ते इंसानी जिंदगी तक पहुंच सकता है। मेडिकल कचरे के गलत निपटान पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) की सख्ती ने स्वास्थ्य व्यवस्था की अनदेखी उजागर की है। सत्रह राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की 9,178 स्वास्थ्य सुविधाओं की जांच में केवल 5,715 नियमों के अनुरूप मिलीं। बाकी में भूजल सुरक्षा की अनदेखी, जरूरी अनुमति का अभाव, गलत जगह गड्ढे और जानवरों की पहुंच रोकने में लापरवाही मिली। जिस अस्पताल में बीमारी का इलाज होता है, वहीं संक्रमित कचरे का गलत निपटान इलाज और प्रदूषण की सीमा मिटा देता है। सवाल सिर्फ कचरे का नहीं, मिट्टी, पानी और उन परिवारों की जिंदगी का है, जो इसकी कीमत चुका सकते हैं।

धरती के गर्भ में दबा कचरा आंखों से ओझल हो सकता है, असर नहीं। संक्रमित कचरा भूजल तक न पहुंचे, इसलिए गहरे गड्ढे में दफन की प्रक्रिया के नियम कड़े हैं। जहां साझा जैव-चिकित्सा कचरा उपचार सुविधा नहीं है, वहां दूरदराज और ग्रामीण क्षेत्रों में तय शर्तों पर गहरे गड्ढे में दफन की अनुमति है। गड्ढे जलस्रोतों और आबादी से सुरक्षित दूरी पर हों, भूजल स्तर गड्ढे के निचले हिस्से से कम से कम छह मीटर नीचे हो, कचरे को मिट्टी और चूने से ढकना तथा जानवरों की पहुंच रोकना जरूरी है। लेकिन नियमों की ताकत उनके पालन में है। सुविधा के नाम पर छोटी-सी लापरवाही प्रकृति के लिए वर्षों का संकट बन सकती है। जब आंकड़े जमीन पर उतरते हैं, वे सिर्फ संख्या नहीं रहते, किसी की जिंदगी का खतरा बन जाते हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की जांच में 477 सुविधाओं में भूजल सुरक्षा उल्लंघन मिले। 341 के पास जरूरी अनुमति नहीं थी और 316 में स्थल चयन तय मानकों के अनुरूप नहीं मिला। 253 जगह अभिलेख रखने में लापरवाही, 229 स्थानों पर जानवरों की पहुंच रोकने की व्यवस्था नहीं थी और 216 जगह कचरे को पर्याप्त मिट्टी से ढकने में कमी मिली। उत्तर प्रदेश की 111 और राजस्थान की 33 स्वास्थ्य सुविधाओं में पूर्ण गैर-अनुपालन दर्ज हुआ। इन आंकड़ों को गांव के नक्शे पर रखें तो तस्वीर बदल जाती है। कहीं वह कुआं हो सकता है, जहां से परिवार पानी भरता है; कहीं वह खेत, जहां अगली फसल बोई जानी है।

खतरा अस्पताल से निकलते ही खत्म नहीं होता, कई बार कचरे के साथ शुरू होता है। चिंता केवल नियम टूटने की नहीं, बल्कि नियम टूटने पर भी व्यवस्था चलते रहने की है। चिकित्सकीय कचरे का खतरा मात्रा से अधिक उसकी प्रकृति में है। संक्रमित सामग्री, शरीर के अवशेष और रक्त या जैविक द्रव से सनी वस्तुओं का सुरक्षित उपचार जरूरी है।

ऐसे कचरे तक पशु पहुंचें या भूजल से संपर्क हो, तो संक्रमण अस्पताल से बाहर फैल सकता है। इसलिए चिकित्सकीय कचरा केवल पर्यावरण मंत्रालय या प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का नहीं, सार्वजनिक स्वास्थ्य का प्रश्न है। अस्पताल की स्वच्छता शल्य कक्ष में नहीं, कचरे के अंतिम पड़ाव पर परखी जाती है।

दुर्गम पहाड़ और लंबी दूरियां कठिनाई हो सकती हैं, जिम्मेदारी से मुक्ति का कारण नहीं। पूर्वोत्तर राज्यों, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में दुर्गम भूभाग, कम आबादी और परिवहन कठिनाइयां साझा उपचार संयंत्रों की पहुंच सीमित करती हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के दस्तावेजों में ऐसे राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों का उल्लेख है, जहां साझा जैव-चिकित्सा कचरा उपचार सुविधाएं पूरी नहीं हैं और दूरस्थ स्वास्थ्य सुविधाएं स्थानीय उपचार, जिसमें गहरे गड्ढे में दफन शामिल है, पर निर्भर हैं।

## विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका

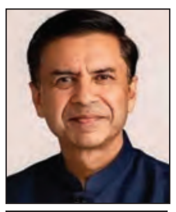

**शशांक मणि त्रिपाठी**

विकसित भारत 2047 भारत सरकार की एक दूरदर्शी राष्ट्रीय अवधारणा है, जिसका उद्देश्य स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूर्ण होने तक भारत को एक विकसित, समावेशी,टिकाऊ तथा आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में स्थापित करना है। इस दृष्टि के अंतर्गत तीव्र आर्थिक विकास से नहीं बल्कि नागरिकों के जीवन स्तर में व्यापक सुधार, गुणवत्तापूर्ण एवं सम्मानजनक रोजगार के अवसर, उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा, उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं, सुशासन, उन्नत डिजिटल और अवसंरचना का समग्र विकास के विभिन्न आयामों में गुणात्मक एवं मात्रात्मक प्रगति सुनिश्चित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

इन पहलों का प्रमुख उद्देश्य भारत को उच्च आय वाली अर्थव्यवस्था के रूप में विकसित करना है। वर्तमान में भारत वैश्विक स्तर की सबसे तीव्र गति से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। इसी गति को बनाए रखते हुए प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि एवं गरीबी उन्मूलन की दिशा में तीव्र और प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। विकसित भारत, 2047 के अंतर्गत शिक्षा एवं कौशल विकास ,स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार ,महिलाओं एवं किसानों के सशक्तिकरण एवं उत्थान पर विशेष बल दिया गया है। आधारभूत ढांचे , उच्च गुणवत्ता वाली आर्थिक अवसंरचना, औद्योगीकरण ,तकनीकी नवाचार एवं हरित विकास को गति देकर विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करना है। भारत वैश्विक स्तर का सबसे अधिक युवा आबादी वाले देशों में से एक है। यहां 15 से 29 वर्ष आयु- वर्ग के ऊर्जावान , कार्यशील और राष्ट्रहित के प्रति समर्पित युवा रहते हैं। ये युवा देश की एकता और अखंडता को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। समाज के विकास ,राष्ट्र- निर्माण एवं लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को सशक्त बनाने के लिए युवाओं का नेतृत्व और उनकी सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। युवाओं में नवाचार, परिवर्तन और नई सोच की अपार क्षमता होती है, यही कारण है कि वह सामाजिक समस्याओं के समाधान के वाहक, सामाजिक परिवर्तन के प्रेरक तथा समाज के लिए प्रेरणादायक और प्रभावशाली भूमिका निभाते हैं। भारत की विशाल युवा आबादी उसकी सबसे बड़ी मानव शक्ति है। यदि इस शक्ति का सही दिशा में उपयोग किया जाए तो देश की चुनौतियों का प्रभावी समाधान कर भारत को एक विकसित, समृद्ध और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। युवाओं के भीतर उत्साह,कार्य करने का जुनून और चुनौतियों का सामना करने का अदम्य साहस और अपार ऊर्जा होती है, उनमें कठिन परिश्रम करने की अपार क्षमता ,अपने सपनों को साकार करने का दृढ़ मनोबल होता है। युवाओं की व्यक्तिगत सफलता न केवल उनके जीवन को नई दिशा देती है, बल्कि उनकी उपलब्धियां राष्ट्र की प्रगति और सफलता में भी महत्वपूर्ण योगदान करती हैं। भारत ने वर्ष 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य की प्राप्ति में युवाओं की भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। वर्तमान समय में भारत विश्व की तेजी से उभरते अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और देश में आधारभूत संरचना, प्रौद्योगिकी, शिक्षा ,नवाचार तथा रोजगार के क्षेत्र में विकास की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं। विकसित भारत का निर्माण केवल आर्थिक उपलब्धियों से संभव नहीं है बल्कि इसके लिए ऐसे जागरूक नागरिकों की आवश्यकता है जो संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के मूल्यों को अपने व्यवहार में उतारें। आज के युवाओं को अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों के प्रति भी सजग होना होगा। सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, महिला सम्मान, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास जैसे मूल्यों का पालन विकसित भारत की आधारशिला को और अधिक सुदृढ़ बनाता है। विकसित भारत के निर्माण के लिए आर्थिक प्रगति पर्याप्त नहीं है बल्कि ज्ञान ,कौशल, विकास ,नवाचार, उद्यमिता और सामाजिक उत्तरदायित्व को भी समान महत्व देना होगा। इस दिशा में देश की युवा शक्ति महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। युवाओं की ऊर्जा ,प्रतिभा ,ज्ञान और रचनात्मक क्षमता का प्रभावी उपयोग भारत को विकास के नए आयाम तक ले जा सकता है। भारत की लगभग आधी आबादी युवा है इसीलिए युवाओं को राष्ट्र- निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी का अवसर उपलब्ध कराना समय की आवश्यकता है। युवा अपनी क्षमता और प्रतिभा का उपयोग राष्ट्र हित में करें तो वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य निश्चित रूप से प्राप्त किया जा सकता है। वास्तव में ,युवा शक्ति ही विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत और उसके उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है।भारत ने युवाओं के लिए शोध ,नवाचार, शिक्षा ,सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी ) तथा अन्य व्यावसायिक सेवाओं के क्षेत्र में अनगिनत अवसरों के द्वार खोले हैं आज भारत युवाओं के लिए आकांक्षाओं को आकार देने और उन्हें साकार करने की स्वतंत्रता का गंतव्य बनकर उभरा है। राष्ट्र की समग्र विकास यात्रा में युवाओं की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण मानते हुए पूरा देश उन पर दृढ़ विश्वास और बड़ी उम्मीद के साथ जुड़ा है। इस महत्वाकांक्षी भरोसे का प्रमुख आधार युवाओं में विकसित हो रहा कौशल, नवाचार ,सृजनात्मक और उद्यमशीलता है। बदलती वैश्विक परिस्थितियों और तीव्र तकनीकी परिवर्तन के दौर में भारत के युवाओं की प्रतिभा को राष्ट्रीय विकास से जोड़ने का यह सर्वाधिक उपयुक्त एवं प्रासंगिक समय है। युवा शक्ति को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक कौशल, अनुसंधान, नवाचार और रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराया जाए तो यही ऊर्जा भारत को एक विकसित ,आत्मनिर्भर और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी राष्ट्र बनाने की दिशा में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। भारत के उज्ज्वल भविष्य, राष्ट्र- निर्माण और विकसित भारत की नवचेतना को साकार करने में युवाओं की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय चेतना के प्रसार के साथ-साथ शैक्षिक विकास और सामाजिक परिवर्तन के लिए युवाओं का सशक्तिकरण आवश्यक है। **लेखक भाजपा सांसद हैं**

## राजमहल की पहाड़ियों से उठती सभ्यता की पुकार

**कुमार कृष्णन**

राजमहल की पहाड़ियों में बहती हवा केवल पेड़ों की सरसराहट नहीं बल्कि एक प्राचीन सभ्यता की स्मृति भी अपने साथ लेकर चलती है। इन पहाड़ियों, जंगलों और घाटियों में सदियों से एक ऐसा समुदाय बसता आया है जिसने प्रकृति को कभी संसाधन नहीं, बल्कि अपने अस्तित्व, आस्था और आत्मीय रिश्ते के रूप में जिया है। झारखंड की पहचान केवल उसकी खनिज संपदा से नहीं, बल्कि उन आदिम जनजातीय समुदायों से भी है जिन्होंने जंगल, पहाड़ और नदियों के साथ सह-अस्तित्व का ऐसा जीवन-दर्शन विकसित किया, जो आज जलवायु संकट से जूझती दुनिया के लिए भी प्रेरणा बन सकता है। इन्हीं समुदायों में माल पहाड़िया एक विशिष्ट और अत्यंत प्राचीन जनजाति है, जिसकी सांस्कृतिक यात्रा आज भी राजमहल की पहाड़ियों और दामिन-ए-कोह के वनों में स्पंदित होती है।

जनजातीय महोत्सव केवल सांस्कृतिक उत्सव नहीं होते। वे उन समुदायों की जीवित विरासत को सम्मान देने का अवसर हैं जिन्होंने सदियों से इस भूभाग की प्रकृति, संस्कृति और सामुदायिक चेतना को सुरक्षित रखा है। यह हमें स्मरण कराता है कि विकास की कहानी तब तक अधूरी है, जब तक उसमें उन लोगों की आवाज़ शामिल न हो, जिन्होंने इस धरती को अपनी स्मृतियों, श्रम और परंपराओं से सींचा है। माल पहाड़िया भारत सरकार द्वारा विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) के रूप में अधिसूचित समुदाय है। यह पहचान किसी कमजोरी की नहीं, बल्कि उस ऐतिहासिक उपेक्षा की ओर संकेत करती है जिसे दूर करना राष्ट्रीय दायित्व है। इनकी आबादी मुख्यतः झारखंड के साहिबगंज, पाकुड़, दुमका और गोड्डा जिलों में है, जबकि कुछ परिवार बिहार और पश्चिम बंगाल में भी निवास करते हैं। उनकी सांस्कृतिक पहचान का केंद्र आज भी राजमहल की पहाड़ियाँ हैं।

इतिहास बताता है कि माल पहाड़िया केवल एक जनजाति नहीं, बल्कि प्रतिरोध और आत्मसम्मान की जीवित परंपरा है। अंग्रेज़ी शासन के प्रारंभिक वर्षों में राजमहल की दुर्गम पहाड़ियों पर नियंत्रण स्थापित करना औपनिवेशिक सत्ता के लिए आसान नहीं था। बाहरी हस्तक्षेप के विरुद्ध उनका संघर्ष केवल भूभाग की रक्षा नहीं, बल्कि अपने जीवन-दर्शन और स्वायत्त अस्तित्व की रक्षा का संघर्ष था।उनकी सबसे बड़ी सांस्कृतिक धरोहर उनकी भाषा माल्टो है जो द्रविड़ भाषा परिवार से जुड़ी मानी जाती है। यह केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि लोकज्ञान, औषधीय परंपराओं, कृषि अनुभवों, मिथकों और सामुदायिक स्मृतियों का जीवित संग्रह है। दुर्भाग्य से आधुनिक शिक्षा, प्रशासन और रोजगार की बदलती संरचना के कारण नई पीढ़ी में मातृभाषा का प्रयोग लगातार घट रहा है। यदि भाषा कमजोर पड़ती है तो उसके साथ सदियों की सांस्कृतिक स्मृति भी क्षीण होती जाएगी। माल पहाड़िया समाज की संरचना सामुदायिक जीवन पर आधारित है। गाँव का नेतृत्व 'मांझी' करता है, जो केवल प्रशासनिक प्रधान नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का संरक्षक भी होता है। विवादों का समाधान सामूहिक सहमति से होता है। यह परंपरा बताती है कि लोकतांत्रिक संवाद केवल आधुनिक संस्थाओं की देन नहीं, बल्कि भारतीय जनजातीय समाज की पुरानी विरासत भी है।

उनका जीवन प्रकृति से गहरे जुड़ा है। जंगल उनके लिए बाज़ार नहीं, जीवन का आधार हैं। पहाड़ देवत्व का प्रतीक हैं, नदियाँ संस्कृति की धारा हैं और धरती पूर्वजों की स्मृति। इसी कारण उन्होंने प्रकृति का उपयोग किया, लेकिन उसका अंधाधुंध दोहन नहीं किया। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय संकट से जूझ रही है, तब माल पहाड़िया समाज का यह जीवन-दर्शन पहले से अधिक प्रासंगिक दिखाई देता है।

उनकी पारंपरिक आजीविका का आधार 'कुरवा' अर्थात झूम खेती रही है। इसके साथ वनोपज, शहद, कंद-मूल, औषधीय पौधों और लघु वन उत्पादों का संग्रह उनके जीवन का हिस्सा रहा है। बदलते वन कानून, घटते जंगल और जलवायु परिवर्तन ने इस पारंपरिक अर्थव्यवस्था को गहरा प्रभावित किया है। परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में युवाओं को रोज़गार की तलाश में पलायन करना पड़ रहा है। यह केवल आर्थिक परिवर्तन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक निरंतरता के लिए भी चुनौती है।

माल पहाड़िया समाज की सांस्कृतिक पहचान उनके लोकगीतों, लोकनृत्यों और पर्व-त्योहारों में दिखाई देती है। उनके गीतों में जंगल, वर्षा, प्रेम, श्रम और पूर्वजों की स्मृतियाँ गूँजती हैं। मांदर और ढोल की थाप पर सामूहिक नृत्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सामुदायिक एकता और सांस्कृतिक निरंतरता का उत्सव हैं। लिखित इतिहास के अभाव में यही लोकपरंपराएँ उनकी जीवित स्मृति बनकर पीढ़ियों तक पहुँचती रही हैं।

फिर भी आज सबसे बड़ी चुनौती शिक्षा और स्वास्थ्य की है। पहाड़ी गाँवों में विद्यालयों और स्वास्थ्य सेवाओं की सीमित पहुँच, मातृभाषा में शिक्षा का अभाव, आर्थिक कठिनाइयाँ और पलायन जैसी समस्याएँ इस समुदाय के विकास को प्रभावित करती हैं। शिक्षा तभी प्रभावी होगी जब वह स्थानीय भाषा और संस्कृति से जुड़ेगी। इसी प्रकार स्वास्थ्य सेवाएँ तभी सार्थक होंगी जब वे स्थानीय परिस्थितियों और पारंपरिक ज्ञान के साथ संवाद स्थापित करें।

## जंग लगी चाबी

**डॉ सुरेश कुमार मिश्रा**

कसबे के सौ साल पुराने डाकघर की सीलन भरी दीवार पर लोहे की एक बड़ी सी जंग लगी चाबी वैसे ही लटकी रहती थी, जैसे सरकारी दफ्तरों की फाइलों पर ईमानदारी लटकी रहती है। लाल ईंटों की उधड़ती सफेदी के बीच वह चाबी उस पूरे इलाके के लिए कौतूहल का केंद्र थी, क्योंकि इस मुल्क में लोग ठोस रोटी से ज्यादा रहस्यमयी भूख पर यकीन करते हैं। गाँव का हर इंसान जब भी रजिस्ट्री कराने आता, तो उस चाबी को ऐसे देखता मानो वह कोई चाबी नहीं, बल्कि सीधे स्वर्ग जाने का शॉर्टकट हो। डाकघर के बाहर नीम के पेड़ की छाँव में बदरी काका सुबह नौ बजे ही अपनी ड्यूटी संभाल लेते थे, जैसे भ्रष्टाचार अपनी कुर्सी संभालता है। सफेद खद्दर पहने वे उस चाबी को ऐसे निहारते, जैसे कोई नेता चुनाव जीतने के बाद अपनी कुर्सी को देखता है। नए डाकिया साहब उन्हें देखकर चकित होते, पर काका अपनी डायरी में कुछ न कुछ दर्ज करते रहते थे, शायद उन वादों की लिस्ट जो कभी पूरे नहीं होने थे। गाँव के नौजवान पूछते, काका, इससे कौन सा खजाना खुलेगा? तो काका वैसी ही रहस्यमयी मुस्कान बिखेर देते जैसी वित्त मंत्री बजट पेश करने से पहले बिखेरते हैं और कहते, बेटा, इसमें गाँव की सांसें बंद हैं। असल में भारत में उम्मीद वह गाजर है, जिसे गधा जिंदगी भर पकड़ने की कोशिश में दौड़ता रहता है। डाकघर के नए पोस्टमास्टर सत्यप्रकाश जी नियम-कानून के उतने ही पक्के थे, जितना कि एक बेईमान आदमी अपनी कमीशन के लिए होता है। उन्हें बदरी काका का यह रोज का ड्रामा वैसे ही अखरता था, जैसे किसी ईमानदार को सच। एक दिन उन्होंने कड़क कर पूछा, काका, यहाँ क्यों भीड़ लगाते हो? अगर पेंशन का मामला है तो बताओ, वरना सरकारी काम में बाधा मत डालो। सरकारी काम में बाधा डालना इस देश में सबसे बड़ा पाप है, भले ही वह काम खुद किसी बाधा से कम न हो। बदरी काका कांपती आवाज में बोले, साहब, मैं तो अपनी अमानत की हिफाजत कर रहा हूँ। सत्यप्रकाश जी चिढ़कर बोले, इस सड़ी-गली चाबी को अमानत कह रहे हैं? इसे तो कूड़ेदान में होना चाहिए। सत्यप्रकाश जी को क्या पता था कि इस देश में सड़ी-गली परंपराएं ही सबसे बड़ी अमानत मानी जाती हैं।

जैसे ही सत्यप्रकाश जी ने चाबी को कूड़ा कहा, बदरी काका के चेहरे पर वैसी ही तड़प आई जैसी किसी भक्त के सामने भगवान को गाली देने पर आती है। पास ही बैठे रहमान मियाँ भी कूद पड़े। भारत में जब भी कोई तर्क की बात करता है, तो दो-चार लोग भावनाओं का झंडा लेकर तुरंत पहुँच जाते हैं। रहमान बोले, साहब, इस चाबी का नाता गाँव की धरोहर से है। शहर गए जमींदार ने बच्चों के लिए तिजोरी बनवाई थी। सत्यप्रकाश जी हँसे, सरकारी डाकघर में व्यक्तिगत तिजोरी? यहाँ तो सरकारी पेन भी धागे से बँधा रहता है ताकि कोई उसे चुरा न ले। पर काका ने डायरी के नंबर दिखाए। अब सत्यप्रकाश जी के मन में जिज्ञासा और शक का ऐसा युद्ध छिड़ा, जैसा किसी मध्यमवर्गीय आदमी के मन में सेल देखकर छिड़ता है। उन्हें लगा शायद विभाग को बिना बताए यहाँ कोई काला धन दबा है, जिसे गाँव वाले हड़पना चाहते हैं। उन्होंने चपरासी को हुक्म दिया, रामू, टॉर्च लाओ! आज इस राष्ट्रव्यापी रहस्य का पोस्टमार्टम होकर रहेगा। बदरी काका गिड़गिड़ाने लगे, साहब, मत खोलिए! बरसों का भ्रम टूट जाएगा। पर सत्यप्रकाश जी कब रुकने वाले थे? वे 'सत्य' की खोज में वैसे ही अंधे थे जैसे कोई न्यूज एंकर सनसनी की खोज में होता है। गाँव वाले जमा हो गए, जैसे एक्सीडेंट देखने के लिए भीड़ जुटती है। स्टोर रूम की जंग लगी कुंडी खुली, तो अंदर धूल और जालों के बीच एक विशाल लोहे का बॉक्स मिला। सत्यप्रकाश जी ने गर्व के साथ वह चाबी घुमाई। ताला 'कट' से खुल गया, मानो वह भी इस पाखंड का हिस्सा बनकर थक चुका था। सबने गर्दनें लंबी कीं, जैसे कोई मुफ्त की रेवड़ी बंटने वाली हो। ढक्कन उठा, तो अंदर से सोना-चाँदी नहीं, बल्कि केवल धूल और कुछ खाली लिफाफे निकले। सत्यप्रकाश जी ने एक मुड़ा हुआ कागज निकाला और उसे पढ़ने लगे। वह जमींदार के बेटे का पैगाम था, जो तीस साल पहले शहर जाकर गायब हो गया था।

# हरियाली अमावस्या कल

## सावन माह की अमावस्या का सूर्य ग्रहण भारत में नहीं दिखेगा, इसका सूतक भी नहीं रहेगा

सावन मास की अमावस्या 12 अगस्त को है। इसे हरियाली अमावस्या कहा जाता है। इस बार यह तिथि इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस दिन सूर्य ग्रहण भी होने जा रहा है। हालांकि यह ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। ऐसे में ग्रहण का सूतक काल भी देश में मान्य नहीं होगा। हरियाली अमावस्या से जुड़े सभी धर्म-कर्म पूरे दिन बिना किसी बाधा के किए जा सकेंगे।

ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, जब कोई ग्रहण किसी स्थान पर दिखाई नहीं देता, तो वहां उस ग्रहण का सूतक मान्य नहीं होता है। इसलिए 12 अगस्त को मंदिरों के कपाट बंद नहीं होंगे और पूजा-पाठ सहित सभी धार्मिक गतिविधियां नियमित रूप से की जा सकेंगी। श्रद्धालु भगवान शिव का अभिषेक, रुद्राभिषेक, बिल्व पत्र अर्पण, दान-पुण्य, पितरों के तर्पण और अन्य धार्मिक अनुष्ठान कर सकेंगे।

सावन भगवान शिव की भक्ति करने का महीना है। इसी पवित्र माह में अमावस्या पड़ने के कारण हरियाली अमावस्या का महत्व और बढ़ जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करने से सुख, शांति और समृद्धि की कामना पूरी होती है। हरियाली अमावस्या प्रकृति और पर्यावरण से जुड़ा पर्व है। इस दिन पेड़-पौधे लगाने की परंपरा है। मान्यता है कि पौधरोपण और प्रकृति की सेवा से सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। इसी कारण कई स्थानों पर सामूहिक रूप से पौधे लगाए जाते हैं और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जाता है।

सूर्य ग्रहण का समय और कहां-कहां दिखेगा

भारतीय समय अनुसार सूर्य ग्रहण 12 अगस्त की रात करीब 9:04 बजे शुरू होगा और 13 अगस्त की रात करीब 1:28 बजे तक रहेगा। यह ग्रहण उत्तरी प्रशांत महासागर, पश्चिमी यूरोप, पश्चिमी अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका में दिखेगा।

अमावस्या पर स्नान और पितृ तर्पण की परंपरा अमावस्या तिथि को पितरों की पूजा और तर्पण के लिए भी विशेष माना जाता है। इस दिन पवित्र नदियों और तीर्थस्थलों में स्नान करके पितरों के निमित्त तर्पण करने की परंपरा है। धार्मिक मान्यता है कि श्रद्धापूर्वक किए गए तर्पण और दान से पितरों को संतुष्टि मिलती है।

जो लोग किसी तीर्थ या पवित्र नदी तक नहीं जा सकते, वे घर पर भी स्नान की धार्मिक विधि कर सकते हैं। इसके लिए पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान किया जा सकता है। इसके बाद पितरों को याद करते हुए अपनी सामर्थ्य के अनुसार अन्न, जल, वस्त्र या जरूरत की अन्य वस्तुओं का दान करना किया जाता है।

किसी गौशाला में हरी घास और आर्थिक सहायता भी दे सकते हैं। दान करते समय सेवा और श्रद्धा की भावना को महत्व देना चाहिए। अमावस्या पर पशु-पक्षियों को भोजन कराने की भी परंपरा है। इस दिन गायों के अलावा कुत्तों और कौवों को भी रोटी या अन्य भोजन करा सकते हैं। इसे जीव सेवा और पितरों के प्रति श्रद्धा से जोड़कर देखा जाता है।

**भगवान शिव की पूजा और मंत्र जप करें**

सावन अमावस्या होने के कारण इस दिन भगवान शिव की आराधना का विशेष महत्व रहेगा। श्रद्धालु शिवलिंग पर जल और अपनी परंपरा के अनुसार अन्य पूजन सामग्री अर्पित कर सकते हैं। बिल्व पत्र चढ़ाकर भगवान शिव के मंत्रों का जप करना चाहिए। इस दिन महामृत्युंजय मंत्र का जप या भगवान शिव के नाम का स्मरण भी कर सकते हैं। श्रद्धालु अपनी आस्था के अनुसार रुद्राभिषेक और जलाभिषेक भी कर सकते हैं। भारत में सूर्य ग्रहण दिखाई नहीं देने के कारण इन धार्मिक गतिविधियों पर ग्रहण संबंधी कोई बाधा नहीं मानी जाएगी।

# अर्जुन को हो गया था अपनी शक्ति का घमंड

## भगवान शिव ने अर्जुन को दी सीख शक्ति के साथ विनम्रता जरूरी है

अभी शिव जी का प्रिय महीना सावन चल रहा है। इस महीने में भगवान शिव की पूजा के साथ उनकी कथाओं को पढ़ने और सुनने की परंपरा भी है। शिव जी की कथाएं धर्म लाभ देने के साथ ही जीवन में सफल होने के सूत्र भी बताती हैं। जानिए शिव जी और अर्जुन की पौराणिक कथा, जिसमें भगवान ने अहंकार से बचने के संदेश दिया है...

महाभारत में कौरवों और पांडवों के बीच युद्ध तय हो चुका था, उस समय अर्जुन दिव्यास्त्र प्राप्त करने के लिए कठोर तप कर रहे थे। वे चाहते थे कि कौरवों से युद्ध में धर्म की रक्षा के लिए उन्हें ऐसे दिव्यास्त्र मिलें, जिनसे वे अपने कर्तव्य को पूरा कर सकें। देवराज इंद्र ने अर्जुन को बताया कि दिव्यास्त्र पाने से पहले उन्हें भगवान शिव को प्रसन्न करना होगा।

अर्जुन ने भगवान शिव की आराधना शुरू कर दी। एक दिन उनके तप स्थल पर एक जंगली सूअर आया। वास्तव में वह एक मायावी दैत्य था, जो अर्जुन को मारना चाहता था। अर्जुन ने उसे देखकर तुरंत अपना धनुष उठाया और बाण चलाने की तैयारी की। उसी समय एक किरात वनवासी वहां पहुंचा और उसने भी उस सूअर पर बाण चला दिया।

दोनों के बाण एक साथ सूअर को लगे। इसके बाद अर्जुन और उस वनवासी के बीच विवाद शुरू हो गया। दोनों ही उस शिकार पर अपना अधिकार बता रहे थे। विवाद इतना बढ़ गया कि बात युद्ध तक पहुंच गई। अर्जुन उस वनवासी को कमजोर समझ रहा था, लेकिन अर्जुन पूरी शक्ति लगाकर भी उस वनवासी को पराजित नहीं कर सके।

वनवासी से युद्ध करते समय अर्जुन को एहसास हुआ कि सामने वाला योद्धा कोई साधारण व्यक्ति नहीं है। उन्होंने युद्ध रोककर मिट्टी का शिवलिंग बनाया और भगवान शिव की पूजा की। उन्होंने शिवलिंग पर जो माला चढ़ाई थी, वही माला उस वनवासी के गले में दिखाई देने लगी। तब अर्जुन समझ गए कि स्वयं भगवान शिव उनकी परीक्षा लेने आए थे। अर्जुन ने भगवान शिव से क्षमा मांगी। उस समय शिव जी ने अर्जुन को अहंकार न करने की सलाह दी। इसके बाद अर्जुन ने अहंकार को त्यागने का संकल्प लिया। शिव जी ने उन्हें आशीर्वाद देते हुए पाशुपतास्त्र प्रदान किया। इस कथा का संदेश है कि व्यक्ति चाहे कितना भी योग्य और शक्तिशाली क्यों न हो, उसे हमेशा विनम्र रहना चाहिए। वास्तविक सफलता वही है, जिसमें ज्ञान, शक्ति और नम्रता तीनों का संतुलन हो।

**प्रसंग की सीख**

भगवान शिव और अर्जुन की यह कथा संदेश देती है कि केवल प्रतिभा और मेहनत से सफलता नहीं मिलती है, बल्कि सही सोच और अच्छा व्यवहार भी महत्वपूर्ण हैं। जीवन को बेहतर बनाने के लिए इस प्रसंग की संदेशों को व्यवहार में उतारना चाहिए...

**सफलता के साथ विनम्रता बनाए रखें**

अर्जुन महान योद्धा थे, लेकिन उन्हें अपनी शक्ति पर घमंड हो गया था। जीवन में उपलब्धियां मिलने के बाद भी हमें घमंड नहीं करना चाहिए। विनम्र व्यक्ति ही लंबे समय तक सम्मान प्राप्त करता है।

**अपनी शक्तियों का सही उपयोग करें**

अर्जुन के पास अद्भुत युद्ध कौशल था, लेकिन शिव जी ने उन्हें समझाया कि शक्ति का उद्देश्य अहंकार नहीं, बल्कि धर्म और कल्याण होना चाहिए। अपनी क्षमताओं का उपयोग सकारात्मक कार्यों में करना चाहिए।

**हर परिस्थिति से सीखने की आदत रखें**

कई बार जीवन में ऐसी घटनाएं होती हैं, जो हमें अपनी कमियां दिखाती हैं। आलोचना या कठिन परिस्थिति को अपमान न मानकर सीखने का अवसर समझना चाहिए।

**जल्दबाजी में निर्णय न लें**

अर्जुन ने बिना पूरी परिस्थिति समझे वनवासी से विवाद कर लिया। जीवन में बड़े फैसले लेने से पहले धैर्य और समझदारी से विचार करना जरूरी है।

**दूसरों को छोटा न समझें**

शिव जी ने वनवासी के रूप में आकर अर्जुन को यह संदेश दिया कि किसी व्यक्ति की पहचान केवल उसके बाहरी रूप से नहीं करनी चाहिए। हर व्यक्ति में विशेष गुण हो सकते हैं। कभी भी किसी को छोटा या कमजोर नहीं समझना चाहिए।

**आत्मचिंतन के लिए समय निकालें**

अर्जुन ने अपनी गलती समझकर पूजा और आत्ममंथन किया। इसी तरह हमें भी समय-समय पर अपने विचारों और कार्यों की समीक्षा करनी चाहिए।

**अहंकार को सफलता की राह में बाधा न बनने दें**

अहंकार व्यक्ति की सीखने की क्षमता को कम कर देता है। जो व्यक्ति हमेशा सीखने के लिए तैयार रहता है, वही आगे बढ़ता है।

**लक्ष्य के प्रति समर्पण रखें**

अर्जुन ने कठिन तप किया और अपने उद्देश्य से विचलित नहीं हुए। जीवन में सफलता के लिए स्पष्ट लक्ष्य और निरंतर प्रयास आवश्यक हैं।

**धैर्य और विश्वास बनाए रखें**

कठिन समय में धैर्य रखने वाला व्यक्ति ही सही निर्णय ले पाता है। विश्वास और सकारात्मक सोच जीवन की चुनौतियों को आसान बनाते हैं।

शक्ति के साथ सद्गुण भी जरूरी हैं

ज्ञान, धन या पद तभी उपयोगी हैं, जब उनके साथ अच्छे संस्कार और सही सोच हो। जीवन में बाहरी सफलता के साथ आंतरिक विकास भी जरूरी है। महान बनने के लिए केवल शक्तिशाली होना पर्याप्त नहीं है। सच्ची महानता विनम्रता, आत्मज्ञान और दूसरों के सम्मान में छिपी होती है।

# कोटा का चमत्कारी नीलकंठ महादेव मंदिर

## जहां पाताल तक जाती हैं शिवलिंग की जड़ें, सवा लाख जाप से कटते हैं कष्ट!

आस्था और भक्ति का अद्भुत संगम देखने के लिए कोटा के रेतवाली क्षेत्र में स्थित लगभग 1500 वर्ष प्राचीन नीलकंठ महादेव मंदिर श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है. इस प्राचीन शिवालय की ऐसी मान्यता है कि यहाँ देश ही नहीं, बल्कि विदेशों से भी श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के दर्शन और विशेष अभिषेक के लिए पहुँचते हैं. कोटा संभाग में भगवान शिव के कई प्राचीन मंदिर और शिवालय स्थित हैं जहाँ शिव परिवार के दर्शन होते हैं, लेकिन नीलकंठ महादेव मंदिर अपनी प्राचीनता और अद्भुत मान्यताओं के कारण विशेष स्थान रखता है।

**स्वयंभू शिवलिंग और घटता आकार**

मंदिर के पुजारी पंडित हिमांशु शर्मा के अनुसार नीलकंठ महादेव स्वयंभू हैं, जिसका अर्थ है कि यह शिवलिंग स्वयं प्रकट हुआ है. यह मंदिर लगभग पंद्रह सौ वर्ष पुराना है और पिछले 100 वर्षों से यहाँ अखंड ज्योति निरंतर प्रज्वलित है. इस शिवलिंग की सबसे चौंकाने वाली विशेषता यह है कि समय के साथ इसका आकार छोटा होता जा रहा है और वर्तमान में यह मात्र एक इंच के आसपास दिखाई देता है. मान्यता है कि शिवलिंग की जड़ें पाताल लोक तक जाती हैं, इसी कारण इसे हार्डकेश्वर लिंगम के नाम से भी जाना जाता है।

**रहस्यमयी शिलालेख और प्राचीन इतिहास**

मंदिर परिसर में कई प्राचीन धार्मिक प्रतीक मौजूद हैं जो इसके गौरवशाली इतिहास की गवाही देते हैं. शिवलिंग के सामने दक्षिणमुखी हनुमानजी की प्रतिमा और उनके ठीक सामने काल भैरव विराजमान हैं. इन दोनों के मध्य एक प्राचीन साधु की समाधि स्थित है जिसका निर्माण कोटा दरबार द्वारा कराया गया था. परिसर में एक शिलालेख भी लगा हुआ है जो लगभग 1500 वर्ष पुराना बताया जाता है, लेकिन इसकी प्राचीन भाषा को आज तक कोई समझ नहीं सका है. पौराणिक कथाओं के अनुसार यहाँ वन में तपस्या कर रहे एक साधु के मोक्ष प्राप्त करने के समय ही महादेव का प्राकट्य हुआ था।

**विशेष अनुष्ठान और धार्मिक मान्यताएं**

विशेषकर सावन और महाशिवरात्रि के दौरान यहाँ श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है. मंदिर में सवा लाख महामृत्युंजय जाप, महामृत्युंजय रुद्राभिषेक, नमक-चमक पाठ, 11 नमस्ते पाठ और विशेष रुद्राभिषेक जैसे अनुष्ठान नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं. भक्तों का दृढ़ विश्वास है कि इन विशेष पूजाओं से असाध्य रोग दूर होते हैं, दुखों का नाश होता है और परिवार में सुख-समृद्धि का वास होता है. वर्तमान में यह ऐतिहासिक स्थल पुरातत्व विभाग के संरक्षण में है और कोटा की धार्मिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

# पर्स में क्या रखना चाहिए और क्या नहीं?

पर्स केवल पैसे रखने की जगह नहीं है बल्कि यह आपकी आर्थिक ऊर्जा और धन से जुड़े दृष्टिकोण का भी प्रतीक माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, पर्स भी धन के प्रवाह और आर्थिक स्थिरता पर प्रभाव डाल सकता है। लोग अक्सर अपने पर्स में बिना सोचे समझे कोई भी चीज रख लेते हैं जो कि नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित कर सकती हैं और आर्थिक प्रगति में बाधा उत्पन्न कर सकती हैं। वास्तु शास्त्र में धन को देवी लक्ष्मी का स्वरूप माना गया है। इसलिए धन रखने के स्थान को हमेशा स्वच्छ, व्यवस्थित और सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रखना चाहिए। एक साफ और सुव्यवस्थित पर्स न केवल आपकी आदतों को दर्शाता है बल्कि आर्थिक अनुशासन और समृद्धि का भी प्रतीक माना जाता है। तो आइए जानते हैं कि वास्तु के अनुसार, पर्स में क्या रखना चाहिए और क्या नहीं।

**पर्स में क्या रखना चाहिए?**

श्रीयंत्र- अपने पर्स में छोटा सा श्रीयंत्र रखें। वास्तु के मुताबिक, श्रीयंत्र रखने से सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और आर्थिक अवसरों में वृद्धि होने की मान्यता है।

एक लाल या पीले रंग का कागज- अपने पर्स में शुभ मंत्र या 'श्री' लिखकर एक छोटा कागज रखें। यह सकारात्मकता और शुभ ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है।

**माता लक्ष्मी की छोटी तस्वीर-** वास्तु के अनुसार पर्स में माता लक्ष्मी की छोटी और साफ तस्वीर रखना शुभ माना जाता है। यह धन, समृद्धि और सकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है।

**व्यवस्थित नोट रखें-** धन को हमेशा सम्मानपूर्वक रखना चाहिए। नोटों को मोड़कर या अस्त-व्यस्त रखने के बजाय उन्हें सही क्रम में रखना चाहिए। वास्तु के अनुसार व्यवस्थित धन आर्थिक अनुशासन को बढ़ावा देता है।

**चांदी का सिक्का-** यदि आपके पास पूजा में सिद्ध किया हुआ चांदी का सिक्का है, तो उसे पर्स में रखना शुभ माना जाता है। यह स्थिर धन और आर्थिक सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है।

**पर्स में क्या नहीं रखना चाहिए?**

कटे-फटे नोट

पुराने और बेकार बिल

दिवंगत व्यक्ति की तस्वीर

अनावश्यक चीजें

खराब कागज

पर्स को हमेशा साफ रखें।

पर्स को फटने या खराब होने पर बदल दें।

पैसे निकालते समय सम्मानजनक व्यवहार रखें।

पर्स को खाली रखने से बचें।

सिक्कों और नोटों को अलग-अलग रखें।

**पर्स को नियमित रूप से व्यवस्थित करें।**

**पैसों की समस्याओं के लिए वास्तु उपाय**

पर्स से सभी बेकार वस्तुएं हटा दें।

माता लक्ष्मी की तस्वीर रखें।

छोटा श्रीयंत्र साथ रखें।

धन को व्यवस्थित रखें।

सकारात्मक सोच और वित्तीय अनुशासन अपनाएं।

# सही दिशा में रखा ये पौधा गुणों का खजाना है

घर की बालकनी और आंगन में रखें पौधे घर की बाहरी सुंदरता बढ़ाते हैं। वहीं, वास्तु अनुसार लगाए गए इनडोर प्लांट घर का माहौल सुधारते हैं। इसी कड़ी में आज बात करेंगे रबर प्लांट की। यह सिर्फ घर की सजावट का हिस्सा नहीं है, बल्कि वास्तु शास्त्र में इसे खास महत्व दिया जाता है। मान्यता है कि सही दिशा में लगाया गया रबर प्लांट घर में सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाता है। इसके अलावा यह एक बेहतरीन एयर प्यूरीफाइंग प्लांट भी माना जाता है। जानिए इसे लगाने की सही दिशा, जो घर के वातावरण को बेहतर बनाने में सहायक हो सकती है।

**क्यों खास है रबर प्लांट?**

रबर प्लांट तेजी से बढ़ने वाला और कम देखभाल में भी अच्छा विकसित होने वाला इनडोर प्लांट है। इसकी चमकदार हरी पत्तियां घर और ऑफिस की खूबसूरती बढ़ाने के साथ-साथ वातावरण को भी ताजगी का एहसास कराती हैं। इसी वजह से यह लोगों की पहली पसंद बनता जा रहा है।

**किस दिशा में रखें रबर प्लांट?**

वास्तु शास्त्र के अनुसार रबर प्लांट को घर की दक्षिण-पूर्व (आग्नेय) दिशा में रखना शुभ माना जाता है। इसे लिविंग रूम, मुख्य प्रवेश द्वार या बेडरूम में रखा जा सकता है। वहीं ऑफिस, दुकान या वर्कप्लेस में इसे रिसेप्शन, केबिन या प्रवेश द्वार के आसपास रखना लाभकारी माना जाता है। हालांकि, इसे उत्तर-पूर्व (ईशान कोण) में रखने से बचने की सलाह दी जाती है।

क्या हैं रबर प्लांट रखने के वास्तु बेनिफिट्स?

सही दिशा में रखा गया रबर प्लांट घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने में मदद करता है।

इससे आर्थिक स्थिरता, सुख-समृद्धि और करियर या कारोबार में प्रगति के योग मजबूत होते हैं।

यह हवा की गुणवत्ता बेहतर बनाने वाले लोकप्रिय इनडोर प्लांट्स में से एक है।

***इन बातों का रखें ध्यान***

रबर प्लांट को हमेशा स्वस्थ और हरा-भरा रखने की कोशिश करें। इसकी पत्तियों की नियमित सफाई करें और सूखी या पीली पत्तियां समय रहते हटा दें। मान्यता है कि अच्छी तरह से देखभाल किया गया पौधा ही सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। साथ ही रबर प्लांट को किसी ऐसी जगह पर रखें, जहां ये इसे पर्याप्त रोशनी तो मिले, लेकिन इस पौधे पर तेज धूप सीधे न पड़े।

# दूसरों का फायदा उठाने में माहिर लोगों से बचना जरूरी है

पिछले दिनों जेन-जी ने ऐसा युद्ध लड़ा, जिसमें कई परिभाषाएं बदल गईं। अविश्वसनीय, अकल्पनीय साकार हो गया। झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए- इस कहावत में दुनिया शब्द को समझना होगा। दुनिया बड़े अजीब ढंग से बनी है। कभी-कभी लगता है झुक गई पर सीधे खड़ी रहती है। और कभी लगता है सीधे खड़ी है तो झुकी लगती है। 17वीं शताब्दी में अमेरिका के गृहयुद्ध में एक शब्द चला था- वोक। जेन-जी को इस शब्द से बचना पड़ेगा।

इस शब्द का अर्थ है ऐसी विचारधारा के लोग, जो दूसरों का फायदा उठाते हैं। ये आक्रामक होते हैं, चिड़चिड़े होते हैं, सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लेते हैं और यह किसी भी आंदोलन या व्यवस्था में घुस जाते हैं। श्रेय हड़पने में ये बड़े माहिर होते हैं।

ये अकसर अभिजात पार्टी में, कुलीन क्लबों में, कैंडल-लाइट मार्च में, आर्ट क्लबों में पाए जाते हैं। अच्छी-खासी व्यवस्था में यह अपना 'वोकिस्तान' बना लेते हैं। रावण ने श्रीराम से युद्ध करते समय वोक शैली का ही प्रयोग किया था।

# प्रीति जिंटा बोलीं–मोहाली मेरा घर, यह सबसे प्यारी घर वापसी सनी देओल संग पंजाब आईं

बॉलीवुड एक्टर सनी देओल और प्रीति जिंटा शनिवार को पंजाब पहुंचे। यहां उन्होंने चंडीगढ़, मोहाली, जालंधर और अमृतसर में अपनी आने वाली फिल्म बंटवारा 1947 के प्रमोशनल इवेंट्स में हिस्सा लिया। मोहाली इवेंट को लेकर प्रीति जिंटा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भी किया है, जिसमें उन्होंने लिखा है -

मोहाली मेरा घर है और यह सबसे प्यारी घर वापसी थी। बंटवारा 1947 की टीम के प्रति प्यार और गर्मजोशी के लिए सीजीसी यूनिवर्सिटी के सभी शानदार छात्रों को धन्यवाद। आप सभी से 14 अगस्त को मिलते हैं, किसी स्टेडियम में नहीं बल्कि, आपके पास के एक सिनेमाघर में। फिल्म प्रमोशन के दौरान सनी देओल और प्रीति जिंटा ने स्टूडेंट्स से मुलाकात की और उन्हें फिल्म देखने के लिए सिनेमाघरों में आने का न्योता दिया। उनके साथ सनी देओल के बेटे करण देओल भी मौजूद थे। इसके अलावा उनकी सुरक्षा और प्रमोशनल टीम भी वहां थी।

फिल्म के प्रमोशन के लिए सनी देओल और प्रीति जिंटा मोहाली की सीजीसी यूनिवर्सिटी पहुंचे थे। यहां उन्होंने स्टूडेंट्स से बात की। इसके लिए यूनिवर्सिटी के बुद्धा ग्राउंड में बाकायदा सेट लगाया गया था। यहां फिल्म की स्टार कास्ट ने स्टूडेंट्स की फरमाइश पर डांस भी किया। सनी देओल अपनी हिट फिल्म गदरः एक प्रेम कथा के सुपरहिट सॉन्ग मैं निकला गड्डी लेके पर नाचते दिखे। इसके अलावा प्रीति जिंटा ने शहर की भी तारीफ की। मोहाली में इवेंट के बाद फिल्म की स्टार कास्ट जालंधर की लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी भी पहुंची। यहां भी उन्होंने फिल्म के प्रमोशन के साथ स्टूडेंट्स से बात की। यहां भी सनी देओल ने प्रीति जिंटा और अपने बेटे करण देओल के साथ डांस किया। सन्नी देओल ने कहा- बच्चों आप लोगों को ढेर सारा प्यार। आप हमारा भविष्य हैं। इस मुल्क को हमें ऊपर रखना है, हमेशा हिंदुस्तान जिंदाबाद था, जिंदाबाद है और जिंदाबाद रहेगा। हमने यह नहीं सोचा था कि 1947 में आजादी मिलते ही 2 मुल्क बन जाएंगे। इस फिल्म में 1947 के बाद की कहानी है।

प्रीति जिंटा का पंजाब से लगाव किसी से छिपा नहीं है। 7 अगस्त को चंडीगढ़ एयरपोर्ट पहुंचने के दौरान भी उनके अंदाज ने लोगों का ध्यान खींचा। उन्होंने नारंगी रंग का बेहद खूबसूरत और वाइब्रेंट सलवार सूट पहना हुआ था। एयरपोर्ट पर कई फैंस ने उन्हें अपने कैमरे में कैद किया। वहीं, उन्होंने फैंस का अपनी स्माइल से दिल जीता।

# असम में बाढ़ पर राखी सावंत ने कंगना रनौत और रवि किशन को लपेटा

असम में विनाशकारी बाढ़ से बहुत बुरे हालात हैं और पूरा जन जीवन अस्त-व्यस्त है। करीब 87 मौतें हो चुकी हैं। इस मुश्किल वक्त में जहां कई सितारों ने असम की मदद का हाथ बढ़ाया है, वहीं राखी सावंत ने कंगना रनौत और रवि किशन पर गुस्सा निकाला है। राखी सावंत ने सवाल उठाया कि अब वो असम की मदद के लिए क्यों नहीं जा रहे? उन्होंने कंगना पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि अगर चुगली बंद कर दी हो तो अपने नेताओं को असम जाकर मदद करने को बोलो। राखी सावंत ने रवि किशन को भी नहीं बख्शा और कहा कि डांस करना बंद कर दें और अब देश सेवा का मौका आया है, तो जाकर सेवा करें। उन्होंने रवि किशन पर झूठ बोलने का भी आरोप लगाया।

राखी सावंत ने पपाराजी से बात करते हुएअसम के हालातों पर दुख जताया। साथ ही कंगना और रवि किशन पर बरसीं। वह बोलीं, 'असम में जो बाढ़ आ रही है, उसके लिए मैं बहुत ज्यादा अपसेट हूं। मैं हमारी कंगना से कहना चाहती हूं कि अगर तुमने लोगों के बारे में बिचिंग बंद कर दी है, तो जितने भी तुम्हारे नेता हैं, उन्हें बोलो कि असम जाएं।'

# ज़िंदगी से दुःख कभी गायब नहीं हुआ: जावेद अख्तर

मुझे कभी-कभी लगता है कि आज की फिल्मों में जैसे दुःख का कोई वजूद ही नहीं रह गया है। एक जमाना था जब लगभग हर फिल्म में एक-दो ऐसे गीत जरूर होते थे जो बिछड़ने, तन्हाई, इंतजार, टूटे हुए दिल या ज़िंदगी की शिकस्त की कहानी कहते थे। आज फिल्मी गानों को सुनकर तो ऐसा लगता है जैसे हर कोई हर वक्त खुश है। मैं तो मजाक में कह देता हूं कि शायद सचमुच 'अच्छे दिन आ गए हैं!' लेकिन हकीकत यह है कि ज़िंदगी से दुःख कभी गायब नहीं हुआ। इंसान आज भी वही है। उसे आज भी मोहब्बत होती है, वह आज भी बिछड़ता है, उसे आज भी तन्हाई महसूस होती है और उसके ख्वाब आज भी टूटते हैं। तो फिर ऐसा क्या हुआ कि हमारे गीतों से दुःख क्यों गायब हो गया? मेरे खयाल में दुःख से मुंह मोड़ना किसी सेहतमंद समाज की निशानी नहीं है। यही वजह है कि पुराने दौर के दर्द भरे गीत सिर्फ मनोरंजन नहीं थे, बल्कि इंसान के दिल में दबे जज्बात को आवाज देते थे। जब कोई अपने ही दर्द को किसी गीत में सुनता है, तो उसे लगता है कि उसके दुःख को किसी ने समझा है। यही एहसास उसके दिल का बोझ हल्का कर देता है।

जब मैं शैलेंद्र, साहिर लुधियानवी और शकील बदायूनी जैसे गीतकारों को याद करता हूं, तो महसूस करता हूं कि उन्होंने दर्द को सिर्फ मोहब्बत तक सीमित नहीं रखा, उनके गीतों में तन्हाई भी थी, गरीबी भी थी, टूटे हुए ख्वाब भी थे, समाज का दर्द भी था और इंसान की बेबसी भी। शायद यही वजह है कि उनके लिखे हुए गीत आज भी उतने ही ताजा लगते हैं जितने अपने दौर में थे।

# 'वो ड्रग्स पार्टी करते हैं' नारायणी शास्त्री का टीवी इंडस्ट्री को लेकर दावा

'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' और 'पिया का घर' जैसे टीवी शोज में नजर आईं मशहूर एक्ट्रेस नारायणी शास्त्री ने दावा किया है कि टीवी इंडस्ट्री में कई एक्टर्स ड्रग्स लेते हैं। हालांकि, नारायणी ने किसी का नाम तो नहीं लिया, लेकिन यह जरूर कहा कि आम तौर पर एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में काम करने वाले ज्यादातर लोग ड्रग्स लेने को आम बात मानते हैं और उन्होंने यह खुद अपनी आंखों से देखा है। नारायणी ने कहा कि उन्होंने खुद ड्रग्स लिए हैं, पर उन्होंने से अपनी लत नहीं बनाया। नारायणी शास्त्री ने सिद्धार्थ कन्नन के साथ बातचीत में कहा कि पहले एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की पार्टियों में शराब के लिए एक तय बजट होता था, लेकिन अब वहां गैर-कानूनी ड्रग्स के लिए भी बजट होता है। नारायणी बोलीं, 'पहले पार्टियों में शराब के लिए बजट होता था। अब ड्रग्स के लिए बजट होता है। यह देखकर मैं हैरान रह गई थी। इसीलिए मैंने कई साल पहले पार्टियां करना छोड़ दिया, क्योंकि अब पार्टियों में डांस या मस्ती नहीं होती, बल्कि कुछ और ही चलता है। छोटी-मोटी गैदरिंग्स में सब जानते हैं कि सब कुछ-न-कुछ करते हैं, लेकिन बड़ी पार्टियों में ऐसी हरकतें खुलेआम नहीं होतीं। मैं ड्रग्स लेने वाले इन लोगों को पर्सनली तो नहीं जानती, लेकिन मैंने लोगों को ऐसा करते देखा है।'

# 'जोरू का गुलाम' के डायरेक्टर नूरानी रेप केस में गिरफ्तार

फिल्म जोरू का गुलाम के डायरेक्टर 73 साल के शकील नूरानी को यौन उत्पीड़न और दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार किया गया है। 33 साल की एक्ट्रेस ने उन पर यौन शोषण, ब्लैकमेलिंग समेत कई आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत के अनुसार, ये मामला 2016 का है।

मुंबई पुलिस को मिली शिकायत के अनुसार, एक्ट्रेस की शकील नूरानी से पहली मुलाकात 2016 में लोखंडवाला में एक अवॉर्ड फंक्शन के दौरान हुई थी। उन्होंने उनसे आने वाले एक प्रोजेक्ट के बारे में बात की और काम के लिए संपर्क करने को कहा था।

शिकायत के मुताबिक बाद में एक्ट्रेस स्क्रिप्ट पढ़ने के लिए शकील नूरानी के मालवानी स्थित घर गई थीं। वहां नूरानी ने उन्हें सॉफ्ट ड्रिंक पीने को दिया, जिसके बाद वह बेहोश हो गईं। बाद में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई।

एक्ट्रेस ने आरोप लगाया कि होश आने के बाद शकील नूरानी ने उन्हें अपने मोबाइल पर एक्ट्रेस का वीडियो दिखाया। उन्होंने धमकी दी कि पुलिस से संपर्क करने या परिवार को जानकारी देने पर वह वीडियो सर्कुलेट कर देंगे। एक्ट्रेस का आरोप है कि नूरानी ने इसी कथित वीडियो के जरिए उन्हें धमकाया और कई बार उनका यौन उत्पीड़न किया। उन्होंने यह भी कहा कि यौन संबंधों के बाद नूरानी उन्हें बार-बार गर्भनिरोधक गोलियां देते थे।

पुलिस ने जांच शुरू की। जांच में पता चला कि नूरानी सातारा जिले के मेधा इलाके में स्थित एक फार्महाउस में रह रहे हैं। मालवानी पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि नूरानी 40 दिन तक छिपे रहे। पुलिस टीम ने अंधेरी के लोखंडवाला स्थित उनके बेटे के घर की तलाशी भी ली, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला। अधिकारी ने कहा, 'टेक्निकल मदद से हमने उन्हें सातारा जिले के मेधा स्थित एक फार्महाउस में खोजा। मेधा पुलिस स्टेशन के हमारे साथियों ने उन्हें हिरासत में लिया। इसके बाद हमारी टीम ने उन्हें अपने कब्जे में ले लिया।' पुलिस ने शकील नूरानी को शनिवार को बोरीवली हॉलीडे कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उन्हें 12 अगस्त तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया है।

# नसीरुद्दीन शाह के बयान पर भड़के पीयूष मिश्रा

सीनियर एक्टर पीयूष मिश्रा ने झारखंड प्रोटेस्ट में पहुंचकर नसीरुद्दीन शाह के एक बयान पर नाराजगी जाहिर कर उन पर कटाक्ष किया है। उन्होंने नसीरुद्दीन शाह और अन्य सेलेब्स की चुप्पी पर भी सवाल उठाए हैं। झारखंड प्रोटेस्ट में शामिल हुए पीयूष मिश्रा ने कहा है, 'नसीरुद्दीन शाह साहब, आपने कॉकरोच जनता पार्टी के प्रोटेस्ट पर सेलेब्स के कुछ न कहने पर एक बात कही थी कि जिन कुत्तों के मुंह में हड्डी है वह नहीं बोलेंगे। माफ करिएगा, मैं आपका प्रति पूरा सम्मान देकर पूछना चाहता हूं कि इस वक्त वो कौन कुत्ते हैं, जिनके मुंह में हड्डी है।' कॉकरोच जनता पार्टी के प्रोटेस्ट पर सेलेब्स की चुप्पी पर बात करते हुए नसीरुद्दीन शाह ने द वायर से कहा था, सेलेब्स तब बोलेंगे, जब उनका जमीर उनसे ऐसा करने को बोलेगा। एक कहावत है कि जिस कुत्ते के मुंह में हड्डी होती है, वो भौंक नहीं सकता। जैसे ही हड्डी उसके मुंह से गिरेगी या दांत टूटेंगे, तब वो भौंकेगा।

झारखंड की राजधानी रांची में परीक्षाओं में धांधली और पेपर लीक के खिलाफ छात्रों का आंदोलन जारी है। प्रदर्शन के 16वें दिन अभिनेता और गायक पीयूष मिश्रा धरना स्थल जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम पहुंचे। उन्होंने अभ्यर्थियों के बीच बैठकर उनका समर्थन किया। मीडिया से बातचीत में पीयूष मिश्रा ने कहा कि वे छात्रों के इंटरव्यू देखकर और उनकी आंखों में दर्द देखकर यहां आए हैं। इस दौरान उन्होंने अपनी फिल्म 'गुलाल' का प्रसिद्ध गाना 'आरंभ है प्रचंड' भी गाया, जिससे पूरे परिसर में उत्साह दिखाई दिया।

# कामयाबी के लिए अपनों को बदनाम करना गलत

### पत्नी सुनीता के अफेयर के आरोपों पर गोविंदा

गोविंदा ने पत्नी सुनीता आहूजा के उन आरोपों पर जवाब दिया है, जिनमें उन्होंने उनके कई अफेयर्स की बात कही थी। गोविंदा ने कहा कि सुनिता सार्वजनिक तौर पर उनके बारे में नकारात्मक बातें कर स्टारडम हासिल कर रही हैं। साथ ही एक्टर ने कहा कि क्या आपको कामयाबी के लिए दूसरों को बदनाम करना जरूरी है। सुनीता के कई लड़कियों से अफेयर के दावों पर गोविंदा ने कहा, "वह मुझे बहुत प्यार से गाली देती हैं और मैं उनके हाथ से खाता भी हूं। मुझे लगता है कि जो लोग जहां हैं और भगवान ने उन्हें जो भी भूमिका दी है, अगर वो वहां नहीं होते हम कामयाब नहीं हो सकते थे।"

गोविंदा ने इशारा किया कि उनके बारे में खुलकर बोलने के बाद सुनीता को स्टारडम मिला। उन्होंने कहा, "बहुत सी बातें ऐसी होती हैं, जो बयां नहीं की जातीं। क्या दूरी बनाने के लिए आरोप लगाने की जरूरत है क्या? लेकिन लोग मानते हैं कि ये निकलने का आसान रास्ता है।" उन्होंने सवाल किया, "कामयाबी के लिए अपने ही लोगों की बुराई जरूरी है क्या? यह थोड़ा आसान है। सुनीता तारीफ करती है फिर एक बुराई करती है। मुझे इसमें ज्यादा प्यार दिखाई देता है।"

सुनीता आहूजा हाल ही में 'लॉक अप 2' की कंटेस्टेंट बनी थीं। शो के दौरान उन्होंने गोविंदा के कथित अफेयर्स पर बात की थी। उन्होंने कहा था, "प्यार में आपको हर चीज सहन करने में सक्षम होना चाहिए। चीची (गोविंदा) के जवानी में कई अफेयर्स रहे हैं। तब मैंने नजरअंदाज किया था, लेकिन अब नहीं करूंगी।

सुनीता आहूजा कई मौकों पर गोविंदा पर एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर और धोखा देने के आरोप लगा चुकी हैं। अफेयर रूमर्स के बीच गोविंदा एक्ट्रेस कोमल रानी स्वर्णकर के साथ एयरपोर्ट पर स्पॉट किए गए हैं, जिनका नाम उनकी पत्नी सुनीता भी ले चुकी हैं। सुनीता ने कुछ समय पहले ही कहा था कि उन्हें कोमल नाम से नफरत है।

# कश्मीर में राजेश खन्ना ने तेज सप्रू को गालियां दी थी

### अगले दिन माफी मांगी, फिर दोनों रातभर बैठकर पीते रहे

एक्टर तेज सप्रू ने हाल ही में बताया कि राजेश खन्ना ने कश्मीर में फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्हें गालियां दी थीं। 'द रेडिफ' के पॉडकास्ट में तेज सप्रू ने बताया कि इस घटना से उनका दिल टूट गया था, क्योंकि वो राजेश खन्ना की बहुत इज्जत करते थे।

राजेश खन्ना की पर्सनैलिटी पर बात करते हुए तेज सप्रू ने कहा कि जब कोई शिखर पर होता है, तो कई बार उसके आसपास के लोग ही उसका दिमाग ज्यादा खराब कर देते हैं। हालांकि, राजेश खन्ना को लेकर उन्होंने यह भी कहा कि "इतने बड़े दिल वाला मैंने शायद ही किसी को देखा है। पॉडकास्ट में उन्होंने जम्मू-कश्मीर में अपनी एक फिल्म की शूटिंग के दौरान हुई घटना का जिक्र किया। सप्रू ने बताया, "एक बार हम साथ काम कर रहे थे। तभी अचानक पीछे से किसी की मुझे गालियां देते हुए आवाज सुनाई दी। मैंने मुड़कर देखा तो पाया कि वह काका जी (राजेश खन्ना) थे।" तेज सप्रू ने बताया कि जब राजेश खन्ना ने उन्हें गालियां दीं, तब वह एक एक्ट्रेस के साथ थे।

# अमृता खानविलकर ने तलाक की अफवाह पर कहा

एक्ट्रेस अमृता खानविलकर इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर उनके तलाक को लेकर तरह-तरह की बातें सामने आ रही हैं। कई न्यूज पोर्टल्स ने दावा किया गया है कि शादी के करीब 10 साल बाद अमृता अपने पति हिमांशु मल्होत्रा से अलग होने जा रही हैं। कुछ रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया कि दोनों काफी समय से अलग रह रहे हैं और जल्द ही कानूनी तौर पर भी अपने रास्ते अलग कर सकते हैं। इमरान हाशमी के साथ काम कर चुकीं अमृता खानविलकर अब इन अफवाहों से परेशान हो गई हैं। एक्ट्रेस ने ऐसी खबरें फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की बात कही है। अमृता की लीगल टीम ने 10 अगस्त 2026 को सोशल मीडिया पर एक ऑफिशियल बयान जारी कर इन खबरों पर कड़ा रुख अपनाया।

# व्यक्तित्व अधिकार मामले में तब्बू को हाई कोर्ट से राहत

बॉलीवुड स्टार तब्बू की तस्वीरें, वीडियो, आवाज या व्यक्तित्व अधिकारों से जुड़े अन्य प्रतीकों का इस्तेमाल उनकी अनुमति के बिना नहीं किया जा सकेगा। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक्ट्रेस को पर्सनैलिटी राइट मामले में बड़ी राहत दी है। उन्होंने तब्बू के नाम, तस्वीर, आवाज, फोटोग्राफ और व्यक्तित्व से जुड़ी अन्य चीजों को अनधिकृत इस्तेमाल से बचाने के लिए एकतरफा अंतरिम रोक का आदेश दिया।

दिल्ली हाई कोर्ट ने एक्ट्रेस तब्बू की पहचान के गलत इस्तेमाल पर रोक लगाई है। साथ ही गूगल, मेटा, एक्स और रेडिट समेत कई प्लेटफॉर्म को एआई से बने कंटेंट वाले 150 से ज्यादा यूआरएल हटाने का आदेश दिया है।

हाइकोर्ट का आदेश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डीपफेक, फेस मॉर्फिंग और दूसरी डिजिटल टेक्नोलॉजी के जरिए होने वाले अनधिकृत इस्तेमाल पर भी लागू होगा। अभिनेत्री की याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस ज्योति सिंह ने कई बड़े डिजिटल प्लेटफॉर्म को निर्देश दिया है कि वे उन कंटेंट को हटा दें या उन तक पहुंच बंद कर दें, जिनमें तब्बू से जुड़ा अनधिकृत और आपत्तिजनक कंटेंट होने का आरोप है।

# ए.आर. रहमान के बेटे आमीन का हुआ कार एक्सीडेंट

### प्राइवेट अस्पताल में करवाया इलाज; सुबह 3.30 हुआ था एक्सीडेंट

ए.आर. आमीन, म्यूजिक कंपोजर ए.आर. रहमान के बेटे हैं। वे एक सिंगर और परफॉर्मर हैं, जो कई म्यूजिक प्रोजेक्ट्स में काम कर चुके हैं और अपने पिता ए.आर. रहमान के साथ कई कॉन्सर्ट्स में भी नजर आ चुके हैं। अब उनसे जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है।

पुलिस के अनुसार, यह हादसा सुबह करीब 3:30 बजे हुआ, जब आमीन अपने एक दोस्त के साथ कार में गुइंडी की ओर जा रहे थे।

जैसे ही उनकी गाड़ी ओलंपिया टेक पार्क के पास पहुंची, तभी एक कैब साइड रोड से अचानक मैन सड़क पर आ गई, जिससे दोनों वाहनों के बीच टक्कर हो गई। इस हादसे में अमीन और उनके दोस्त को हल्की चोटें आईं। दोनों को तुरंत एक प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज किया गया। इलाज के बाद दोनों को डिस्चार्ज कर दिया गया और वे घर लौट गए। कैब में सवार एक यात्री भी इस दुर्घटना में घायल हुआ था, जिसे इलाज के लिए कलाईनार सेंटेनरी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल ले जाया गया। उसे भी इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस का कहना है कि इस हादसे में किसी को भी गंभीर चोट नहीं आई है, हालांकि दोनों गाड़ियों को नुकसान जरूर हुआ है।

# फैटी लिवर, डेंगू और डायबिटीज में कैसे करें गिलोय का सेवन

## इसके आयुर्वेदिक फायदे

गिलोय घर में आसानी से उग जाने वाला आयुर्वेदिक पौधा है, जिसका इस्तेमाल कई बीमारियों में किया जाता है। गिलोय का जूस, पाउडर या एक्सट्रैक्ट का सेवन करने से शरीर में होने वाली कई समस्याएं दूर होती हैं। आइये जानते हैं गिलोय के फायदे और अलग-अलग बीमारियों में कब और कैसे इसका सेवन करें।

गिलोय (टिनोस्पोरा कॉर्डिफोलिया) एक बेल वाला पौधा होता है जो आमतौर पर जंगलों और झाड़ियों में पाया जाता है। गिलोय का इस्तेमाल लंबे समय से आयुर्वेदिक दवाओं में किया जाता रहा है। कोरोना में गिलोय के फायदे जानने के बाद आम लोगों ने भी इसे अपने घरों में लगाना शुरू कर दिया। गिलोय आसानी से उगने और लंबा होने वाला पौधा है। आप घर में भी इसकी बेल लगा सकते हैं। आइये जानते हैं गिलोय का इस्तेमाल किन बीमारियों को ठीक करने में किया जाता है।

### गिलोय के पत्तों की पहचान कैसे करें?

गिलोय के पत्ते पान और मनी प्लांट के पत्तों से बड़े होते हैं। गिलोय की पहचान करना आसान है। इसकी पत्तियां पान के पत्तों जैसी होती हैं और इनका रंग गहरा हरा होता है। आप गिलोय को अपने घरों में सजावट के लिए भी इस्तेमाल कर सकते हैं। गिलोय को आयुर्वेद में गुडूची और अमृता जैसे नामों से भी जाना जाता है। आयुर्वेद के अनुसार, गिलोय की बेल जिस पेड़ पर चढ़ती है, उसके गुण भी उसमें आ जाते हैं। इसलिए नीम के पेड़ पर चढ़ने वाली गिलोय की बेल को दवा के लिहाज से सबसे अच्छा माना जाता है। इसे नीम गिलोय के नाम से जाना जाता है।

### आयुर्वेद के अनुसार जाने गिलोय के औषधीय गुण

आयुर्वेद में गिलोय की पत्तियों, जड़ और तना सभी को सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। लेकिन बीमारियों के इलाज में सबसे ज़्यादा इसके तने का इस्तेमाल किया जाता है। गिलोय में भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। गिलोय में सूजन कम करने वाले एंटी-इंफ्लेमेटरी पाए जाते हैं और ये कैंसर-रोधी गुणों से भरपूर हैं। गिलोय का इस्तेमाल बुखार, पीलिया, गठिया, डायबिटीज, कब्ज, एसिडिटी, अपच और यूरिन से जुड़ी समस्याओं में राहत देने के लिए किया जाता है। बहुत कम औषधीय पौधे ऐसे हैं जो शरीर के तीनों दोषों वात, पित्त और कफ को संतुलित कर सकते हैं। गिलोय उनमें से एक है। गिलोय में टॉक्सिन्स को बाहर निकालने वाले गुण पाए जाते हैं जो इन हानिकारक टॉक्सिन्स से होने वाली बीमारियों को ठीक करने में असरदार भूमिका निभाते हैं।

### गिलोय का सेवन करने का सही तरीका

आमतौर पर गिलोय का सेवन तीन तरीकों से किया जा सकता है।

गिलोय सत्व गिलोय का रस

गिलोय चूर्ण गिलोय के फायदे

**अपच-** गिलोय का काढ़ा पेट की कई बीमारियों को दूर रखने में मदद करता है। इसलिए कब्ज और अपच से राहत पाने के लिए रोज गिलोय का सेवन करें। इसके लिए रात में सोने से पहले आधे से एक चम्मच गिलोय पाउडर को गुनगुने पानी के साथ लें।

**डायबिटीज-** जानकारों के अनुसार, गिलोय हाइपोग्लाइसेमिक एजेंट के तौर पर काम करता है और टाइप-2 डायबिटीज को कंट्रोल करने में असरदार भूमिका निभाता है। गिलोय का जूस बढ़े हुए ब्लड शुगर लेवल को कम करता है, इंसुलिन के बनने को बढ़ाता है और इंसुलिन रेजिस्टेंस को कम करता है। इसके लिए आप एक कप पानी में दो से तीन चम्मच गिलोय का जूस मिलाकर सुबह खाली पेट पी लें। आप आधा चम्मच गिलोय पाउडर पानी के साथ दिन में दो बार ले सकते हैं। लेकिन इसे खाना खाने के एक से डेढ़ घंटे बाद लेना चाहिए।

**डेंगू-** गिलोय के बुखार कम करने वाले गुण तेज़ी से बुखार घटाने में मदद करते हैं। यह इम्यूनिटी बढ़ाने का काम करता है, जिससे बीमारी से तेज़ी से ठीक होने में मदद मिलती है। इसके लिए 1 कप पानी में दो से तीन चम्मच गिलोय का रस मिलाएं और इसे दिन में दो बार पिएं। आपको इसे खाने से करीब एक से डेढ़ घंटे पहले लेना चाहिए।

**एनीमिया-** शरीर में खून की कमी से कई तरह की बीमारियों का कारण बनती हैं। खासतौर से महिलाओं में एनीमिया की बड़ी समस्या होती है। महिलाओं को इसके लिए गिलोय का जूस बहुत फायदेमंद साबित होता है। गिलोय का जूस पीने से खून की कमी दूर होती है और इम्यून सिस्टम मज़बूत होता है। इसके लिए दो से तीन चम्मच गिलोय का जूस शहद या पानी के साथ मिलाकर, दिन में दो बार खाने से पहले लें।

**लिवर के लिए फायदेमंद-** गिलोय सत्व का सेवन लिवर के लिए टॉनिक का काम करता है। यह खून को साफ करता है और एंटीऑक्सीडेंट एंजाइम के लेवल को बढ़ाता है। इससे लिवर पर काम का बोझ कम होता है और वह स्वस्थ रहता है।

# वजन घटाने के लिए न डाइटिंग जरूरी न ही महंगी दवाएं वैज्ञानिकों ने बताया इसका सबसे कारगर फॉर्मूला

बढ़ता वजन और मोटापा, मौजूदा समय की सबसे गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी उम्र के लोग इसका शिकार देखे जा रहे हैं। वजन बढ़ने के साथ शरीर में कई तरह की बीमारियों का जोखिम भी बढ़ जाता है। इसे हृदय रोग, डायबिटीज से लेकर कई तरह के कैंसर का प्रमुख कारण माना जाता रहा है।

मोटापा को लेकर लोगों में अब जागरूकता बढ़ रही है। लोग वेट लॉस के लिए तरह-तरह के उपाय कर रहे हैं। विशेषज्ञ कहते हैं, क्या हो अगर वजन घटाने का तरीका आपकी रसोई में ही मौजूद हो, जो महंगी दवाओं के बिना तेजी से वजन कम करने में मदद कर सकता है?

### वीगन डाइट, वेट लॉस की दवाओं से ज्यादा असरदार

अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि ये खास डाइट सेहत के लिए पहले से ही काफी फायदेमंद मानी जाती रही है, इससे वेट लॉस में भी मदद मिल सकती है। शोध में वैज्ञानिकों ने वीगन डाइट की तुलना सेमाग्लूटाइड से की, जिसमें पाया गया कि ये डाइट ज्यादा असरदार हो सकती है। सेमाग्लूटाइड वह प्रमुख दवा घटक है जिसका इस्तेमाल ओजेम्पिक और वेगोवी जैसी चर्चित वजन घटाने वाली दवाओं में होता है।

अलग-अलग परीक्षणों में सेमाग्लूटाइड लेने वाले लोगों ने करीब नौ महीने में औसतन 6.9 किलो वजन कम किया। जबकि वीगन डाइट से मात्र चार महीने में ही 6 किलो तक वजन कम करने में मदद मिली।

अब सवाल सिर्फ यह नहीं है कि वजन तेजी से किससे घटता है, बल्कि यह भी है कि कौन-सा तरीका लंबे समय तक सुरक्षित और टिकाऊ है?

गौरतलब है कि दुनियाभर में बड़ी संख्या में लोग वजन घटाने वाले इंजेक्श ले रहे हैं। उन पर हुए कई अध्ययनों से पता चलता है कि इनसे वजन धीरे-धीरे कम होता है। कई मरीजों का वजन सात महीने में औसतन सिर्फ 10 पाउंड (4.5 किलो) कम हुआ।

### अध्ययन में क्या पता चला?

जामा नेटवर्क जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन में अधिक वजन वाले 224 वयस्कों को शामिल किया गया, जिनमें ज्यादातर महिलाएं थीं जिनकी औसत उम्र 54 साल थी। उन्हें दो ग्रुप में बांटा गया। आधे मरीजों ने प्लांट-बेस्ड डाइट अपनाई, जबकि बाकी लोगों ने अपनी पुरानी खान-पान की आदतें जारी रखीं। वीगन डाइट अपनाने वाले लोग अपनी पसंद के हिसाब से फल, सब्जियां, अनाज खा सकते थे

16 हफ्तों तक प्लांट-बेस्ड डाइट लेने के बाद प्रतिभागियों के खानपान में बड़ा बदलाव देखा गया। उनके भोजन में सब्जियों-फलों और बीन्स की मात्रा बढ़ गई।जब वैज्ञानिकों ने इस डाइट के असर का आकलन किया तो पाया कि सिर्फ 16 हफ्तों में प्रतिभागियों ने लगभग 6 किलो वजन कम किया।

### क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

शोधकर्ताओं ने बताया, प्लांट-बेस्ड खाद्य पदार्थों में आमतौर पर पानी और फाइबर ज्यादा जबकि फैट की मात्रा कम होती है। इसलिए प्लेट में भोजन की मात्रा कम किए बिना भी लो कैलोरी ही रहती है।

वीगन डाइट का असर केवल वजन तक सीमित नहीं रहा। अध्ययन में यह भी पाया गया कि इस डाइट को अपनाने वाले लोगों में ब्लड शुगर ज्यादा स्थिर रहा। इसके अलावा उनके लिवर और मांसपेशियों में जमा फैट कम हुआ। हालांकि वैज्ञानिकों ने माना कि इस अध्ययन की कुछ सीमाएं हैं। अध्ययन में शामिल लोग अपनी इच्छा से रिसर्च में शामिल हुए थे। इसलिए जरूरी नहीं कि उनके नतीजे पूरी आबादी पर उसी तरह लागू हों।

### वीगन डाइट के हो सकते हैं साइड-इफेक्ट्स

इसके अलावा विशेषज्ञों का कहना है कि वीगन डाइट को पूरी तरह हेल्दी भी नहीं माना जा सकती है। इससे सबसे बड़ी चिंता विटामिन बी12 की कमी को लेकर रहती है। फलों, सब्जियों और अनाज जैसे सामान्य प्लांट-बेस्ड खाद्य पदार्थों में प्राकृतिक रूप से बी12 की पर्याप्त मात्रा नहीं होती।

इसलिए वजन कम करने के लिए वीगन डाइट अपनाने से पहले सिर्फ यह देखना पर्याप्त नहीं है कि इससे कितने किलो वजन कम हो सकता है। यह भी देखना जरूरी है कि शरीर को सभी जरूरी पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में मिल रहे हैं या नहीं?

# डायबिटीज के मरीजों को किन दालों का सेवन करना चाहिए, जिससे नहीं बढ़ेगा ब्लड शुगर लेवल

डायबिटीज आज के समय में दुनिया की सबसे तेजी से फैलने वाली बीमारियों में से एक है। खराब लाइफस्टाइल, असंतुलित खान-पान, शारीरिक गतिविधियों की कमी और मानसिक तनाव के कारण यह बीमारी हर उम्र के लोगों को अपनी चपेट में ले रही है। भारत में डायबिटीज के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ते जा रही है।

डायबिटीज के मरीजों को अपने खान-पान का खास ध्यान रखने की सलाह दी जाती है। इस बीमारी में ऐसी चीजों का सेवन करना चाहिए जिसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स काफी कम होता है। ऐसे में आपने कई डायबिटीज के मरीजों को दाल रोटी खाते देखा होगा। लेकिन क्या आपको मालूम है कि डायबिटीज में कौन सी दाल खानी चाहिए। अगर नहीं तो डॉक्टर सलीम से जान लें कि मधुमेह के मरीजों को कौन सी दाल खानी चाहिए।

### मूंग दाल

मूंग दाल विशेषकर हरी छिलके वाली मूंग डायबिटीज के मरीजों के लिए सबसे फायदेमंद मानी जाती है। इसका GI काफी कम होता है, जिससे यह खून में धीरे-धीरे ग्लूकोज रिलीज करती है। यह पचने में हल्की होती है और पेट को दुरुस्त रखती है। हरी मूंग दाल का सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल लेवल कम होता है। नियमित सेवन से हार्ट से जुड़ी समस्याओं का खतरा कम होता है।

### चने की दाल

चना दाल में कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट्स और हाई फाइबर होता है। इसका हाई फाइबर कंटेंट पाचन क्रिया को धीमा करता है, जिससे खाने के बाद अचानक ब्लड शुगर नहीं बढ़ता। डॉक्टर सलीम के मुताबिक, चने की दाल का नियमित और नियंत्रित सेवन शरीर में इंसुलिन की संवेदनशीलता को सुधारता है।

### मसूर की दाल

लाल या काली मसूर दाल में भरपूर मात्रा में डाइटरी फाइबर और फ्लेवोनोइड्स पाए जाते हैं। डायबिटीज के साथ-साथ यह दिल की सेहत को बनाए रखने में भी मदद करती है। यह शरीर को बिना ब्लड शुगर बढ़ाए लंबे समय तक एनर्जेटिक रखती है।

### उड़द और अरहर दाल

उड़द और अरहर दाल भी खाई जा सकती है, लेकिन इन्हें बनाते समय ज्यादा तेल या तड़के से बचना चाहिए। उड़द की दाल में मैग्नीशियम और पोटेशियम भरपूर होता है, जो शुगर कंट्रोल में सहायक है।

# डायबिटिक फुट के घाव को मामूली ड्रेसिंग समझना पड़ सकता है भारी

डायबिटीज के मरीजों के पैरों में छोटा सा छाला, जूते की रगड़ या त्वचा में हल्की सी दरार भी सामान्य घाव नहीं मानी जानी चाहिए। लंबे समय तक ब्लड शुगर बढ़ी रहने से पैरों की नसों को नुकसान हो सकता है। इस स्थिति में दर्द, गर्मी, ठंड या चोट का एहसास कम होने लगता है। इसलिए घाव धीरे-धीरे बढ़ता रहता है, लेकिन मरीज को ज्यादा दर्द महसूस नहीं होता।

### डायबिटीज के मरीजों में घाव जल्दी क्यों नहीं भरता?

डायबिटीज पैरों में खून के बहाव को भी कम कर सकती है। जब घाव तक सही मात्रा में खून नहीं पहुंचता, तो ऑक्सीजन, पोषण और शरीर की बीमारी से लड़ने वाले तत्व भी कम पहुंच पाते हैं। इसी वजह से डायबिटीज के मरीजों में घाव जल्दी नहीं भरता और उसमें संक्रमण तेजी से फैल सकता है। ऐसे मामलों में केवल रोज ड्रेसिंग करवाना काफी नहीं होता।

### जांच से पता चलता है घाव है कितना गहरा?

डॉक्टर घाव का आकार देखने के साथ यह भी जांचते हैं कि वह कितना गहरा है, उसमें मवाद है या नहीं, बदबू आ रही है या नहीं, आसपास सूजन या लालपन है या नहीं, पैर में खून का बहाव कैसा है और एहसास ठीक है या नहीं। कई बार संक्रमण त्वचा और मांसपेशियों से आगे बढ़कर हड्डी तक पहुंच सकता है। ऐसी स्थिति में खून की जांच, एक्स-रे, एमआरआई या घाव से सैंपल लेकर जांच की जा सकती है।

इलाज में घाव के मृत या खराब हिस्से को हटाना, घाव पर पड़ने वाला दबाव कम करना, ब्लड शुगर को नियंत्रण में रखना और पैर में सही मात्रा में खून का बहाव बनाए रखना जरूरी होता है। अगर संक्रमण है, तो उसकी गंभीरता के अनुसार एंटीबायोटिक दवाएं दी जाती हैं। कुछ मामलों में, जब पैर में खून का बहाव बहुत कम हो जाता है, तब खून की नसों के विशेषज्ञ की सलाह और एंजियोप्लास्टी जैसी प्रक्रिया की जरूरत पड़ सकती है।

### कब हो जाना चाहिए सावधान?

अगर घाव के आसपास सूजन बढ़ रही हो, मवाद या बदबू आ रही हो, त्वचा काली पड़ने लगे, बुखार आए, घाव गहरा होता जाए या ब्लड शुगर अचानक बढ़ जाए, तो इसे गंभीर चेतावनी माना जाना चाहिए। ऐसे समय में घरेलू नुस्खों, खुद से दवा लेने या केवल ड्रेसिंग के भरोसे रहना नुकसानदायक हो सकता है।

# टाइप टू डायबिटीज जीवन शैली में सुधार लाकर मर्ज पर काबू करें

**प्रश्न : मेरी उम्र 25 वर्ष है। मुझे टाइप टू डायबिटीज है। मेरी शादी होने वाली है। मुझे किन बातों का ध्यान रखना होगा, कृपा कर बताएं।**

- के प्रकाश रेड्डी, निजामाबाद

उत्तर : टाइप टू डायबिटीज काफी हद तक जीवनशैली में सुधार कर काबू में लाई जा सकती है। हर रोज सुबह व्यायाम करें। प्रातः पैदल घूमने -फिरने की आदत डालें। खानपान में शक्कर, गुड़, मिठाइयां, तले पदार्थ और मीठे फल पर रोक लगाएं। मधुमेह नियंत्रण के लिए ऊंझा जांब्रोस टिकिया एवं ऊंझा चंद्रप्रभा वटी को दिन में तीन बार भोजन के बाद लेवें। यदि वजन बढ़ा हुआ है तब भोजन के पहले ऊंझा मेदोहर वटी गर्म पानी से लेवें। अपना वजन कम करें। रक्त शर्करा की समय-समय पर जांच करवाएं। हमेशा गरिष्ठ भोजन से बचें। भरपेट भोजन ना करें। करेला, भिंडी, शिमला मिर्च, गवार फली, व मेथी के सभी भेद एवं सभी क्षारीय सब्जियों का प्रयोग करें। कंदमूल ना खाएं। केवल चावल का प्रयोग ना करें। खाना ही हो तो ब्राउन राइस, ब्लैक राइस या अनपॉलिश्ड राइस ले सकते हैं। चिंता, तनाव व क्रोध से बचें। चिंता बढ़ने पर मधुमेह बढ़ जाता है। दवाएं बेअसर होने लगती है। इसी कारण स्ट्रेसफुल लाइफ त्यागे। हमेशा जिंदा दिल और खुशमिजाज रहे। हां- शादी अवश्य करें।

**प्रश्न : मैं लंबे समय से सिर दर्द से परेशान हूं। कृपा कर आयुर्वेदिक चिकित्सा बताएं।**

- जगन्नाथ राव, वारंगल

उत्तर : वात, पित्त, कफ व रक्तदोष की दुष्टि होने पर शिरशूल यानी सिर दर्द होता है। यह क्षय और कृमि रोग में एक लक्षण के रूप में होता है।

1 ग्राम गोदंती भस्म को 4 से 6 ग्राम शहद में मिलाकर दिन में तीन बार चाटने से बहुत आराम मिलता है। ऊंझा शिरशूलादि वज्र रस टिकिया, ऊंझा सूतशेखर रस को पथ्यादि काढ़ा के साथ सुबह-शाम लेने से भयंकर से भयंकर सिर दर्द दूर हो जाता है। दही, पनीर, चॉकलेट, ठंडे पेय पदार्थ, आइसक्रीम, कुल्फी, फ्रिज के ठंडे पानी आदि का हमेशा परहेज करें। यह ध्यान रखें कि कौन से खाद्य पदार्थ व कैसी स्थितियां सिर दर्द को बढ़ा रही है। भविष्य में ऐसे व्यंजनों व स्थितियों से दूर रहा करें।

**प्रश्न : मेरी उम्र 26 वर्ष है। लगता है मैं नपुंसकता का रोगी हूं। शिश्न में उत्थान नहीं होता और ना ही सेक्स की इच्छा होती है। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं।**

- क ख ग, हैदराबाद

उत्तर : जीवन में चिंता, संभोग के समय एकांत की कमी, मधुमेह रोग, हस्तमैथुन, संभोग के समय डर, वीर्य में स्पर्म का अभाव नपुंसकता को उत्पन्न करते हैं।

**आयुर्वेद में इसका इलाज है।**

**घरेलू चिकित्सा में :** उड़द की दाल के लड्डू प्रतिदिन खाकर अनुपान में दूध पीने से वीर्य बढ़ता है। नागौरी असगंध व विधारा दोनों 250 ग्राम लेकर चूर्ण बना ले, इसे सुबह शाम दो-दो चम्मच देसी घी में मिलाकर खाएं एवं अनुपान में गाय का दूध पिएं। अवश्य लाभ होगा। ऊंझा एक्टिविट कैप्सूल, ऊंझा मन्मथाभ्र रस टिकियां एवं औरा अश्वगंधा घनवटी को सुबह-शाम गाय के दूध के साथ लेने पर नपुंसकता दूर होती है।

ऊंझा वसंत कुसुमाकर रस, ऊंझा पूर्ण चंद्र रस को वाजीटोन के संग लेने से नपुंसकता दूर होती है। भोजन के बाद ग्रेप्सविन, ऊंझा अश्वगंधारिष्ट एवं उंझा सारस्वतारिष्ट लेने से पाचन सुचारू होकर चिंता, उद्वेग, व्यग्रता दूर होकर शरीर पुष्ट होता है और नपुंसकता दूर होती है।

**डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा**

email :
purushottambidada@gmail.com

**आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।**

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

# सुबह की पहली गलती पड़ सकती है भारी, खाली पेट इन चीजों से रहें दूर वरना बढ़ सकती है मुश्किल

सुबह उठने के बाद आप किस तरह की चीजें खाते-पीते हैं, इसका असर हमारी पूरी दिनचर्या पर पड़ता है। कुछ लोगों को आंख खुलते ही चाय या कॉफी चाहिए होती है तो कुछ लोग खाली पेट फल, ड्राई फ्रूट्स या कोई हेल्दी ड्रिंक लेना पसंद करते हैं। कई लोग रात के खाने और सुबह के नाश्ते के बीच लंबा अंतर होने के कारण सुबह उठते ही कुछ भी खाने-पीने से पहले यह सोचते हैं कि आखिर खाली पेट क्या लेना शरीर के लिए बेहतर है?

अगर आपके मन में इस सवाल को लेकर कंफ्यूजन है कि सुबह सबसे पहले क्या खाना चाहिए और क्या नहीं तो आप अकेले नहीं हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, रात में कई घंटे बिना भोजन के रहने के बाद सुबह शरीर को पानी और पोषक तत्वों की जरूरत होती है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि सुबह खाली पेट खाई गई हर हेल्दी चीज हर व्यक्ति के लिए फायदेमंद होगी। इसलिए अपने सेहत और शरीर की स्थिति के आधार पर खान-पान का चयन करना चाहिए।

### सुबह का भोजन सबसे जरूरी

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, पूरे दिन का सबसे महत्वपूर्ण आहार सुबह का नाश्ता है। इसमें फाइबर, प्रोटीन, साबुत अनाज और अन्य पोषक तत्वों को शामिल करना लंबे समय तक पेट भरा रखने में मदद कर सकता है। ओट्स और दलिया जैसे साबुत अनाज फाइबर के अच्छे स्रोत हैं। फाइबर पाचन स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है और भोजन के बाद ब्लड शुगर के बढ़ने की गति को कम कर सकता है।

फल भी सुबह के भोजन का हिस्सा हो सकते हैं। सेब और पपीते जैसे फल फाइबर तथा अन्य पोषक तत्व देते हैं।

इसी तरह भीगे बादाम खाने की सलाह भी काफी लोकप्रिय है। बादाम में स्वस्थ वसा, प्रोटीन, फाइबर, विटामिन ई और कई अन्य पोषक तत्व पाए जाते हैं।

आइए कुछ प्वाइंट्स में समझ लेते हैं कि सुबह किन चीजों को खाना-पीना सही है और किन चीजों से परहेज करना चाहिए?

रातभर करीब 8-10 घंटे खाली पेट रहने के बाद सुबह पर्याप्त मात्रा में पानी पीना शरीर को हाइड्रेट करने के लिए सबसे जरूरी है। सुबह गुनगुना पानी पीना फायदेमंद माना जाता है।

सुबह भीगे बादाम खाना अच्छा है। बादाम में विटामिन ई, मैग्नीशियम, फाइबर, प्रोटीन और असंतृप्त वसा पाए जाते हैं। बादाम में मौजूद अनसेचुरेटेड फैट और फाइबर हृदय से लेकर ब्रेन हेल्थ के लिए अच्छा माने जाते हैं।

पपीता और सेब फाइबर के अच्छे स्रोत हैं जिन्हें आप सुबह के नाश्ते में शामिल कर सकते हैं। फाइबर मल त्याग को नियमित रखने और पाचन स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में मदद करता है। फलों में विटामिन, मिनरल भी पाए जाते हैं।

ओट्स और साबुत अनाज से बने दलिया में फाइबर होता है। ओट्स में मौजूद बीटा ग्लूकेन घुलनशील फाइबर है, जो बैड कोलेस्ट्रॉल कम करने में मदद करता है।

**खाली पेट चाय-**कॉफी पीने से बचना चाहिए। चाय और कॉफी में कैफीन होता है। कुछ लोगों में कैफीन पेट की परेशानी, हार्ट बर्न या एसिड रिफ्लक्स के लक्षणों को बढ़ा सकता है। सुबह के समय बहुत तला और मसालेदार भोजन लेने की बजाय हल्का, संतुलित भोजन पेट के लिए ज्यादा लाभकारी होता है। सुबह खाली पेट मिठाई, मीठे पेय लेने से बचना चाहिए। इससे ब्लड ग्लूकोज तेजी से बढ़ता है और लंबे समय में डायबिटीज की समस्या हो सकती है।

# मस्क मालामाल पर दुनिया तंगहाल

## ऑक्सफैम के अनुसार 1% अमीरों की संपत्ति 34 लाख करोड़ डॉलर बढ़ी

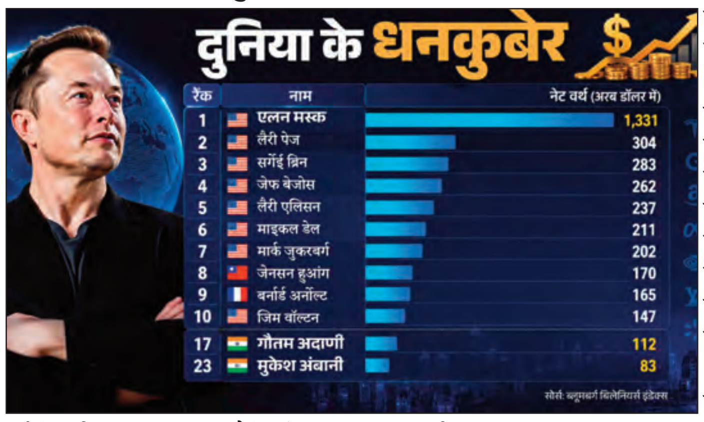


नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। एलन मस्क की संपत्ति 1.11 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचने के बीच दुनिया में आर्थिक असमानता का फासला भी बढ़ता जा रहा है। ऑक्सफैम के मुताबिक 2015 से 2025 के बीच दुनिया के सबसे अमीर 1% लोगों की संपत्ति 34 लाख करोड़ डॉलर से अधिक बढ़ी, लेकिन अत्यधिक गरीब लोगों की संख्या अपेक्षित गति से नहीं घटी। इसी अंतर के बीच अर्थशास्त्रियों, विशेषज्ञों ने द रोडमैप फॉर इरैडिकेटिंग पॉवर्टी बियॉन्ड ग्रोथ तैयार कर मौजूदा विकास मॉडल पर सवाल उठाया है।

फोर्ब्स के अनुसार जनवरी 2020 में मस्क की संपत्ति करीब 28 अरब डॉलर थी और वह दुनिया के 35वें सबसे अमीर व्यक्ति थे। इसके बाद उनकी संपत्ति में अभूतपूर्व तेजी आई और यह 1.11 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच गई।ऑक्सफैम का कहना है कि मस्क की अकेले की संपत्ति दुनिया की सबसे गरीब 46 प्रतिशत आबादी यानी करीब 3.8 अरब लोगों की कुल संपत्ति से भी अधिक है। 2025 में दुनिया में अरबपतियों की संख्या भी 3,000 के पार पहुंच गई। दूसरी तरफ गरीबी और सार्वजनिक सेवाओं का संकट बना हुआ है। संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन यानी यूएनसीटीएडी के अनुसार दुनिया में 3.4 अरब लोग ऐसे देशों में रहते हैं, जहां सरकारें स्वास्थ्य व शिक्षा पर जितना खर्च करती हैं, उससे अधिक कर्ज का ब्याज चुकाने में खर्च करती हैं। अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या 1990 के बाद भी अपेक्षित गति से नहीं घटी है। यह स्थिति उस धारणा पर सवाल खड़ा करती है कि आर्थिक वृद्धि का लाभ समय के साथ समाज के सभी वर्गों तक स्वतः पहुंच जाएगा।

# अनिल अग्रवाल का शेयर 15% उछला

## क्रिसिल ने अपग्रेड कर दी रेटिंग, क्या आपके पास हैं शेयर?

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। दिग्गज कारोबारी अनिल अग्रवाल की कंपनी वेदांता ऑयल एंड गैस के शेयरों में आज भारी तेजी आई। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच इस कंपनी का शेयर 15 फीसदी चढ़ गया। बीएसई पर यह 15 फीसदी की तेजी के साथ 40.38 रुपये पर पहुंचा। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप 15,600 करोड़ रुपये पहुंच गया। जुलाई के आखिरी हफ्ते में कंपनी ने पहली तिमाही के नतीजे घोषित किए थे। इस दौरान कंपनी का नेट प्रॉफिट 945 करोड़ रुपये रहा लेकिन उसके बावजूद कंपनी के शेयरों में गिरावट आ रही थी। वेदांता ऑयल एंड गैस का शेयर बीएसई पर पिछले सत्र में 34.95 रुपये पर बंद हुआ था और आज यह इसी रेट पर फ्लैट खुला। लेकिन फिर इसमें 15 फीसदी के करीब तेजी आई। कारोबार के दौरान यह 34.42 रुपये तक नीचे और 40.38 रुपये तक हाई गया। जुलाई में क्रिसिल ने वेदांता ऑयल एंड गैस लिमिटेड की लॉन्ग-टर्म रेटिंग को ए+/वाच डेवलपिंग से अपग्रेड करके एए+/स्टेबल कर दिया।

**कंपनी का प्रदर्शन**

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि यह अपग्रेड डीमर्जर के हिस्से के तौर पर वेदांता के ऑयल एंड गैस अंडरटेकिंग के कंपनी को ट्रांसफर होने के बाद एक मजबूत बिजनेस और फाइनेंशियल रिस्क प्रोफाइल को दिखाता है। यह कंपनी भारत की सबसे बड़ी प्राइवेट सेक्टर की तेल और गैस प्रोड्यूसर में से एक है। इसके पास 44 ब्लॉक हैं जो 47,000 स्क्वायर किलोमीटर में फैले हैं। वेदांता ऑयल एंड गैस ने फिस्कल ईयर 2026 में लगभग 87 किलो बैरल ऑयल इक्विवेलेंट पर डे प्रोड्यूस किया। पहली तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 945 करोड़ रुपये था। पिछले साल समान तिमाही में कंपनी को 104 करोड़ का घाटा हुआ था जबकि मार्च तिमाही में यह घाटा बढ़कर 479 करोड़ रुपये पहुंच गया था। ऑपरेशन से रेवेन्यू पिछले फाइनेंशियल ईयर की इसी तिमाही के 2,311 करोड़ रुपये से लगभग 8.5% बढ़कर रुपये 2,507 करोड़ हो गया।

# तेजी और गिरावट के बीच झूलता रहा शेयर बाजार, सेंसेक्स 43 अंक चढ़ा

मुंबई, 10 अगस्त (एजेंसियां)। कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच घरेलू शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सोमवार को मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 43 अंक से अधिक चढ़ा, जबकि निफ्टी लगभग सपाट रहा। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 43.27 अंक यानी 0.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 78,542.44 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 78,676.98 के उच्चतम और 78,298.92 के निचले स्तर तक गया। इस दौरान सेंसेक्स में 378.06 अंकों का उतार-चढ़ाव रहा। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 13.15 अंक यानी 0.05 प्रतिशत बढ़कर 24,583.80 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टाइटन, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील, एशियन पेंट्स और इंफोसिस प्रमुख बढ़त वाले शेयर रहे। वहीं, भारतीय स्टेट बैंक, एटरनल, एनटीपीसी, आईटीसी और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के शेयरों में गिरावट रही। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमत 1.10 प्रतिशत बढ़कर 84.47 डॉलर प्रति बैरल हो गई।

**शेयर बाजार पर पड़ा किस बात का असर?**

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के रिसर्च प्रमुख विनोद नायर ने कहा, होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर जारी अनिश्चितता से बाजार में जोखिम लेने की क्षमता प्रभावित हुई। हालांकि, कंपनियों के उत्साहजनक नतीजों से बाजार की धारणा को समर्थन मिला।उन्होंने कहा कि उम्मीद से कमजोर अमेरिकी रोजगार आंकड़ों ने फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में सख्ती की संभावना को कमजोर किया है। अब निवेशकों की नजर अमेरिका के आगामी महंगाई के आंकड़ों पर है, जो ब्याज दरों और बॉन्ड यील्ड की दिशा को लेकर संकेत दे सकते हैं। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 480.24 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे।

**महंगाई के आंकड़ों से बदलेगी शेयर बाजार की चाल**

एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा, भारतीय शेयर बाजार सोमवार को लगभग अपरिवर्तित बंद हुए। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और मध्य पूर्व के घटनाक्रम को लेकर बनी अनिश्चितता ने उम्मीद से कमजोर अमेरिकी रोजगार आंकड़ों से मिली सकारात्मक धारणा को कमजोर किया। इन आंकड़ों से फेडरल रिजर्व की कम सख्त मौद्रिक नीति की उम्मीद मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका में इस सप्ताह महंगाई के अहम आंकड़े जारी होने हैं।

# सोने की कीमत 1,440 बढ़कर 1.51 लाख हुई

## 10 दिन में 8 हजार दाम बढ़ चुके, चांदी आज 1,909 बढ़कर 2.33 लाख पर पहुंची

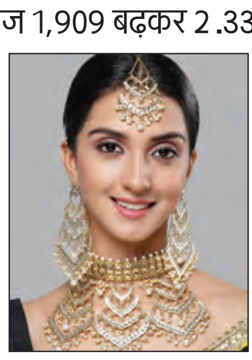

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमत में आज यानी 10 अगस्त को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,440 रुपए बढ़कर 1.51 लाख रुपए पर पहुंच गया है। एक किलो चांदी की कीमत 1,909 रुपए बढ़कर 2.33 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस महीने यानी अगस्त में सिर्फ 6 दिन में ही सोना 8,201 और चांदी 14,995 रुपए महंगी हो चुकी है।

**इस साल सोने-चांदी में अब तक तेजी रही**

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 18 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.51 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

चांदी की कीमत में 3 हजार रुपए की बढ़त है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.33 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

**सोना इस साल 1.60 लाख तक जा सकता है**

कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के मुताबिक सोने-चांदी के दाम अपने हाई से काफी नीचे आ चुके हैं। ऐसे में निवेशक इसमें निवेश कर रहे हैं, हालांकि इनमें एकमुश्त निवेश करने से बचना चाहिए। अजय केडिया के अनुसार साल के आखिर तक सोना एक बार फिर 1.60 लाख और चांदी 2.80 लाख रुपए तक जा सकती है।

# अडानी के 125 अरब के प्लान ने कर दी निवेशकों की मौज, कई कंपनियों के शेयरों में तेजी

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस गौतम अडानी की अगुवाई वाला अडानी ग्रुप इन्फ्रास्ट्रक्चर पर रेकॉर्ड खर्च कर रहा है। ग्रुप चालू वित्त वर्ष में लगभग 2.1 लाख करोड़ के कैपिटल एक्सपेंडिचर का लक्ष्य बना रहा है और उसने पांच वर्षों में अपने बिजनेस में लगभग $125 बिलियन के निवेश की योजना बनाई है।

इस ग्रुप का बिजनेस पोर्ट्स से लेकर पावर तक फैला है। यही वजह है कि ग्रुप के विस्तार से जुड़े कॉन्ट्रैक्टर्स, मैन्युफैक्चरर्स और पावर टेक्नोलॉजी सप्लायर्स के ऑर्डर बुक बढ़ रहे हैं और उनके शेयरों में जबरदस्त तेजी आ रही है। मसलन हिताची एनर्जी इंडिया के शेयरों में पिछले दो साल में 197% की शानदार बढ़ोतरी हुई है। इसी तरह सेमइंडिया प्रोजेक्ट्स और जीई वर्नोवा टीएंडडी इंडिया के शेयरों में इस दौरान क्रमशः 152% और 147% की तेजी हुई है। सरकारी कंपनी बीएचईएल का शेयर एक साल में 79% चढ़ा है जबकि और पीएसपी प्रोजेक्ट्स के शेयरों में 39% तेजी आई है। अडानी ग्रुप के रेकॉर्ड कैपिटल एक्सपेंडिचर से इन कंपनियों को भारी ऑर्डर मिलने की संभावना है।

अडानी ग्रुप ने मार्च में खत्म फाइनेंशियल ईयर में कैपिटल एक्सपेंडिचर के तौर पर 1.53 लाख करोड़ खर्च किए। यह किसी भारतीय कॉर्पोरेट के कैपिटल एक्सपेंडीचर पर किया गया अब तक का सबसे बड़ा सालाना खर्च है। इसमें से लगभग 80% खर्च वेंडर्स के जरिए किया गया। इसमें रियल एस्टेट और दूसरे अनलिस्टेड बिजनेस का खर्च शामिल नहीं है। अडानी का तरीका ऐप्पल के 'एक्सटेंडेड एंटरप्राइज मॉडल' जैसा है। इसमें कंपनी प्रोडक्ट डिजाइन, टेक्नोलॉजी और कस्टमर एक्सपीरियंस पर अपना कंट्रोल बनाए रखती है, जबकि स्पेशलिस्ट सप्लायर मैन्युफैक्चरिंग क्षमताएं मुहैया कराते हैं। बदले में सप्लायर्स को इन्वेस्टमेंट, टेक्नोलॉजी और बड़े मौकों तक पहुंच मिलती है। अडानी कैपेक्स प्लान कंस्ट्रक्शन, हेवी इंजीनियरिंग और पावर टेक्नोलॉजी सेक्टर में रेवेन्यू पाइपलाइन को बदल रहा है।

## दैनिक पंचांग

**गृह गोचर**

| गृह स्थिति | | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|---|
| सूर्य | कर्क | मे | कर्क--- | 04-15 बजे |
| चंद्र | कर्क | मे | सिंह--- | 06-27 बजे |
| मंगल | मिथुन | मे | कन्या--- | 08-34 बजे |
| बुध | कर्क | मे | तुला--- | 10-38 बजे |
| गुरु | कर्क | मे | वृश्चिक--- | 12-49 बजे |
| शुक्र | कन्या | मे | धनु--- | 15-03 बजे |
| शनि | मीन | मे | मकर--- | 17-08 बजे |
| राहु | कुंभ | मे | कुंभ--- | 19-00 बजे |
| केतु | सिंह | मे | मीन--- | 20-37 बजे |
| | | | मेष--- | 22-13 बजे |
| | | | वृष--- | 23-57 बजे |
| | | | मिथुन--- | 02-00 बजे |

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
सूर्योदय 06-01
सूर्यास्त. 18-42
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
मास - श्रावण कृष्ण पक्ष मंगलवार 11 August 2026
तिथि - चतुर्दशी 01-53 रात्रि तक उपरान्त अमावस्या
नक्षत्र - पुनर्वसु 10-09 तक उप पुष्य
योग - सिद्धि 18-51 तक उप व्यतिपात
करण - विष्टी (भद्रा) 15-22 तक उप शकुनि

**विशेष: मास शिवरात्रि**

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

**राहुकाल** 15-32 से 17-08 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph. 9247132654

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| रोग | 06-01 - 07-35 | अशुभ | काल | 18-42 - 20-08 | अशुभ |
| उत्पात | 07-35 - 09-10 | अशुभ | लाभ | 20-08 - 21-32 | शुभ |
| चंचल | 09-10 - 10-46 | शुभ | उत्पात | 21-32 - 22-57 | अशुभ |
| लाभ | 10-46 - 12-21 | शुभ | शुभ | 22-57 - 00-21 | शुभ |
| अमृत | 12-21 - 13-57 | शुभ | अमृत | 00-21 - 01-46 | शुभ |
| काल | 13-57 - 15-32 | अशुभ | चंचल | 01-46 - 03-10 | शुभ |
| शुभ | 15-32 - 17-08 | शुभ | रोग | 03-10 - 04-35 | अशुभ |
| रोग | 17-08 - 18-42 | अशुभ | काल | 04-35 - 06-01 | अशुभ |

## आपका राशिफल

**मेष** (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आपकी एकाग्रता और विचारशक्ति इस समय अपने चरम पर है और इसीलिए आप अपने आसपास के लोगों की स्थिति के बारे में और भी संवेदनशील हैं । इससे आपको पिछले कुछ मतभेद सुलझाने में मदद मिलेगी । आप किसी ऐसे व्यक्ति के सम्पर्क में आ सकते हैं जिससे आप काफी पहले अलग हो गए थे ।

**वृष** (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो)
बहुत से अच्छे मौके आपका इन्तजार कर रहे हैं लेकिन आपको उनके लिए पूरे तौर पर समर्पित कोशिशें करनी होंगी,जोकि इस समय आपके लिए कुछ मुश्किल लग रहा है । किसी ख़ास निजी समारोह के लिए इन मौकों को रोके रखना आपके लिए सही है । आप साधारणतया बहुत अच्छे हैं और इसीलिए आपके दोस्त आपसे लगाव रखते हैं ।

**मिथुन** (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
गृहों की स्थिति ऐसी है कि आपको अप्रत्याशित बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है ,पिछले कुछ समय से आप बहुत अच्छी स्थिति में हैं और फिलहाल ऐसा कुछ भी नही है जो परेशानी पैदा करने वाला दीखता हो । लेकिन आज ऐसी बढ़ाएं और परेशानियां पैदा होने वाली हैं जो आपके काम और मूड दोनों को ही प्रभावित करेंगी । अप्रत्याशित समस्याओं से काम कुछ समय के लिए रुक सकता है ।

**कर्क** (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डु, डे, डो,)
आप पिछले कुछ दिनों से काफी व्यस्त दिनचर्या बिता रहे हैं । अब सारी चीजों को व्यवस्थित करने का समय है । आज आपको तुलनात्मक रूप से थोड़ी राहत मिलेगी,लेकिन आपको इस समय का उपयोग अपनी सब चीजों को व्यवस्थित करने में लगाना चाहिए । नही तो सब कुछ और अधिक उलझता जाएगा और आप स्थिति के नियंत्रण से बाहर होने के कारण और भी अधिक परेशान रहेंगे ।

**सिंह** (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आप आज आत्मविश्वास से भरे हैं और यह बात आपकी भाव –भंगिमा और नजरिये से साफ़ झलक रही है । आज हर कहीं आप लोगों के आकर्षण का केंद्र बने रहेंगे और अपनी छाप छोड़ेंगे । महत्वपूर्ण बिज़नेस बैठकों में आपके मुताबिक़ निर्णय होंगे । अगर स्थितियां आपके पक्ष में नही भी दिख रही तब भी आप उन्हें अपने पक्ष में कर लेंगे और अपनी बात मनवाने में कामयाब रहेंगे ।

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आप पिछले कुछ समय से उपेक्षित महसूस कर रहे हैं लेकिन आज आप पर सबका ध्यान आएगा । लाइमलाइट आप पर रहेगी और आप आसानी से इस अवसर का लाभ उठाकर खुद को साबित कर पायेंगे । यह किसी नए दोस्त के मिलने,पुराने के सामने आने या कार्यस्थल की किसी स्थिति से सम्बंधित भी हो सकता है ।

**तुला** (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आपको समय फिलहाल रेंगता हुआ महसूस हो रहा है । लेकिन धीरज रखें और अपनी उत्सुकता भी बनाये रखें । हालाँकि आपको अपने किसी वादे या किसी निजी सम्बन्ध की खातिर कुछ समय के लिए अपने लक्ष्यों को एक तरफ करना पड़ सकता है । अपने साथी के साथ विवादों और गलतफहमियों से बचें ।

**वृश्चिक** (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज चलते हुए सावधान रहें । हलकी खरोचें आ सकती हैं । न चाहते हुए भी आप किसी करीबी को बातों-बातों में नाराज कर सकते हैं । आज केवल अपने काम से ही मतलब रखना उपयुक्त रहेगा । सिनेमा या किसी और मनोरंजक कार्यकलाप में समय बिता सकते हैं । आज आप शारीरिक और भावनात्मक दोनों रूप से अधिक संवेदनशील महसूस कर सकते हैं।

**धनु** (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज अपने सिद्धांतों की व्याख्या और पुनर्मुल्यांकन का दिन है । आप पिछले फैसलों के लिए खुद से और अपने साथी से भी सवाल कर सकते हैं । फिर भी आप उसके प्रति बहुत अच्छे बने रहेंगे और उससे भी बदले में यही उम्मीद रखेंगे । जब पुराने विचारों से कोई काम बनता दिखाई न दे रहा हो तो नए विचारों को अपना लेने में कोई बुराई नही है ।

**मकर** (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आप बहुत दिनों से आज के दिन के लिए बचत करते आ रहे हैं ।आज कोई ऐसी ख़ुशी की खबर मिलेगी जो आपके होठो पर मुस्कान और आँखों में आंसू ले आएगी ।आज आप पुरे दिन दोस्तों और सम्बन्धियों से घिरे रहेंगे। समय मजे में बीतेगा लेकिन अपने स्व। स्थ्य का ध्यान जरूर रखें ।

**कुंभ** (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
आप आज ऊर्जा से भरे हैं,आपके आकर्षण और कुशलता से आज घर-ऑफिस में सब प्रभावित होंगे । अपने दोस्तों या किसी ख़ास के साथ बाहर घुमने जाकर मजे करें । दिन शांत और तनावरहित रहेगा । आज अच्छा वित्तीय लाभ होने की सम्भावना तो बनी हुई है,लेकिन अपने खरीदारी के खर्चों पर भी नजर रखें ।

**मीन** (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
अपने घर से जुडी किसी अच्छी खबर के लिए तैयार रहें । निवास स्थान में बदलाव संभव है या नया घर खरीदने की योजना को अंतिम रूप दे सकते हैं । अपनी सकारात्मक ऊर्जा का लाभ उठायें । अगर आप कुछ समय से अपने घर या इसके किसी हिस्से को को नया रूप देने के बारे में सोच रहे हैं तो यह समय इसके लिए बहुत अच्छा है ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

# बाहर खाने वालों का बजट बिगड़ा! फिर महंगी हुई खाने की थाली,कितने हो गए शाकाहारी-मांसाहारी भोजन के थाली के दाम?

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। देश में खुदरा महंगाई दर में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। खाने-पीने के सामान की कीमतों में भी तेजी से उछाल देखा गया है। इसका असर हमारे घर की रसोई से लेकर महंगे रेस्टोरेंट्स पर भी पड़ा है। आपको बता दें कि क्रिसिल की ताजा 'ब्रेड राइस रेट' रिपोर्ट के मुताबिक टमाटर, प्याज और आलू की कीमतें बढ़ने से वेज थाली की कीमतों में भी बढ़ोतरी हो गई है।

**एक महीने में कितने बढ़े थाली के दाम**

टमाटर, प्याज और आल सब्जियों की कीमत में बढ़ोतरी के कारण जुलाई में शाकाहारी थाली की औसत कीमत जून के 27.1 से बढ़कर 28.1 हो गई, जो पिछले महीने की तुलना में 4 प्रतिशत की वृद्धि है। यह इनडेक्स उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम भारत में प्रचलित कच्चे माल की कीमतों के आधार पर घर पर थाली तैयार करने की औसत लागत को मापता है। वहीं इससे उलट नॉनवेज थाली की कीमत पिछले महीने के 54.8 से घटकर 53.5 हो गई, जो 2 प्रतिशत की गिरावट है। हालांकि, सालाना आधार पर कीमतों को लेकर स्थिति काफी अलग है। शाकाहारी थाली की लागत पिछले साल जुलाई की तुलना में 14 फीसदी कम रही, वहीं नॉनवेज थाली की कीमतों में लगभग 13 फीसदी की कमी बताई गई है। ये आंकड़े एक साल पहले के ऊंचे स्तरों से खाने-पीने की चीजों की कीमतों में बड़ी कमी को दर्शाती है।

**वेज थाली की कीमत बढ़ने का कारण**

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बाजार में टमाटर की आवक में 27 की कमी देखी गई। जिसके चलते जुलाई में इस मुख्य सब्जी की कीमतों में 31 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जो मॉनसून के दौरान अक्सर आने वाली मौसमी सप्लाई की समस्या को दिखाती है। इसके साथ ही आलू की कीमतों में 2 प्रतिशत और प्याज की कीमतों में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है, जिसके कारण थाली की कीमतें बढ़ी हैं।

**क्यों सस्ती हुई नॉनवेज थाली?**

पिछले महीने की तुलना में इस महीने जहां वेज थाली की कीमतें बढ़ी हैं वहीं मांसाहारी थाली में 2 फीसदी की गिरावट आई है। इसका कारण ये है कि ब्रॉयलर चिकन, जो मांसाहारी थाली की लागत का लगभग आधा हिस्सा होता है, इसकी कीमतों में सालाना आधार पर 12% और महीने-दर-महीने आधार पर 9% की गिरावट आई। गिरावट की मुख्य वजह मॉनसून और सावन के दौरान मांग में आने वाली भारी कमी को बताया जा रहा है।

# आईजीआई एयरपोर्ट पर यात्री इंडिगो की फ्लाइट में बैठे थे

## पायलट फंस गया ट्रैफिक जाम में, फिर क्या हुआ

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। बीते शुक्रवार को पूरे दिल्ली एनसीआर में जबरदस्त बारिश हुई थी। रिहायशी इलाके ही नहीं, मुख्या मार्गों पर भी बारिश का पानी इतना भर गया कि मोटर वाहन तक डूब गए।

ऐसे में दिल्ली से जयपुर जाने वाली इंडिगो की एक फ्लाइट का पायलट ट्रैफिक जाम में फंस गया और समय पर एयरपोर्ट नहीं पहुंच पाया। हालांकि उस फ्लाइट में यात्रा करने वाले 175 से भी ज्यादा यात्री समय पर एयरपोर्ट पहुंच कर विमान में बैठ चुके थे।

ऐसे में इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6ई 6131 को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 से रात 8.20 बजे रवाना होना था। इसका जयपुर पहुंचने का समय रात 9.10 बजे था। उस दिन दिल्ली एनसीआर में हो रही भारी बारिश बीच विमान के 175 से भी अधिक यात्री आकर बैठ गए थे।

लेकिन विमान था कि उड़ने का नाम ही नहीं ले रहा था। जब यात्रियों ने केबिन क्रू से पूछा तो पता चला कि विमान का एक पायलट बारिश की वजह से जाम में फंसा है। उसी विमान में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के संस्थापक और नागौर के सांसद हनुमान बेनीवाल भी बैठे थे।

सांसद हनुमान बेनीवाल ने बताया कि भीषण बारिश की वजह से जाम की खबर से वह अवगत थे। इसलिए समय लेकर घर से निकले। ताकि जाम में फंसने के बावजूद एयरपोर्ट समय पर पहुंच जाएं। सिर्फ वही नहीं, विमान के 175 से अधिक सांसद समय पर एयरपोर्ट पहुंच गए। ऐसे में पायलट ने लापरवाही क्यों की? एयरलाइन के पायलटों के बारे में सामान्य नियम यही है कि फ्लाइट से कम से कम एक घंटा पहले वह हवाई अड्डे पर पहुंचते हैं। बेनीवाल के हवाले से मीडिया में खबर आई है कि इंडिगो का ही एक अन्य विमान दिल्ली पहुंचा और उसी के पायलट को इस विमान को ऑपरेट करने भेज दिया गया। तब जाकर उनका विमान रात 9.09 बजे टेक-ऑफ कर पाया। वह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखते हैं, तमाम व्यवधान के बावजूद जब यात्री समय पर एयरपोर्ट पहुंचते हैं तो पायलट क्यों नहीं?

# 15 देशों में 19 लाख करोड़ का नया बाजार तैयार

## अमेरिका की 100% टैरिफ धमकी से डरेगा नहीं भारत

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। रूसी कच्चा तेल खरीदने वाले देशों पर अमेरिका द्वारा 100% तक टैरिफ यानी आयात शुल्क लगाने की तैयारी से भारत के निर्यात को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। हालांकि, प्रमुख अर्थशास्त्री डॉ. एसपी शर्मा का कहना है कि भारतीय निर्यातकों के पास अमेरिका के अलावा 15 अन्य वैकल्पिक बाजार यानी देश मौजूद हैं, जहां 200 अरब डॉलर (करीब 19 लाख करोड़ रुपये) का बड़ा अवसर भारत का इंतजार कर रहा है। डॉ. एसपी शर्मा के अनुसार, भारत अपने निर्यात के लिए पूरी तरह से अमेरिकी बाजार पर निर्भर नहीं है।

अमेरिका को भारत से करीब 87 से 88 अरब डॉलर का मर्चेंडाइज निर्यात होता है। इन्हीं सामानों के लिए 15 अन्य देशों में 200 अरब डॉलर का विशाल बाजार उपलब्ध है। इन 15 प्रमुख देशों में नीदरलैंड्स, फ्रांस, ब्रिटेन, लैटिन अमेरिका के देश, सऊदी अरब, यूएई और नेपाल शामिल हैं।

वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का अमेरिका को मर्चेंडाइज निर्यात बढ़कर 87.3 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले वर्ष (2024-25) में 86.5 अरब डॉलर था। अमेरिका के साथ भारत का निर्यात 10 से 15% की दर से बढ़ रहा है, जबकि अन्य वैकल्पिक बाजारों में भारतीय निर्यात की ग्रोथ रेट 20 से 25% बनी हुई है। भारतीय उत्पाद श्रम-केंद्रित और लागत के मामले में काफी प्रतिस्पर्धी हैं, जिससे इनकी मांग वैश्विक स्तर पर बनी हुई है। शर्मा ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच मजबूत कारोबारी संबंध हैं और दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर भी बातचीत कर रहे हैं। ऐसे में 100% तक टैरिफ लगाना खुद अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए भी नुकसानदायक होगा। भारतीय सामान पर भारी शुल्क लगाने से अमेरिका में इन उत्पादों की कीमत बढ़ सकती है।

# भारत-रूस के बीच चलेगी ट्रेन? होर्मुज संकट के बीच मॉस्को का बड़ा प्लान, पाकिस्तान के रास्ते जुड़ेगा दोनों देशों का व्यापार

नई दिल्ली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। रूस और भारत के बीच व्यापार को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए एक नए जमीनी मार्ग पर मंथन शुरू हुआ है। रूस ने भारत तक सीधी रेल कनेक्टिविटी स्थापित करने की संभावना जताई है। प्रस्तावित रेल मार्ग रूस से शुरू होकर तुर्कमेनिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के रास्ते हिंद महासागर तक पहुंचेगा। यह खबर ऐसे समय सामने आई है जब वैश्विक व्यापार में समुद्री मार्गों पर निर्भरता और होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े जोखिम चर्चा में हैं। फिलहाल रूस और भारत के बीच ज्यादातर बड़े पैमाने का माल समुद्री मार्गों से आता-जाता है। ऐसे में समुद्री रास्तों में रुकावटें, शिपिंग लागत बढ़ने या किसी रणनीतिक जलमार्ग पर संकट की स्थिति में रेल नेटवर्क अतिरिक्त विकल्प दे सकता है। अगर यह प्रस्ताव आगे बढ़ता है तो भारत को रूस और यूरेशिया के साथ व्यापार के लिए समुद्री मार्गों के अलावा एक वैकल्पिक परिवहन नेटवर्क मिल सकता है। रूस के उप प्रधानमंत्री मरात खुसनुलिन ने हाल में कहा कि भारत तक पहुंचने वाले हर संभावित रास्ते पर विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने बोस्फोरस और होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े जोखिमों को देखते हुए वैकल्पिक मार्ग तलाशने की जरूरत पर जोर दिया। हालांकि, यह अभी शुरुआती स्तर का प्रस्ताव है और किसी औपचारिक रेल परियोजना को मंजूरी नहीं मिली है। फिलहाल यह केवल रूस का एक प्रस्ताव है और इस पर किसी अंतिम योजना की घोषणा नहीं हुई है। किसी भी फैसले से पहले राजनीतिक सहमति, सुरक्षा गारंटी और आर्थिक व्यवहार्यता का आकलन करना अनिवार्य होगा। भारत के लिए यह प्रस्ताव वैश्विक व्यापार में नए विकल्प खोलने की क्षमता रखता है, लेकिन इसकी राह में क्षेत्रीय चुनौतियां सबसे प्रमुख हैं।

# गरजे सीएम भजनलाल शर्मा, सेमीकंडक्टर और एआई में राजस्थान बनेगा अगला बड़ा हब

जयपुर/बेंगलुरु, 10 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान को देश का प्रमुख औद्योगिक और निवेश हब बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने कदम तेजी से आगे बढ़ा दिए हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ावा देने के लिए लिए गए महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक निर्णयों से देश-विदेश के उद्योगपतियों और निवेशकों का भरोसा राजस्थान पर लगातार मजबूत हुआ है। इसी पारदर्शी और अनुकूल माहौल का परिणाम है कि आज प्रदेश में बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित हो रहा है।

मुख्यमंत्री बेंगलुरु में आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक के दौरान देश के अग्रणी उद्योगपतियों और संभावित निवेशकों के साथ राजस्थान में निवेश की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में विनिर्माण, टेक्नोलॉजी, इंफ्रास्ट्रक्चर और सर्विस सेक्टर में निवेश की अपार संभावनाएं मौजूद हैं, जिनका लाभ उठाकर उद्योगपति अपने व्यवसाय का तेजी से विस्तार कर सकते हैं।

बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्माने कहा कि राजस्थान की नई और

उद्योग-अनुकूल नीतियां, मजबूत बुनियादी ढांचा (इंफ्रास्ट्रक्चर), बेहतर लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी, कुशल मानव संसाधन (स्किल्ड मैनपावर) की आसान उपलब्धता और पारदर्शी सिंगल-विंडो प्रक्रियाएं निवेशकों को आकर्षित कर रही हैं। इन सुविधाओं के चलते राज्य में नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना को अभूतपूर्व गति मिल रही है। बेंगलुरु में हुई इस बैठक के दौरान विभिन्न प्रमुख औद्योगिक समूहों और निवेशकों ने राजस्थान में नई मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्सलगाने तथा अपने मौजूदा प्रोजेक्ट्स का विस्तार करने को लेकर गहरी रुचि दिखाई। मुख्यमंत्री के साथ चर्चा में कई अत्याधुनिक और रणनीतिक क्षेत्रों से जुड़े प्रस्ताव सामने आए।

हाइटेक और फ्यूचरिस्टिक टेक्नोलॉजीः सेमीकंडक्टर और एआई-बेस्ड मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स तथा जीसीसी ऑपरेशन्स स्थापित करने पर विचार-विमर्श। रक्षा व एयरोस्पेसः एयरोस्पेस और डिफेंस कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स के साथ-साथ कॉपर प्रोसेसिंग और वैल्यू-एडिशन प्रोजेक्ट्स। एमएसएमई व एग्री-सेक्टरः एमएसएमई सेक्टर के लिए इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल पार्क, बायो-एनर्जी और एग्री-इनोवेशन पार्क्स की स्थापना।

टेक्सटाइल व लॉजिस्टिक्सः टेक्निकल टेक्सटाइल मैन्युफैक्चरिंग, फुटवियर प्रोडक्शन यूनिट्स और कोल्ड-चेन एवं रेफ्रिजरेशन मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम। सस्टेनेबिलिटी व टूरिज्मः रबर रीसाइक्लिंग प्रोजेक्ट्स के अलावा टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में नए प्रोजेक्ट्स शुरू करने पर निवेशकों ने उत्सुकता जताई।

मुख्यमंत्री शर्मा ने निवेशकों को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार उन्हें हर संभव सहयोग, त्वरित स्वीकृतियां और बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस बैठक से प्रदेश में रोजगार के नए अवसर सृजित होने और आर्थिक विकास को नई ऊंचाई मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

अलवर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। अलवर में 16 अगस्त को होने वाली केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की जनसभा को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। शाह विजय नगर मैदान में जनसभा को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी मौजूद रहेंगे। केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने बताया कि इस कार्यक्रम के दौरान राजस्थान को 5 हजार करोड़ रुपए से अधिक के विभिन्न विकास कार्यों की सौगात मिलेगी।

कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर भूपेंद्र यादव ने कलक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को कार्यक्रम से जुड़ी व्यवस्थाओं को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में सुरक्षा, यातायात और आमजन की सुविधा को लेकर भी चर्चा की गई।

भूपेंद्र यादव के अनुसार अलवर, कोटपूतली-बहरोड़ और खैरथल-तिजारा जिलों के लिए भी कई विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया जाएगा। इनमें करीब 700 करोड़ रुपए के विकास कार्य शामिल हैं। इसके अलावा कोटपूतली-बहरोड़ और खैरथल-तिजारा क्षेत्र में करीब 1100 करोड़ रुपए के कार्यों के साथ राजस्थान के लिए कुल 5 हजार करोड़ रुपए से अधिक के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास प्रस्तावित है।

कार्यक्रम के दौरान तीन लाख लीटर क्षमता वाले सरस डेयरी प्लांट का शिलान्यास भी किया जाएगा। इसके साथ ही राजीविका से जुड़े महिला स्वयं सहायता समूहों के लिए 38 सीएचएस भवनों का भी शिलान्यास किया जाएगा। कार्यक्रम में रोजगार मेले का आयोजन भी होगा, जिसमें युवाओं को रोजगार से जुड़ी सुविधाएं मिलने की उम्मीद है।

महिलाओं को सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से एक बुकलेट का विमोचन भी किया जाएगा। जनसभा में बड़ी संख्या में किसान और आमजन के पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए प्रशासन ने यातायात व्यवस्था पर विशेष फोकस किया है।

भूपेंद्र यादव ने अधिकारियों से कहा कि कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं और यातायात व्यवस्था ऐसी रखी जाए कि आम लोगों को परेशानी न हो। अलवर जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर संबंधित अधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं।

दूसरी ओर कैबिनेट मंत्री सुरेश सिंह रावत ने विजय नगर मैदान पहुंचकर जनसभा स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने वन राज्यमंत्री संजय शर्मा के साथ मैदान में भूमि पूजन भी किया। कार्यक्रम को लेकर मैदान में व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने का काम शुरू कर दिया गया है। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी भी लगातार तैयारियों की निगरानी कर रहे हैं।

# सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाने पर डॉ किरोड़ी लाल मीणा का बड़ा बयान

## गुर्जर और मीणा में कोई टकराव नहीं

दौसा, 10 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के दौसा जिले में स्थित नांगल प्यारीवास के ऐतिहासिक पंच-अथाई परिसर में आयोजित दो दिवसीय विश्व आदिवासी दिवस समारोह के दूसरे दिन जनसैलाब उमड़ पड़ा। इस भव्य कार्यक्रम में हजारों की संख्या में पहुंचे लोगों को संबोधित करते हुए राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ किरोड़ी लाल मीणा ने एक महत्वपूर्ण और सियासी मायने रखने वाला बयान दिया। किरोड़ी लाल मीणा ने मीणा और गुर्जर समुदाय के सामाजिक व राजनीतिक रिश्तों की दुहाई देते हुए दोनों समाजों को एक-दूसरे का पूरक बताया। उन्होंने कहा कि मीणा और गुर्जर जातियां मूल रूप से किसान कौम हैं और दोनों के बीच किसी भी प्रकार का टकराव नहीं होना चाहिए। इसी सम्बोधन के दौरान उन्होंने पूर्व केंद्रीय मंत्री दिवंगत राजेश पायलट और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट का जिक्र करते हुए गुर्जर समुदाय को अतीत के राजनीतिक समीकरणों की याद भी दिलाई।

नांगल प्यारीवास में बने सवा सौ बीघा के विशाल डोम में लोगों की भारी मौजूदगी के बीच किरोड़ी लाल मीणा का यह संबोधन सीधे तौर पर पूर्वी राजस्थान के सामाजिक और राजनीतिक समीकरणों को साधने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान आयोजकों द्वारा की गई व्यवस्थाएं उमड़ी भीड़ के आगे छोटी पड़ गईं और लोग जहां जगह मिली, वहीं बैठकर इस सांस्कृतिक व राजनीतिक समागम का हिस्सा बने।

जयपुर में अति-व्यस्त शेड्यूल और प्रोटोकॉल के बीच अचानक किसके घर पहुंचे केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा? हर कोई रह गया हैरान!

अपने संबोधन के सबसे चर्चित हिस्से में किरोड़ी लाल मीणा ने पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट और उनके पिता स्वर्गीय राजेश पायलट का विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने पूर्वी राजस्थान, खासकर दौसा संसदीय क्षेत्र के राजनीतिक इतिहास को याद दिलाते हुए गुर्जर समाज को संबोधित किया। डॉ किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि गुर्जर समाज को यह बात हमेशा याद रखनी चाहिए कि राजेश पायलट और सचिन पायलट को राजनीति में स्थापित करने में दौसा के मीणा समाज का बहुत बड़ा योगदान रहा है।

गुर्जर समाज द्वारा अपने नेता को मुख्यमंत्री बनाने की आकांक्षाओं पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि यदि आप अपने आदमी को मुख्यमंत्री बनाने की सोच रहे हैं, तो यह बात याद रखें कि यह 'राम' (मीणा समाज के सहयोग) के बिना संभव नहीं होगा। उन्होंने आगे कहा कि कौन मुख्यमंत्री बनता है और कौन प्रधानमंत्री बनता है, यह सब किस्मत और जनता के आशीर्वाद का खेल है। इसलिए राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के लिए सामाजिक ताने-बाने को नुकसान नहीं पहुंचाया जाना चाहिए। मंच से बोलते हुए डॉ किरोड़ी लाल मीणा ने दोनों समाजों के बीच आपसी भाईचारे की वकालत की। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि मीणा और गुर्जर समाज के लोगों को आपस में उलझने के बजाय मिलकर रहना चाहिए। किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि हमारी दोनों जातियां मूल रूप से खेती-किसानी से जुड़ी हुई हैं और दोनों का दर्द एक जैसा है। उन्होंने दोनों समुदायों के सामाजिक जुड़ाव की तुलना पौराणिक पात्रों से करते हुए कहा कि गुर्जर और मीणा समाज आपस में राम और लक्ष्मण की जोड़ी की तरह हैं। किरोड़ी ने कहा कि गुर्जर भाइयों को यह समझना चाहिए कि हम उनके भाई हैं और आपस में लड़ने से दोनों ही समाजों का नुकसान होता है। संबोधन के दौरान डॉ किरोड़ी लाल मीणा ने अपने राजनीतिक रुख और पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा को भी पूरी तरह स्पष्ट किया। उन्होंने मंच से एक वाकये का जिक्र करते हुए समर्थकों को जवाब दिया।

# मूसलाधार बारिश, स्कूलों में भर गया पानी, उफान पर आई नदी, बांध के खोले गेट, जलमग्न हुआ मंदिर

झालावाड़, 10 अगस्त (एजेंसियां)। झालावाड़ जिले में सोमवार को मानसून ने जोरदार रूप दिखाया। झालरापाटन, मनोहर थाना, सुनेल, रायपुर सहित कई इलाकों में सुबह से तेज बारिश का दौर जारी रहा। लगातार बारिश के कारण नदी-नाले उफान पर आ गए और कई जगह सड़कों पर पानी भरने से आवागमन प्रभावित हुआ। वहीं स्कूलों में पानी भरने के बाद कुछ स्थानों पर बच्चों को सुरक्षित बाहर निकालना पड़ा। रायपुर तहसील क्षेत्र के कचराखेड़ी गांव में जोरदार बारिश के बाद राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय परिसर में पानी भर गया। पानी बढ़ने से स्कूल टापू जैसा नजर आने लगा। सूचना मिलने पर प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस जाब्ता और एनडीआरएफ-एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से बच्चों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। वहीं झालावाड़ के खेजरपुर गांव में भी लगातार बारिश के बाद हालात बिगड़ गए। चारों तरफ नदी-नालों में तेज बहाव होने से गांव का संपर्क दूसरे इलाकों से कट गया। गांव से बाहर जाने वाले रास्ते बंद हो गए। कई ग्रामीण खेतों में फंस गए और कुछ स्टूडेंट्स भी पानी बढ़ने के कारण अपने घर नहीं लौट सके।

मनोहर थाना क्षेत्र में लगातार बारिश के चलते परवन नदी उफान पर आ गई। थानेश्वर महादेव मंदिर परिसर भी पानी में डूब गया। नदी और नालों में पानी का बहाव तेज होने के कारण पुलियाओं पर कई फीट पानी बहने की जानकारी सामने आई है। लोगों से पानी के तेज बहाव वाले रास्तों पर नहीं जाने की अपील की है। इधर कालीखाड़ नदी में भी तेज पानी की आवक हुई। बारिश के कारण कालीखाड़ बांध लबालब हो गया और इस मानसून में पहली बार बांध पर करीब 10 इंच पानी की चादर चलने लगी। बांध छलकने की जानकारी मिलने के बाद ग्रामीण इसे देखने के लिए पहुंचने लगे। उधर कालीसिंध बांध के कैचमेंट क्षेत्र में हुई बारिश के कारण जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। जलस्तर को देखते हुए बांध के 7 गेट खोलकर कुल 28 मीटर ओपनिंग से करीब 1.11 लाख क्यूसेक पानी की निकासी की जाएगी। कोटा-इंदौर मार्ग पर सौयतकला के पास सड़क पर पानी आने से यातायात भी प्रभावित हुआ।

वहीं झालावाड़ के छापी बांध के कैचमेंट एरिया में भी पानी की आवक जारी है। जिससे बांध का जलस्तर बढ़ने के कारण बांध के 12 गेट खोल कर 80764 क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है। रामद्वारा मार्ग पर बरसाती नाले में पानी के तेज बहाव के कारण एक बाइक भी बह गई। मानसून में झालावाड़ में हुई इस बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित रहा।

# मदन दिलावर की सख्त हिदायतः स्कूल में नशा करने वाले शिक्षकों की बनेगी सूची, निजी विद्यालयों को लेकर भी बोले

भीलवाड़ा, 10 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने भीलवाड़ा जिले के शिक्षा अधिकारियों की बैठक लेकर विभिन्न विभागीय योजनाओं और गतिविधियों की कड़ी समीक्षा की। मदन दिलावर ने अच्छे परीक्षा परिणाम के लिए शिक्षा विभाग को बधाई देते हुए स्कूलों में अनुशासन और व्यवस्था सुधारने के लिए कई सख्त दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने दो टूक कहा कि स्कूलों में नशा करने वाले शिक्षकों को बख्शा नहीं जाएगा।

स्कूलों में कार्यरत कोई भी कार्मिक या शिक्षक नशा न करे, इसे गंभीरता से लेते हुए मंत्री ने सख्त हिदायत दी । उन्होंने शिक्षा अधिकारियों को नशा करने वाले शिक्षकों को चिन्हित कर उनकी सूची तैयार करने के निर्देश दिए हैं । शिक्षक कक्षाओं में मोबाइल फोन का उपयोग नहीं कर सकेंगे।

कक्षा में जाने से पूर्व उन्हें अपना मोबाइल संस्था प्रधान (प्रधानाचार्य) के पास अनिवार्य रूप से जमा कराना होगा।

भीलवाड़ा जिले में कहीं भी मूल शिक्षक की जगह कोई 'ऐवजी शिक्षक' न पढ़ा रहा हो, इसके लिए सभी विद्यालयों में स्टाफ का फोटो युक्त संस्थापन विवरण बोर्ड लगाना अनिवार्य होगा। शिक्षकों को अब अवकाश के लिए 'शाला दर्पण' पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना होगा, तभी वे मुख्यालय छोड़ सकेंगे।

विद्यार्थियों में देशभक्ति की भावना जागृत करने के लिए विद्यालयों में महापुरुषों के चित्र लगाए जाएं। विद्यालय प्रारंभ होने से पूर्व 'राष्ट्रगीत' और छुट्टी के समय 'राष्ट्रगान' का वाचन नियमानुसार सुनिश्चित किया जाए। जिन स्कूलों में शिक्षकों की कमी है, वहां कार्य व्यवस्थार्थ अध्यापकों की तुरंत व्यवस्था की जाए ताकि कहीं भी स्कूल में तालेबंदी की शिकायत न आए। स्कूलों को दिए गए पौधरोपण के टारगेट समय पर पूरे किए जाएं और पौधों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी तय की जाए।

निजी विद्यालयों को भी पौधरोपण के लक्ष्य दिए जाएं। विद्यालयों में मूवमेंट रजिस्टर का संधारण हो और छात्र-छात्राओं के शौचालयों पर स्पष्ट अंकन किया जाए। साथ ही, मंत्री ने समग्र शिक्षा अभियान (समसा) के तहत चल रही योजनाओं की प्रगति की जानकारी सहायक अभियंता से ली और सभी निर्माण कार्यों को तय समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए।

# कांग्रेस का हल्लाबोल, पुलिस ने चलाई वाटर कैनन खाचरियावास का भजनलाल सरकार पर हमला

जयपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर नगर निगम के खिलाफ कांग्रेस की 'हिसाब मांगो रैली' सोमवार को जोरदार विरोध-प्रदर्शन में बदल गई। नगर निगम के घेराव के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बैरिकेडिंग पार करने की कोशिश की। इस दौरान पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास भी बैरिकेड पर चढ़ गए और भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। खाचरियावास ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा, ₹पुलिस कितनी भी लगा लो, बैरिकेड लगा लो, लेकिन जनता की आवाज नहीं दबा सकते। जनता के हक की लड़ाई सड़क से सदन तक जारी रहेगी।

प्रदर्शन के दौरान खाचरियावास ने पृथ्वीराज नगर में प्रस्तावित कार्रवाई को लेकर सरकार को चेतावनी दी। उन्होंने कहा, अगर पृथ्वीराज नगर में एक भी मकान टूटा तो मुख्यमंत्री को सिविल लाइंस से बाहर नहीं निकलने देंगे।₹ उन्होंने कहा कि कांग्रेस आम जनता के साथ खड़ी है और लोगों के घरों व अधिकारों की लड़ाई सड़क से लेकर विधानसभा तक लड़ेगी।

रैली जब नगर निगम की ओर बढ़ी तो पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर प्रदर्शनकारियों को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान कई कांग्रेस कार्यकर्ता बैरिकेड पर चढ़ गए और आगे बढ़ने की कोशिश की। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन चलाया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की और तीखी नोकझोंक भी हुई।

कांग्रेस ने 'हिसाब मांगो रैली' के जरिए जयपुर नगर निगम की कार्यप्रणाली और शहर की बुनियादी सुविधाओं को लेकर सरकार को घेरा। पार्टी ने सड़क, सफाई, सीवरेज, स्ट्रीट लाइट, अतिक्रमण और कर वसूली जैसे मुद्दों पर सरकार और नगर निगम को निशाने पर लिया। कांग्रेस का आरोप है कि शहर की जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान है, जबकि सरकार और नगर निगम समस्याओं के समाधान में विफल रहे हैं।

# 40 आरोपियों के बरी होने पर भड़कीं ममता भूपेश, बोलीं- न्याय की लड़ाई जारी रहेगी

नागौर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के नागौर जिले में घटित करीब 11 साल पुराने चर्चित डांगावास हत्याकांड में सभी 40 आरोपियों के बरी होने के बाद मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। अदालत के फैसले के बाद अब कांग्रेस ने इस मामले को लेकर पीड़ित परिवार के साथ खड़े होने का एलान किया है। राजस्थान की पूर्व मंत्री और राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष ममता भूपेश डांगावास पहुंचीं। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात की और लंबे समय से चल रही कानूनी लड़ाई तथा अदालत के हालिया फैसले को लेकर परिवार से बातचीत की।

ममता भूपेश ने सभी 40 आरोपियों के बरी होने के फैसले पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने परिवार को भरोसा दिलाया कि कांग्रेस उनके साथ खड़ी है और मामले को आगे कानूनी स्तर पर उठाया जाएगा।

पूर्व मंत्री ने कहा कि अदालत के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की जाएगी। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए हर संभव कानूनी रास्ता अपनाया जाएगा. परिवार को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा और कांग्रेस इस लड़ाई में उनके साथ रहेगी। ममता भूपेश ने पीड़ित परिवार को पर्याप्त सरकारी सहायता और नौकरी नहीं मिलने का मुद्दा भी उठाया. उन्होंने सरकार की कार्यशैली पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि इतने गंभीर मामले के पीड़ित परिवार को अपेक्षित सरकारी मदद और राहत मिलनी चाहिए थी। अब परिवार की नजर आगे की कानूनी कार्रवाई पर है।

ममता भूपेश के डांगावास पहुंचने के बाद यह मामला एक बार फिर राजनीतिक चर्चा के केंद्र में आ गया है. कांग्रेस की ओर से हाईकोर्ट में कानूनी लड़ाई आगे बढ़ाने की बात कही गई है।

# हनीट्रैप में फंसाकर युवती ने मांगे 10 लाख

## बोली- रुपए नहीं दिए तो दोनों भाइयों को झूठे रेप केस में फंसा दूंगी

जयपुर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी के मानसरोवर इलाके में ब्लैकमेलिंग और हनीट्रैप का मामला सामने आया है। यहां एक युवती ने पहले एक युवक को प्यार के जाल में फंसाया और अब उसे व उसके भाई को झूठे रेप केस में फंसाने की धमकी देकर 10 लाख रुपए की डिमांड कर रही है। पीड़ित परिवार की शिकायत पर मानसरोवर थाना पुलिस ने आरोपी युवती के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हेड कॉन्स्टेबल मदन लाल के अनुसार, मानसरोवर निवासी युवक (26) ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित ने बताया कि करीब एक साल पहले उसके छोटे भाई की मुलाकात आरोपी युवती से हुई थी। धीरे-धीरे युवती ने उसे अपने प्रेम जाल में फंसा लिया। कुछ समय बाद वह शादी करने का दबाव बनाने लगी और मना करने पर उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगी। हेड कॉन्स्टेबल मदन लाल के अनुसार, जब पीड़ित के भाई ने युवती की हरकतों से परेशान होकर उससे दूरी बनानी शुरू की, तो आरोपी युवती अपने असली रूप में आ गई। उसने दोनों भाइयों को झूठे रेप केस में फंसाकर जेल भिजवाने की धमकी दी। युवती ने वॉट्सऐप कॉल के जरिए पीड़ित परिवार से 10 लाख रुपए की मांग की। लगातार मिल रही धमकियों और ब्लैकमेलिंग से तंग आकर आखिरकार पीड़ित ने पुलिस की शरण ली।

# स्वतंत्रता दिवस से पहले बीएसएफ का 'ऑपरेशन अलर्ट' शुरू, जैसलमेर सीमा पर सुरक्षा का कड़ा पहरा

जैसलमेर, 10 अगस्त (एजेंसियां)। स्वतंत्रता दिवस पर सीमा पार से होने वाली किसी भी नापाक गतिविधि, घुसपैठ और तस्करी की आशंका को देखते हुए भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल ने सोमवार से विशेष 'ऑपरेशन अलर्ट' शुरू किया है। जैसलमेर से सटी सरहद पर सुरक्षा व्यवस्था अत्यधिक मजबूत कर दी गई है। 17 अगस्त तक चलने वाले इस रणनीतिक अभियान का मुख्य उद्देश्य स्वतंत्रता दिवस समारोह को शांतिपूर्ण और सुरक्षित रूप से संपन्न कराना है।

रेगिस्तानी क्षेत्रों में भीषण गर्मी और थार की धूलभरी हवाओं के बावजूद जवानों का हौसला बुलंद है। सीमा सुरक्षा बल ने अपनी नहरी और रेतीले टीलों वाली अग्रिम चौकियों पर जवानों की नफरी दोगुनी कर दी है। पारंपरिक रूप से ऊंटों पर गश्त के साथ ही पैदल गश्त को भी कई गुना बढ़ाया गया है। रात के समय सीमा पार की हलचल पर नजर रखने के लिए नाइट विजन डिवाइस, हैंड-हेल्ड थर्मल इमेजर और हाईटेक ड्रोन डिटेक्शन सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है। अधिकारी खुद अग्रिम क्षेत्रों का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ले रहे हैं और 24 घंटे निगरानी जारी है।

# नकली सोना गिरवी रख लेते थे लोन, डेढ़ करोड़ की ठगी करने वाले गैंग का पर्दाफाश, 7 गिरफ्तार

टोंक, 10 अगस्त (एजेंसियां)। बचपन से हम सभी सुनते आए हैं कि लालच बुरी बला है. जब लालच हद से बढ़ जाए तो इंसान गलत रास्ते पर चल पड़ता है और उसका अंजाम भी बुरा ही होता है. राजस्थान के टोंक जिले में कुछ ऐसा ही मामला सामने आया है, जहां नकली सोने की चूड़ियां गिरवी रखकर लाखों रुपये का गोल्ड लोन लेने वाले 7 शातिर ठगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. पुलिस के मुताबिक यह गैंग अलग-अलग जगहों पर इसी तरीके से वारदात कर करीब डेढ़ करोड़ रुपये का लोन उठा चुका था.

मामला टोंक के मेहंदवास थाना क्षेत्र का है. लांबा चमनपुरा गांव निवासी अंकित शर्मा ने करीब नौ महीने पहले नजरबाग रोड स्थित एक गोल्ड लोन कंपनी से 40 हजार रुपये का लोन लिया था. इसके बाद 6 अगस्त को वह दोबारा उसी कंपनी में पहुंचा. इस बार उसने चार चूड़ियां गिरवी रखकर लोन लेने की बात कही.

कंपनी के मैनेजर के मुताबिक चूड़ियां देखने में बिल्कुल असली सोने जैसी लग रही थीं. टच स्टोन से जांच करने पर भी वे सही पाई गईं. अंकित पहले भी कंपनी से लोन ले चुका था, इसलिए कर्मचारियों को उस पर भरोसा था. कंपनी ने चार चूड़ियों के बदले उसे करीब 4.39 लाख रुपये का लोन दे दिया.

# सरकारी नौकरी का झांसा, लाखों की ठगी! 100-150 बेरोजगारों को बनाया शिकार, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

झालावाड़, 10 अगस्त (एजेंसियां)। सरकारी नौकरी, संविदा पर रोजगार और सरकारी विभागों में तबादला कराने का झांसा देकर बेरोजगार युवाओं से लाखों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह का कोतवाली पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गिरोह के दो मुख्य सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से मिले डिजिटल साक्ष्यों में कई अभ्यर्थियों के शैक्षणिक दस्तावेज और कथित फर्जीवाड़े से जुड़े साक्ष्य मिले हैं। पुलिस के अनुसार, गिरोह अब तक करीब 100 से 150 अभ्यर्थियों से लाखों रुपये की ठगी कर चुका है। कार्रवाई में जिला स्पेशल टीम की भी अहम भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि जिले में संगठित अपराध और फर्जीवाड़े के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। 7 अगस्त को कोतवाली थाने में शिकायत मिली थी कि झालावाड़ और आसपास के क्षेत्रों में एक गिरोह सक्रिय है, जो गांव-गांव जाकर सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे गरीब और मध्यम वर्गीय बेरोजगार युवाओं को अपना निशाना बना रहा है। आरोपी विभिन्न सरकारी विभागों, अस्पतालों और स्कूलों में पक्की अथवा संविदा पर नौकरी लगवाने का झांसा देकर प्रत्येक अभ्यर्थी से 30 से 50 हजार रुपये तक एडवांस लेते थे।

# समन्वित अभियानों से माओवादी गतिविधियों में काफी कमी आई : डीजीपी

## माओवादी गढ़ से पर्यटन केंद्र में बदलता जा रहा है मुलुगु

मुलुगु,10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । तेलंगाना के डीजीपी सीवी आनंद ने सोमवार को करेंगुट्टालू (ब्लैक हिल्स) का दौरा किया, जिसे कभी तेलंगाना-छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमा पर स्थित 60 किलोमीटर लंबी पहाड़ी शृंखला पर माओवादियों का एक प्रमुख गढ़ माना जाता था, और इस दुरस्थ क्षेत्र को बेहतर बुनियादी ढांचे के साथ एक पर्यटन स्थल में बदलने की योजनाओं की घोषणा की। सड़क निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते हुए, आनंद ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और शांति के प्रतीक के रूप में सफेद कबूतर छोड़े, जो इस क्षेत्र के दशकों के वामपंथी उग्रवाद से विकास की ओर संक्रमण का प्रतीक है।

डीजीपी ने कहा कि तेलंगाना पुलिस, ग्रेहाउंड्स, सीआरपीएफ, कोबरा और छत्तीसगढ़ पुलिस द्वारा समन्वित अभियानों से माओवादी गतिविधियों में काफी कमी आई है। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन कागर के दौरान लगभग 700 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया, जबकि कई वरिष्ठ नेता मुठभेड़ों में मारे गए और अन्य मुख्यधारा में लौट आए। उन्होंने आश्वासन दिया कि आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों को समाज में पुनः एकीकृत होने में सुविधा प्रदान करने के लिए वित्तीय सहायता, भूमि और आजीविका के अवसरों सहित पुनर्वास सहायता प्राप्त होगी।

आनंद ने आगे कहा कि सरकार पर्यावरण और कानूनी मानदंडों का पालन करते हुए करेंगुट्टा की पर्यटन क्षमता को विकसित करने की योजना बना रही है। पामुरु से चलामदावा तक की सड़क का निर्माण पूरा हो चुका है और जल्द ही डामरीकरण का काम शुरू होने वाला है। उन्होंने बताया कि बिजली, मोबाइल कनेक्टिविटी और अन्य बुनियादी सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। इस दौरे के दौरान, डीजीपी ने पामुरु शिविर के पास स्थित गुट्टी कोया परिवारों को आवश्यक वस्तुएं वितरित कीं और उन्हें सरकार की निरंतर सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने सीआरपीएफ, विशेष रूप से इसकी 196 बटालियन के कर्मियों की, कठिन इलाकों में उनकी निरंतर सेवा और क्षेत्र में शांति बहाल करने में उनके योगदान की भी सराहना की। अतिरिक्त डीजीपी संजय जैन, आईजी चंद्र शेखर रेड्डी, इंटेलिजेंस आईजी कार्तिकेय, एसआईबी एसपी सिंधु शर्मा, मुलुगु कलेक्टर बोरकडे हेमंत सहदेवराव, मुलुगु एसपी सुधीर रामनाथ केकन, जिला वन अधिकारी विकास मीना, सीआरपीएफ अधिकारी और राजस्व, पर्यटन और अन्य विभागों के अधिकारी डीजीपी के साथ थे।

## डॉ. प्रियंका की मौत मामले में डॉक्टरों ने न्याय की मांग की

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गडवाल की रहने वाली युवा पोस्टग्रेजुएट मेडिकल स्टूडेंट डॉ. कनिके प्रियंका, जो राजमुंदरी में अपनी मास्टर्स की पढ़ाई कर रही थीं, की दुखद मौत ने तेलंगाना के मेडिकल समुदाय में व्यापक दुख और आक्रोश पैदा कर दिया है।

तेलंगाना में सरकारी डॉक्टरों का प्रतिनिधित्व करने वाले कई संगठनों ने डॉ. प्रियंका के शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और उनकी असामयिक मौत के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त और मिसाल कायम करने वाली कार्रवाई की मांग की।

3 अगस्त को, डॉ. प्रियंका और उनकी एक दोस्त टू-व्हीलर पर जा रही थीं, तभी नशे में धुत युवाओं द्वारा चलाई जा रही एक कार ने उन्हें टक्कर मार दी। इस भीषण टक्कर में डॉ. प्रियंका के सिर में गंभीर चोटें आईं। उन्हें बेहतर इलाज के लिए सिकंदराबाद के किम्स अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें ब्रेन-डेड घोषित कर दिया गया और दुखद रूप से रविवार, 9 अगस्त को उनका निधन हो गया।

तेलंगाना के स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए उनके परिवार और दोस्तों के प्रति संवेदना प्रकट की। उन्होंने कहा, उज्ज्वल भविष्य वाली एक युवा डॉक्टर को खोना बेहद दुखद है। मुझे उम्मीद है कि परिस्थितियों की गहन जांच की जाएगी और न्याय मिलेगा।

तेलंगाना जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन और तेलंगाना गवर्नमेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने इस घटना की कड़ी निंदा की और बिना किसी ढिलाई के पारदर्शी, समय-सीमा वाली जांच और सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की।

दोनों संगठनों का कहना है कि मेडिकल प्रोफेशनल्स अपनी ज़िंदगी जीते हुए पूरी सुरक्षा और सम्मान के हकदार हैं। डॉ. प्रियंका के शोक संतप्त परिवार के साथ मजबूती से खड़े रहने और उन्हें जल्द न्याय दिलाने का संकल्प लिया गया।

जीडिमेटला स्थित श्री आईमाताजी बडेर मे स्व. श्रीमती जमनीबाई भायल की श्रद्धांजलि सभा मे श्रद्धा के पुष्प अर्पित करते हुए परिजन तારाराम, वेलाराम, कालुराम, ओखाराम, नारायणलाल, रतनलाल, मोहनलाल, गणेशलाल, पुसाराम, सुरेश, अशोक, लक्ष्मीनारायण, गौतम, सुशील, किरन, यशवन्त, जगदीश भायल, समाज के गणमान्य लाबुराम, रमेश पँवार, नारायणलाल काग, खँगारसिंह लचेटा, जसवन्त देवड़ा, सोहनसिंह राजपुरोहित,परबत सोलंकी, सोहनलाल परिहार, मोटाराम, मगाराम, CA जसाराम बर्फा, प्रकाश, मांगीलाल आगलेचा, प्रकाश, वेनाराम, पुखराज सोयल, ओकाराम, गणेशराम सोलंकी, हीरालाल सेणचा, गोविन्द पँवार व प्रवासी समाज बन्धु ।

## मुर्गी चौक मार्केट के नए कॉम्प्लेक्स का इंतज़ार कर रहे हैं व्यापारी

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पुनर्विकास के लिए ऐतिहासिक महबूब चौक मार्केट (जिसे मुर्गी चौक के नाम से भी जाना जाता है) को तोड़े जाने के लगभग तीन साल बाद भी, कई व्यापारी नए कॉम्प्लेक्स के पूरा होने का इंतज़ार कर रहे हैं। पुनर्निर्माण का काम धीमी गति से चल रहा है, जिससे कारोबार प्रभावित हुए हैं और लोगों की आजीविका पर दबाव पड़ा है।

135 साल पुराने इस मार्केट को संरचनात्मक रूप से असुरक्षित घोषित किए जाने के बाद तोड़ दिया गया था। कुली कुतुब शाह अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी ने इसके खास हेरिटेज लुक और मशहूर क्लॉक टावर को बनाए रखते हुए कॉम्प्लेक्स के पुनर्निर्माण के लिए 36 करोड़ रुपये की परियोजना शुरू की थी।

प्रस्तावित कॉम्प्लेक्स में चार ब्लॉकों में 292 दुकानें होंगी। इसमें मीट और पोल्ट्री कारोबार के लिए खास ज़ोन के साथ-साथ आधुनिक ड्रेनेज और वेस्टवॉटर ट्रीटमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर भी शामिल होगा। अधिकारियों का कहना है कि देरी की वजह बजट की कमी, लंबे समय तक चलने वाला मॉनसून (जिससे निर्माण कार्य प्रभावित हुआ), हेरिटेज स्ट्रक्चर को बहाल करने में आने वाली जटिलताएँ और काम के दौरान आई तकनीकी दिक्कतें हैं।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि छत का काम चल रहा है और बहाली के काम में जल्दबाजी नहीं की जा सकती, क्योंकि इमारत के मूल आर्किटेक्चरल स्वरूप को बनाए रखने के लिए सावधानीपूर्वक काम करने की ज़रूरत है। अस्थायी व्यवस्था के तौर पर, 2022 में व्यापारियों को बिना किसी किराए के पुराने पेंशन ऑफिस और खिलवत में खज़ाना-ए-आमिरा ग्राउंड्स में अस्थायी जगहों पर शिफ्ट किया गया था। हालांकि, विस्थापित व्यापारियों में से केवल कुछ को ही जगह मिल पाई, जबकि कई अन्य सड़क किनारे से काम करने को मजबूर हैं या उन्होंने अपना कारोबार पूरी तरह बंद कर दिया है। विस्थापित व्यापारियों में से एक, शरीफ़ ने कहा, हमें यह भरोसा दिलाकर दूसरी जगह भेजा गया था कि नया बाज़ार एक साल के अंदर बनकर तैयार हो जाएगा। लेकिन आज भी काम अधूरा पड़ा है। मोहम्मद कलीम, जो पिछले तीन सालों से खिलवत में एक अस्थायी जगह से अपना कारोबार चला रहे हैं, ने कहा कि इतनी लंबी देरी का व्यापारियों पर बुरा असर पड़ा है।

उन्होंने कहा, हममें से कुछ ही लोगों को अस्थायी बाज़ार में जगह मिली। कई अन्य लोग सड़कों पर कारोबार कर रहे हैं, जबकि कुछ ने अपनी दुकानें बंद कर दी हैं क्योंकि वे नुकसान नहीं झेल पाए।

छठे निज़ाम मीर महबूब अली खान के शासनकाल में 1892 में बना महबूब चौक बाज़ार शुरू में किराने का सामान, पक्षियों और पुरानी चीज़ों के व्यापार के लिए जाना जाता था। बाद में यह हैदराबाद का सबसे मशहूर मीट और पोल्ट्री बाज़ार बन गया और इसे "मुर्गी चौक" के नाम से जाना जाने लगा। तोड़े जाने से पहले यहाँ 198 दुकानें थीं।

मेडचल गंडीमैसम्मा स्थित गेहलोत निवास पर महिला भजन मंडली द्वारा भजन कीर्तन प्रस्तुत किया गया। अवसर पर रेखा , गीता,भोडकि, नेता,गणकी, पिंकी, सुशील, गीता, भंवरी, ममता,कुकी बाई, ज्योती, भावना, ललिता, पुष्पा, गीत, रेखा सुमन, इंदिरा , सीता , सुमन , राधा, सीमा ,व समस्त महिला भजन मंडली व अन्य।

## कवाल में 6 महीनों के अंदर आठ वन अधिकारी सस्पेंड

मंचेरियल, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कवाल टाइगर रिज़र्व के जन्नाराम डिवीज़न में काम करने वाले आठ वन अधिकारियों को छह महीने की अवधि में सस्पेंड किया गया, जिससे वन्यजीवों की सुरक्षा और संरक्षण प्रभावित हुआ है।

जन्नाराम डिवीज़न पुराने आदिलाबाद ज़िले के 11 डिवीज़नों में से एक है। यह केटीआर (कवाल टाइगर रिज़र्व) के मुख्य क्षेत्र में स्थित है। बाघों के संरक्षण के नज़रिए से यह एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हालाँकि, नियमित अंतराल पर अधिकारियों के सस्पेंशन से डिवीज़न के प्रशासन पर बुरा असर पड़ने की संभावना है।

हाल ही की एक घटना में, इंदनापल्ली रेंज में आदिवासी युवाओं की पिटाई करने के आरोप में इंदनापल्ली के प्रभारी वन रेंज अधिकारी लक्ष्मीनारायण को सस्पेंड कर दिया गया। इससे पहले, छह महीने पहले डिवीज़न में रेत खनन और सागौन के पेड़ काटने की घटनाओं के बाद, कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप में चिंतागुडा सेक्शन अधिकारी भोजैया, बीट अधिकारी श्रीकांत, इंदनापल्ली एफआरओ श्रीधर चारी और बीट अधिकारी प्रणय को सस्पेंड किया गया था।

जन्नाराम के डिप्टी रेंज अधिकारी कुमार स्वामी, किश्तपुर के बीट अधिकारी परमेश्वर और एक अन्य अधिकारी को कवाल में जलधाराओं से रेत के अवैध खनन और परिवहन को रोकने में विफल रहने के कारण पहले ही सस्पेंड किया जा चुका है। रिज़र्व से अवैध रेत खनन की जाँच में लापरवाही बरतने के लिए अधिकारियों के एक बड़े हिस्से के खिलाफ कार्रवाई की गई है, जिससे अधिकारी चिंतित हैं।

अधिकारियों ने कहा कि लगातार अधिकारियों के सस्पेंड होने से जंगल की सुरक्षा एक मुश्किल काम हो गया है। रेंज और डिप्टी रेंज स्तर के अधिकारियों के सस्पेंशन के बाद जन्नाराम डिवीज़न में काम करने के लिए कोई आगे नहीं आ रहा है। लगातार सस्पेंशन के कारण स्टाफ़ की कमी ने न केवल सुरक्षा, बल्कि वन्यजीवों के संरक्षण को भी प्रभावित किया है।

उच्च अधिकारियों का मानना है कि बड़े पैमाने पर हो रहे रेत खनन से भूजल कम हो सकता है, जिससे गर्मियों में जंगली जानवर प्यासे रह सकते हैं। उन्होंने कहा कि जलधाराएँ जानवरों, खासकर बाघों और शाकाहारी जानवरों के लिए पीने के पानी का एक महत्वपूर्ण स्रोत हैं। हालाँकि, माइनिंग की समस्या के कारण जलधाराएँ सूख रही हैं, जिससे जानवरों को अपनी प्यास बुझाने के लिए इंसानी बस्तियों का रुख करना पड़ रहा है।

## मेडिकल छात्रा प्रियंका का शव घर भेजा गया

**परिवार को 20 लाख रुपये की सहायता राशि दी गई**

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । मेडिकल छात्रा प्रियंका (28) का पोस्टमार्टम सोमवार को यहां गांधी अस्पताल में पूरा हो गया, और उनका परिवार उनके पार्थिव शरीर को जोगुलम्बा गडवाल जिले के ऐजा मंडल के एकलसपुर गांव ले जाने की तैयारी कर रहा है। राज्य मंत्री वकिती श्रीहरि और राजामहेंद्रवरम शहरी विधायक श्रीनिवास ने अस्पताल में प्रियंका के पिता को सांत्वना दी। राजामहेंद्रवरम टीडीपी अध्यक्ष वेंकट रमना चौधरी पार्थिव शरीर को उनके पैतृक गांव ले जाएंगे, जबकि आंध्र प्रदेश के मंत्री टीजी भरत द्वारा आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा घोषित 20 लाख रुपये की अनुग्रह राशि सौंपी जाएगी।

प्रियंका की रविवार को उस समय मौत हो गई जब शराब के नशे में धुत दो युवकों द्वारा कथित तौर पर लापरवाही से चलाई जा रही एक कार ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। वाईएसआरसीपी अध्यक्ष वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने उनकी मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उनके माता-पिता ने उनकी शिक्षा के लिए बहुत त्याग किया था और आरोप लगाया कि इस घटना ने सरकार और पुलिस तंत्र की खामियों को उजागर किया है।

## 15 अगस्त को संगारेड्डी में स्मार्ट राशन कार्ड वितरण की शुरुआत करेंगे रेवंत रेड्डी

**मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी**

संगारेड्डी, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। । मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी आगामी 15 अगस्त को संगारेड्डी का दौरा करेंगे और राज्य में नए स्मार्ट राशन कार्डों के वितरण कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के मद्देनजर तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति के कार्यकारी अध्यक्ष जग्गा रेड्डी, जिला कलेक्टर प्रतीक जैन और जिला पुलिस अधीक्षक परितोष पंकज ने संगारेड्डी स्थित तारा सरकारी डिग्री महाविद्यालय परिसर में बनाए जा रहे हेलीपैड तथा अंबेडकर स्टेडियम में प्रस्तावित खुले सभा स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों और कार्यक्रम के आयोजकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए जग्गा रेड्डी ने आरोप लगाया कि पिछले दस वर्षों के भारत राष्ट्र समिति शासन के दौरान लोगों को पर्याप्त संख्या में राशन कार्ड उपलब्ध नहीं कराए गए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद पात्र प्रत्येक व्यक्ति को न्याय दिलाने के उद्देश्य से राज्यभर में एक करोड़ पांच लाख नए स्मार्ट राशन कार्ड वितरित किए जा रहे हैं।

# महेश बैंक ने 49वां स्थापना दिवस मनाया

## वित्तीय वर्ष के अंत तक 4100 करोड़ रुपये का बिजनेस करने का लक्ष्य: मुरली मनोहर पलोड

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ए.पी. महेश को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड ने रविवार, 9 अगस्त 2026 को हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित रोड नंबर-12 पर अपने हेड ऑफिस में 49वां स्थापना दिवस समारोह गरिमापूर्ण माहौल में मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। समारोह में बैंक के चेयरमैन सीए मुरली मनोहर पलोड, वाइस चेयरमैन गोविंद नारायण राठी, डायरेक्टर अमित लड्ढा, सीए अलका झंवर, दीपक कुमार बंग, देवेंद्र झंवर, श्रीमती कविता तोष्णीवाल, मुकुंदलाल बहेती, पवन कुमार लोहिया, रूपेश सोनी, प्रोफेशनल डायरेक्टर सुमेश कुमार बंग सहित बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के सदस्य, पूर्व चेयरमैन, पूर्व वाइस चेयरमैन, पूर्व डायरेक्टर, पूर्व बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट सदस्य, ग्राहक, शेयरहोल्डर्स और कर्मचारी अपने परिवारों के साथ उपस्थित रहे।

तेलंगाना राज्य के लिए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के रीजनल डायरेक्टर डॉ. चिन्मय कुमार समारोह के मुख्य अतिथि रहे। आरबीआई, सुपरविजन विभाग, हैदराबाद के प्रभृति सामल तथा बैंक के पूर्व चेयरमैन रमेश कुमार बंग विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे। चेयरमैन सीए मुरली मनोहर पलोड और वाइस चेयरमैन गोविंद नारायण राठी ने मुख्य अतिथि एवं विशेष अतिथियों को शॉल और मोती की माला पहनाकर सम्मानित किया।

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी हनुमानदास राठी ने कार्यक्रम में आए सभी गणमान्य अतिथियों, पूर्व डायरेक्टरों, शेयरहोल्डर्स, शुभचिंतकों, कर्मचारियों और उनके परिवारों का स्वागत किया। अपने संबोधन में उन्होंने बताया कि बैंक ने वित्त वर्ष 2020-21 में 4500 करोड़ रुपये का अधिकतम बिजनेस लेवल हासिल किया था।

समारोह के दौरान बैंक के पूर्व चेयरमैन पुरुषोत्तम मानधना, पूर्व वाइस चेयरमैन श्यामसुंदर मूंदड़ा, रामप्रकाश भंडारी, रामपाल अट्टल और लक्ष्मीनारायण राठी, पूर्व डायरेक्टर नारायणलाल बहेती, चैनसुख काबरा, गोविंदलाल सुमन हेडा, रमाकांत इन्नाणी, किशनगोपाल मणियार, प्रेम बजाज और श्रीगोपाल बंग तथा बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट सदस्य सीए एस.बी. काबरा को शॉल और मोती की माला देकर सम्मानित किया गया। मौजूदा बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के चेयरमैन सीए रामदेव भूतड़ा, सीए बजरंगलाल झंवर, सीए नरसिंहलाल धूत, इंजीनियर प्रवीण कुमार बहेती और प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी उमेश असावा को भी शॉल और मोती की माला से सम्मानित किया गया।

अपने उद्घाटन भाषण में चेयरमैन सीए मुरली मनोहर पलोड ने कहा कि बैंक ने 9 अगस्त 1978 को अपना सफर शुरू किया था। उन्होंने बैंक की स्थापना करने और इसे को-ऑपरेटिव संस्थाओं के बीच एक रोल मॉडल बनाने के लिए संस्थापकों के योगदान को याद किया। उन्होंने शेयरहोल्डर्स, ग्राहकों, बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स और स्टाफ के सहयोग के लिए आभार जताया। उन्होंने बताया कि बैंक ने पिछले छह महीनों में लगभग 350 करोड़ रुपये की कुल बढ़ोतरी हासिल की है और वित्तीय वर्ष के अंत तक 4100 करोड़ रुपये का बिजनेस करने का लक्ष्य रखा है।

उन्होंने यह भी बताया कि 6 अगस्त 2026 को हुई वार्षिक साधारण सभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए शेयरहोल्डर्स को 15 प्रतिशत डिविडेंड और स्टाफ को 15 प्रतिशत एक्स-ग्रेशिया देने की घोषणा की गई है। इसके अलावा शमीरपेट, निजामाबाद और जोधपुर (राजस्थान) में तीन नई शाखाएं खोलने की योजना है।

बैंक के पूर्व चेयरमैन रमेश कुमार बंग ने बैंक के साथ अपने लंबे जुड़ाव को याद करते हुए सभी को स्थापना दिवस की बधाई दी। उन्होंने बैंक कर्मचारियों को रोजमर्रा के कामकाज में नवीनतम तकनीक, सिस्टम, प्रक्रियाओं और नियम-कानूनों का पालन करने की सलाह दी। साथ ही ग्राहकों को साइबर हमलों और साइबर अपराधों के प्रति सतर्क एवं जागरूक करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को समय-समय पर शिक्षा और प्रशिक्षण देने से वे प्रोफेशनल और पर्सनल, दोनों तरह की जिंदगी में बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे।

आईटी विभाग के लक्ष्मीनारायण राठी की बेटी बेबी लास्या श्री ने नृत्य प्रस्तुति देकर समारोह में रंग भर दिया। कक्षा सातवीं से पोस्ट-ग्रेजुएशन तक पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों के बच्चों को मेरिट स्कॉलरशिप प्रदान की गई। 25 वर्ष की बेदाग सेवा पूरी करने वाले कर्मचारियों को मेमेंटो देकर सम्मानित किया गया। विभिन्न खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के विजेताओं और रनर-अप को इनाम एवं मेरिट प्रमाणपत्र तथा उत्कृष्ट शाखाओं को अवॉर्ड और प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

कार्यक्रम का समापन बैंक के वाइस चेयरमैन गोविंद नारायण राठी के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। उन्होंने सभी अतिथियों और सहयोगियों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि बैंक ने एक साधारण शुरुआत से सफर तय करते हुए अपने सभी स्टेकहोल्डर्स के लिए भरोसेमंद वित्तीय भागीदार बनने की दिशा में लगातार काम किया है।

# मानसून से पहले सड़कों और यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने पर जोर

## साइबराबाद पुलिस की विभिन्न विभागों के साथ समन्वय बैठक

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मानसून के दौरान साइबराबाद क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने और सड़क संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए साइबराबाद पुलिस ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय बैठक की। साइबराबाद पुलिस आयुक्त एम. रमेश की अध्यक्षता में हुई बैठक में सड़कों की मरम्मत, गड्ढों को भरने, जलभराव की समस्या दूर करने, फ्री-लेफ्ट विकसित करने तथा यातायात संकेतकों को दुरुस्त करने पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में साइबराबाद नगर निगम की आयुक्त सृजना, एचएमडब्ल्यूएस एंड एसबी के एमडी अशोक रेड्डी, टीजीएसपीडीसीएल के सीएमडी जितेश वी. पाटिल, टीजीआईआईसी के वीसी एवं एमडी के. शशांक, संयुक्त पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक) सनप्रीत सिंह, ट्रैफिक डीसीपी, कानून-व्यवस्था के डीसीपी, जोनल कमिश्नर, एडीसीपी ट्रैफिक, एई/एईई अधिकारी, हाइड्रा के कर्मचारी और अन्य विभागों के अधिकारी शामिल हुए। बैठक में नगर निगम अधिकारियों ने ऐसे कई सड़क मार्गों की पहचान की, जहां सड़कें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हैं और बड़े पैमाने पर गड्ढे हैं। साथ ही महत्वपूर्ण चौराहों पर यातायात के सुचारु संचालन के लिए नए फ्री-लेफ्ट बनाने और मौजूदा फ्री-लेफ्ट में सुधार की आवश्यकता वाले स्थानों को भी चिह्नित किया गया।

ट्रैफिक पुलिस ने बारिश के दौरान जलभराव वाले स्थानों की जानकारी साझा करते हुए नए ट्रैफिक सिग्नल लगाने तथा खराब पड़े सिग्नलों की मरम्मत और पुनर्स्थापना की आवश्यकता बताई। पैदल यात्रियों की सुरक्षा के लिए कई मार्गों पर फुटपाथों के निर्माण और सुधार की जरूरत पर भी चर्चा हुई। साइबराबाद नगर निगम आयुक्त ने आश्वासन दिया कि बैठक में चिन्हित सभी लंबित कार्यों और कमियों को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग ट्रैफिक पुलिस के साथ समन्वय बनाकर कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करेंगे। पुलिस आयुक्त एम. रमेश ने सभी संबंधित विभागों से यातायात पुलिस के साथ करीबी समन्वय बनाकर काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण चौराहों पर फ्री-लेफ्ट का विकास, क्षतिग्रस्त सड़कों और गड्ढों की मरम्मत, सड़क पर बाधा बन रहे बिजली के खंभों व अन्य यूटिलिटी ढांचे को हटाना, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सड़क चौड़ीकरण तथा बारिश के दौरान जलभराव रोकने के लिए प्रभावी कदम तत्काल उठाए जाने जरूरी हैं। बैठक में एचएमडब्ल्यूएस एंड एसबी, टीजीएसपीडीसीएल, हाइड्रा, टीजीआईआईसी, एचजीसीएल, आरएंडबी, एनएचएआई और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय सहित सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर तालमेल पर जोर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि संयुक्त प्रयासों से सड़क सुरक्षा बढ़ाने, यातायात जाम कम करने और वाहन एवं पैदल यातायात को सुचारु बनाने में मदद मिलेगी।

## सिंचाई टैंक में डूबे दो लड़के

निर्मल, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एक दुखद घटना में, सोमवार को कुभीर मंडल के डोडारना गाँव में सिंचाई टैंक में दो लड़के डूब गए। पुलिस ने बताया कि सोफियान (10), गणेश (11) और एक अन्य लड़का टैंक में तैरने गए थे। वे दोनों पानी में उतरे, जबकि तीसरा लड़का किनारे पर बैठा रहा। तैरना न जानने के कारण वे दोनों डूब गए। कुछ स्थानीय लोगों ने लड़कों को बचाने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रहे। सोफियान की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गणेश ने भैंसा के एक स्थानीय अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उनके शवों को टैंक से निकाला गया और पोस्टमार्टम के लिए भैंसा के स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है।

# ईगल फोर्स ने अंतर-राज्यीय गांजा नेटवर्क का भंडाफोड़ किया, तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ईगल फोर्स ने एलबी नगर पुलिस के साथ मिलकर गांजा सप्लाई करने वाले एक अंतर-राज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। सोमवार तड़के एलबी नगर में 3 लाख रुपये कीमत का छह किलोग्राम गांजा पहुंचाने की कोशिश करते हुए एक महिला सप्लायर और दो अन्य लोगों को पकड़ा गया।

गिरफ्तार संदिग्धों की पहचान छत्तीसगढ़ के बस्तर की रहने वाली सुनीता नाग (30), बस्तर की ही रहने वाली पूजा डिर्डो और नागरकुरनूल जिले के वांगुर मंडल के अन्नाराम गांव के रहने वाले राजमिस्त्री मंचला राजेश (27) के तौर पर हुई है।

पुलिस के अनुसार, सुनीता कथित तौर पर मलकानगिरी में रहने वाले अपने चचेरे भाई लखन से गांजा लेती थी और हैदराबाद में ग्राहकों को सप्लाई करती थी। 2026 की शुरुआत से, वह कथित तौर पर यह नशीला पदार्थ लगभग 3,500 रुपये प्रति किलो के भाव से खरीदती थी और लगभग 14,000 रुपये प्रति किलो के भाव से बेचती थी।

ईगल फोर्स के डायरेक्टर संदीप शांडिल्य ने बताया कि रविवार को 6 किलो गांजा लेने के बाद सुनीता और डिर्डो हैदराबाद आए थे। वे सोमवार सुबह करीब 4 बजे एलबी नगर पहुंचे और सत्यनारायण उर्फ सत्या उर्फ सत्ती नाम के ग्राहक से संपर्क किया। जब सुनीता और डिर्डो कथित तौर पर गांजा सौंपने लगे, तो ईगल फोर्स और उन्हें रोक लिया। अधिकारी ने बताया कि सत्यनारायण मौके से भाग निकला, जबकि राजेश, जो कथित तौर पर गांजा लेने आया था, पकड़ा गया। अब तक छह ग्राहकों की पहचान की जा चुकी है। पुलिस को यह भी पता चला कि डिरडो को कथित तौर पर 2025 में रायपुर पुलिस ने 10 किलो गांजे के साथ गिरफ्तार किया था।

लखन, सत्यनारायण, मल्लेश और शिवशंकर फरार हैं। पुलिस इस नेटवर्क की जांच कर रही है ताकि और सप्लायरों और ग्राहकों की पहचान की जा सके और पैसों के लेन-देन का पता लगाया जा सके।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

# सरफराज खान 2 साल बाद भारतीय टीम में शामिल

मुंबई, 10 अगस्त (एजेंसियां)। बैटर सरफराज खान को दो साल बाद टीम इंडिया में जगह मिली है। उन्हें श्रीलंका दौरे पर चोटिल साई सुदर्शन की जगह शामिल किया गया। बीसीसीआई ने इसकी जानकारी दी।

भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ गॉल में 15 अगस्त से पहला टेस्ट खेलेगी। सरफराज ने पिछला टेस्ट 2024 में वानखेड़े स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। वे अब तक 6 टेस्ट मैच ही खेल सके हैं।

बीसीसीआई ने साई सुदर्शन की रिकवरी पर अपडेट भी दिया। साई सुदर्शन बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन कर रहे हैं। वे अच्छी तरह ठीक हो रहे हैं। मेडिकल टीम उनकी रिकवरी पर लगातार नजर बनाए हुए है।

साई सुदर्शन को पिछले महीने श्रीलंका-ए के खिलाफ दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट के दौरान पैर के अंगूठे में चोट लगी थी। उन्होंने उसी दौरे पर लगातार दो शतक जड़कर शानदार फॉर्म दिखाई थी।

प्लेयर्स की चोटों से जूझ रही है टीम इंडिया

श्रीलंका दौरे से पहले ही भारतीय टीम कई चोटों से परेशान है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह घुटने की चोट के कारण पूरी टेस्ट सीरीज से बाहर हो चुके हैं।

वॉशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग इंजरी के चलते पहला टेस्ट नहीं खेलेंगे। हर्षित राणा (हैमस्ट्रिंग), नीतीश कुमार रेड्डी (क्वाड्रिसेप्स) और आकाश दीप (पीठ की चोट) भी उपलब्ध नहीं हैं।

नेट्स के दौरान टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की दाएं हाथ की अनामिका उंगली में चोट लगी थी। वे एहतियात के तौर पर वॉर्म-अप मैच के शुरुआती 2 दिन खेलने नहीं उतरे। हालांकि, तीसरे दिन वे यशस्वी जायसवाल के साथ ओपन करने उतरे और 44 रन बनाए।

**श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए भारत की अपडेटेड टीम**

शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन, औकिब नबी और सरफराज खान।

# इंग्लैंड डोमेस्टिक वनडे-टोबी ने 6 गेंदों पर 6 छक्के लगाए

## 37 गेंद में 86 रन बनाए, हैम्पशायर ने ससेक्स को 51 रन से हराया

होव, 10 अगस्त (एजेंसियां)। इंग्लैंड के वनडे कप में हैम्पशायर के बल्लेबाज टोबी अल्बर्ट ने लगातार 6 गेंदों पर 6 छक्के लगा दिया। उन्होंने ससेक्स के खिलाफ सिर्फ 37 गेंदों में 86 रन की तेज पारी खेली।

अल्बर्ट ने पहले ओवर में 2 छक्के आए। इसके बाद अगले ओवर में उन्होंने लगातार 4 गेंदों को सिक्स के लिए भेज दिया।

अल्बर्ट की पारी के बदौलत हैम्पशायर ने 383/9 रन बनाए। जवाब में ससेक्स 332 रन पर ऑलआउट हो गई। हैम्पशायर ने मुकाबला 51 रन से जीत लिया।

अल्बर्ट जब बल्लेबाजी करने आए, तब हैम्पशायर का स्कोर 200 रन के पार पहुंच चुका था। उन्होंने आते ही रन बनाने की रफ्तार बढ़ा दी।

ससेक्स के नैंटेस ओस्टहुइजन गेंदबाजी कर रहे थे। अल्बर्ट ने उनके ओवर में लगातार दो छक्के लगाए। इसके बाद अगला ओवर ओली कर्टली लेकर आए। अल्बर्ट ने उनकी लगातार चार गेंदों पर चार छक्के जड़ दिए।

हालांकि, इन छक्कों को एक ओवर में लगाए गए 6 छक्कों का रिकॉर्ड नहीं माना जाएगा। वजह यह है कि ये दो अलग-अलग ओवर में आए।

अल्बर्ट ने 37 गेंदों पर 86 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 5 चौके और 8 छक्के निकले। उनका स्ट्राइक रेट 232 का रहा। अल्बर्ट को 21 रन के स्कोर पर जीवनदान भी मिला।

हैम्पशायर की शुरुआत शानदार रही। एक समय टीम का स्कोर 225 रन बिना किसी नुकसान के था। ओपनर अली ऑर और 18 साल के बेन मेयस दोनों ने शतक लगाए। ऑर ने 105 रन बनाए। उन्होंने 14 चौके और एक छक्का लगाया।

वहीं मेयस ने 109 रन की पारी खेली। यह उनका लिस्ट-ए क्रिकेट में पहला शतक था। दोनों के बीच शतकीय साझेदारी सिर्फ 92 गेंदों में पूरी हुई थी।

हैम्पशायर ने 189 गेंदों में 200 रन पूरे कर लिए थे। अल्बर्ट के बाद एडी जैक ने 5 गेंदों पर 20 रन बनाए। उन्होंने भी एक छक्का लगाया।

हैम्पशायर ने 50 ओवर में 383/9 का स्कोर खड़ा कर दिया। यह हैम्पशायर का लिस्ट-ए क्रिकेट में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। टीम का सबसे बड़ा स्कोर 396/5 है। यह 2022 में केंट के खिलाफ बनाया गया था।

ससेक्स की शुरुआत खराब रही। टॉम हेन्स और ओली कार्टर जल्दी आउट हो गए। इसके बाद चार्ली टियर ने पारी संभाली। उन्होंने 94 गेंदों पर 111 रन बनाए। टियर ने 13 चौके और 2 छक्के लगाए।

20 ओवर के बाद ससेक्स का स्कोर 146/2 था। टियर के आउट होने के बाद जैक लीनिंग ने 92 रन बनाए। डैन इब्राहिम ने 55 रन की पारी खेली।

दोनों ने ससेक्स की पारी को संभालने की कोशिश की। लेकिन जरूरी रन रेट लगातार बढ़ता गया। इसके बाद ससेक्स 332 रन पर ऑलआउट हो गई। हैम्पशायर ने मुकाबला 51 रन से जीत लिया।

इस हार के साथ ससेक्स के लिए टूर्नामेंट में मुश्किलें बढ़ गई हैं। टीम ने अब तक 7 मैच खेले हैं। इनमें उसे सिर्फ एक जीत मिली है। यह उसकी छठी हार रही।

दूसरी ओर हैम्पशायर की यह टूर्नामेंट में चौथी जीत है। इस जीत के साथ उसकी नॉकआउट में पहुंचने की उम्मीदें मजबूत हुई हैं।

# टेनिस कोर्ट पर भी एआई : विरोधी की कमजोरी पता करने उपयोग कर रहे खिलाड़ी; कई के लिए साबित हुआ गेम चेंजर

पेरिस, 10 अगस्त (एजेंसियां)। एटीपी ने भी खिलाड़ियों के प्रदर्शन और शॉट क्वालिटी का डेटा निकालने के लिए 'टेनिस आईक्यू' प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है। हालांकि, कोर्ट पर एआई की सलाह हर किसी को रास नहीं आती।

एटीपी ने भी खिलाड़ियों के प्रदर्शन और शॉट क्वालिटी का डेटा निकालने के लिए 'टेनिस आईक्यू' प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है। हालांकि, कोर्ट पर एआई की सलाह हर किसी को रास नहीं आती।- प्रतीकात्मक फोटो

एआई ने हमारी जिंदगी और जानकारी जुटाने का तरीका पूरी तरह बदल दिया है। खेलों की दुनिया, खासकर टेनिस में इसका असर साफ दिख रहा है। अब टेनिस स्टार्स अपनी ट्रेनिंग, रणनीति और रोजमर्रा के कामों में एआई का खूब इस्तेमाल कर रहे हैं।

हालांकि, इसे लेकर खिलाड़ियों की राय बंटी हुई है। कुछ इसे गेम-चेंजर मानते हैं, तो कुछ के मुताबिक यह इंसानों को आलसी बना रहा है। ब्रिटेन की एमा राडुकानू एआई की बड़ी फैन हैं। वह इतिहास, कला और ट्रांसलेशन जैसे सवालों के लिए इसका इस्तेमाल करती हैं। उन्होंने स्पॉटिफाई की तर्ज पर एआई से अपना पर्सनैलिटी एनालिसिस तक करवा लिया और इसके सटीक नतीजे देखकर हैरान रह गईं कि एआई उनके बारे में कितना कुछ जानता है।

अमेरिका की जेसिका पेगुला ने बताया कि उनके पति अक्सर विरोधी खिलाड़ियों की एआई-जनरेटेड रिपोर्ट बनाते हैं। उनके मुताबिक, कई खिलाड़ी विरोधियों की टेक्निक को डिकोड करने के लिए एआई टूल्स का सहारा ले रहे हैं। 2019 की यूएस ओपन चैम्पियन बियांका आंद्रेस्कू ने हाल ही में एक गुमनाम विरोधी की रणनीति समझने के लिए एआई की मदद ली। चूंकि इंटरनेट पर उस खिलाड़ी के वीडियो कम थे, इसलिए एआई रिसर्च उनके लिए काफी मददगार साबित हुई। टेनिस जगत में एआई का इस्तेमाल सिर्फ खेल तक सीमित नहीं है। स्टार खिलाड़ी इगा स्वातेक अपने ईमेल ड्राफ्ट करने के लिए इसका उपयोग करती हैं। वहीं, एलिना स्वितोलिना ने तो हाल ही में एआई से फैशन टिप्स लेते हुए यह तक पूछ लिया कि उन पर कौन-से रंग के कपड़े सबसे ज्यादा जंचेंगे।

एटीपी ने भी खिलाड़ियों के प्रदर्शन और शॉट क्वालिटी का डेटा निकालने के लिए 'टेनिस आईक्यू' प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है। हालांकि, कोर्ट पर एआई की सलाह हर किसी को रास नहीं आती। दिग्गज डेनियल मेदवेदेव ने एआई से कार्लोस अल्कारेज और यानिक सिनर को हराने का तरीका पूछा। मेदवेदेव के मुताबिक, एआई की सलाह महज किताबी थी, जिसे कोर्ट पर लागू करना लगभग नामुमकिन है।

# भारतीय मूल की 11 साल की लड़की ब्रिटिश चेस चैंपियन

## बोधन सिवानंदन ने रैपिड प्लेऑफ में खिताब जीता

लंदन, 10 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय मूल की 11 साल की बोधन सिवानंदन ब्रिटेन की सबसे कम उम्र की महिला चेस चैंपियन बन गई हैं। उन्होंने आयरलैंड की त्रिशा कन्यामराला को रैपिड चेस प्लेऑफ में हराकर ब्रिटिश चेस चैंपियनशिप का खिताब जीता।

बोधन के अलावा भारतीय मूल के ही 17 साल के श्रीयस रॉयल ने भी चैंपियनशिप अपने नाम किया। श्रीयस ने नौ राउंड के बाद पॉइंट टेबल में सबसे ऊपर रहते हुए ओपन ब्रिटिश खिताब अपने नाम किया। 1 अगस्त को शुरु हुआ टूर्नामेंट रविवार को कोवेंट्री में खत्म हुआ।

बोधन ने कोविड महामारी के लॉकडाउन के दौरान पहली बार चेस खेलना शुरू किया था। उस समय उनके पिता के एक दोस्त भारत लौट रहे थे। उन्होंने उसे कुछ

बैग दिए थे, जिनमें चेस बोर्ड भी था। नॉर्थ-वेस्ट लंदन की स्कूली छात्रा ने इसके बाद लगातार रिकॉर्ड बनाए। तेज फॉर्मेट में वह पहले ही यूके ओपन महिला ब्लिट्ज चैंपियन और संयुक्त ब्रिटिश महिला रैपिड चैंपियन बन चुकी हैं। क्लासिकल फॉर्मेट के इस टूर्नामेंट की जीत के साथ 11 साल की बोधन ने तीनों फॉर्मेट में खिताब जीतने की उपलब्धि हासिल की। इस चैंपियनशिप में उन्हें एकमात्र हार छठे राउंड में श्रीयस रॉयल से मिली।

श्रीयस ने पहला ब्रिटिश खिताब जीता है। उन्हें 15 साल की उम्र में इंग्लैंड का यंगेस्ट ग्रैंडमास्टर घोषित किया गया था। साउथ-ईस्ट लंदन में रहने वाले श्रीयस टूर्नामेंट में खिताब की दौड़ में शामिल थे।

श्रीयस का जन्म भारत के बेंगलुरु में हुआ था। तीन साल की उम्र में वह माता-पिता जितेंद्र और अंजू सिंह के साथ ब्रिटेन चले गए थे।

ब्रिटिश चेस चैंपियनशिप 122 साल पुराना है। यह ब्रिटेन का सबसे बड़ा चेस टूर्नामेंट है। इस साल ओपन चैंपियनशिप के लिए 1,750 से ज्यादा लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया। विजेताओं को 34 हजार पाउंड की इनामी राशि दी गई।

# शेर-ए-पंजाब टी-20 क्रिकेट लीग की नीलामी

## आईपीएल की एसआरएच टीम का प्लेयर सबसे महंगा बिका; अभिषेक शर्मा-शुभमन गिल को 10-10 लाख मिलेंगे

मोहाली, 10 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से इंडियन प्रीमियर लीग की तर्ज पर आयोजित की जा रही शेर-ए-पंजाब टी20 लीग के लिए खिलाड़ियों की नीलामी हो रही है। नीलामी में आईपीएल खेल चुके खिलाड़ियों पर भी टीमों ने बोली लगाई। हालांकि, मार्की खिलाड़ी जैसे अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल के पहले ही 10 लाख रुपये तय हैं। इसलिए, नीलामी में इनकी बोली नहीं लगेगी।

आईपीएल खेल चुके सलिल अरोरा को लुधियाना लॉयंस ने 8.20 लाख रुपये में खरीदा। उनका बेस प्राइस डेढ़ लाख रुपये था। वहीं, किंग्स इलेवन पंजाब के लिए खेल चुके हरप्रीत बराड़ को मोहाली किंग्स ने 4 लाख रुपये में अपनी टीम में शामिल किया।

21 वर्षीय खिलाड़ी अमनजोत सिंह को जालंधर वॉरियर्स ने उनके बेस प्राइस डेढ़ लाख रुपये में खरीदा। नमन धीर को अमृतसर सूरमाज ने 10 लाख में खरीदा है। आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलने वाले सनवीर सिंह अब तक के सबसे महंगे प्लेयर साबित हुए। उनका बेस प्राइज डेढ़ लाख रुपये था, लेकिन फाजिल्का फाल्कंस ने उन्हें 13.20 लाख रुपये में खरीदा है।

पीसीए प्रेसिडेंट अमरजीत सिंह मेहता ने बताया कि लीग में कुल 6 टीमें हिस्सा लेंगी। प्रत्येक टीम में कम से कम 16 और अधिकतम 20 खिलाड़ी शामिल किए जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह लीग पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान का सपना था और अब पीसीए इसे साकार करने जा रहा है।

इन खिलाड़ियों के अलावा और 120 युवाओं का मौका मिलेगा। लीग में कुल 27 मुकाबले खेले जाने की जानकारी है। सभी मुकाबले मोहाली/न्यू चंडीगढ़ स्थित पीसीए इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाने हैं।

शेर-ए-पंजाब टी20 लीग का यह पहला एडिशन है। इसमें पंजाब के अलग-अलग शहरों के नाम पर बनाई गईं 6 टीमें हैं। लीग की शुरुआत 30 अगस्त 2026 से होगी। खिलाड़ियों का ऑक्शन 9 अगस्त 2026 को आयोजित किया गया।

पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के आधिकारिक नियमों के मुताबिक, शेर-ए-पंजाब T20 लीग में हर फ्रेंचाइजी को खिलाड़ियों की खरीद के लिए 45 लाख रुपये का सैलरी पर्स दिया गया है। सभी 6 टीमों के मार्की खिलाड़ियों की फीस 10 लाख रुपये फिक्स रखी गई है।

इसका मतलब है कि मार्की खिलाड़ी की फीस 45 लाख रुपये के बजट से कटने के बाद हर टीम के पास ऑक्शन में बाकी खिलाड़ियों को खरीदने के लिए 35 लाख रुपये बचेंगे। उदाहरण के तौर पर फाजिल्का फाल्कन्स के मार्की खिलाड़ी शुभमन गिल की फीस 10 लाख रुपये तय है।

# बस बहुत हुआ! टीम इंडिया की बिगड़ती फिटनेस से परेशान

## एक्शन लेने सीओई पहुंच रहे बीसीसीआई के बॉस

बेंगलुरु, 10 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम पिछले कुछ दिनों में कई मैच हारी है. उससे पहले ही टेस्ट फॉर्मेट में टीम को कुछ शर्मनाक नतीजों का सामना करना पड़ा है, जिससे टीम के साथ ही बीसीसीआई की भी बहुत किरकिरी हुई है. मगर मैदान के नतीजों से ज्यादा चिंताजनक स्थिति फिलहाल खिलाड़ियों की फिटनेस के कारण बनी हुई है, जो बड़े विवाद में बदलती जा रही है. अचानक टीम इंडिया के कई खिलाड़ी एक के बाद एक चोटिल हो रहे हैं. ऐसे हालात में अब बोर्ड के सचिव देवजित सैकिया खुद बेंगलुरु पहुंच रहे हैं, जहां वो कड़े सवाल-जवाब कर सकते हैं.

देवजित सैकिया बेंगलुरु में मौजूद बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) पहुंच रहे हैं. उनका ये दौरा ऐसे वक्त में आया है, जब टीम इंडिया श्रीलंका दौरे पर है और इस दौरे पर टेस्ट सीरीज के लिए चुने गए स्क्वॉड के 2 खिलाड़ी

मुकाबला शुरू होने से पहले ही बाहर हो चुके हैं. स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बाद 8 अगस्त को युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन के बाहर होने की खबर भी आ गई.

चोटिल होने वाले खिलाड़ियों में सिर्फ ये दो ही शामिल नहीं हैं बल्कि लिस्ट काफी लंबी हो चली है. ऐसे में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की मेडिकल टीम और वहां की प्रक्रिया पर भी सवाल उठ रहे हैं. इसको देखते हुए ही सैकिया बेंगलुरु पहुंच रहे हैं. यहां वो सीओई के 2 साल पूरे होने के अवसर पर कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे लेकिन इस दौरे का असली मकसद खिलाड़ियों की बिगड़ती फिटनेस की हकीकत समझना है.

पीटीआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सैकिया इस दौरान सेंटर के मुखिया वीवीएस लक्ष्मण से मुलाकात करेंगे और इस दौरान कुछ कड़ी चर्चा भी हो सकती है. क्या इस बैठक में चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर और हेड कोच गौतम गंभीर भी हिस्सा लेंगे? इसको लेकर फिलहाल स्थिति साफ नहीं हैं. ये एक ऐसा विषय है, जिसमें सीओई के साथ ही सेलेक्शन कमेटी और टीम मैनेजमेंट भी बराबर के भागीदार हैं. टीम इंडिया ने पिछले एक महीने के अंदर कुछ अहम खिलाड़ियों की चोट देखी है. इसमें इंग्लैंड दौरे से बाहर हुए हर्षित राणा और वॉशिंगटन सुंदर भी शामिल हैं. वहीं पहले से ही स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और उनके उतराधिकारी माने जाने वाले नीतीश कुमार रेड्डी लंबे वक्त से सेंटर में अपनी चोट को ठीक करने पर काम कर रहे हैं.

# भारत-बांग्लादेश सीरीज पर मंडराया संकट, बीसीबी की उम्मीदों को लगा बड़ा झटका

ढाका, 10 अगस्त (एजेंसियां)। भारत और बांग्लादेश के बीच 3 मैचों की वनडे और 3 मैचों टी-20 सीरीज खेलने की खबर सामने आई थी, जिसके लिए बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड से संपर्क किया था और सीरीज खेलने की पेशकश की थी. बीसीबी के अध्यक्ष तमीम इकबाल ने भी बांग्लादेश के सरकारी अधिकारियों से बात की थी. हालांकि अब ये सीरीज ठंडे बस्ते में जाती हुई दिखाई दे रही है. अब सीरीज पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं. बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनकी पार्टी के कुछ सदस्यों को 5 अगस्त को दिल्ली से वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस करने की अनुमति दिए जाने के बाद अब भारत और बांग्लादेश के बीच तल्खी बढ़ी है. जिसके बाद बांग्लादेश के गृहमंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने 8 अगस्त को भारत पर निशाना साधते हुए कहा था कि अगर दिल्ली से शेख हसीना ऐसे बयान देती है.

# सिनसिनाटी ओपन : घुटने की चोट के कारण यानिक सिनर टूर्नामेंट से बाहर, अल्काराज भी नहीं खेलेंगे

खेल डेस्क, 10 अगस्त (एजेंसियां)। मौजूदा विंबलडन चैंपियन और पांच बार के ग्रैंड स्लैम विजेता यानिक सिनर दाहिने घुटने की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से हट गए हैं। टूर्नामेंट के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल ने इसकी पुष्टि की। सिनर के बाहर होने के साथ ही टूर्नामेंट में टेनिस जगत के दो युवा सुपरस्टार सिनर और उनके चिर प्रतिद्वंद्वी कार्लोस अल्काराज नजर नहीं आएंगे। टूर्नामेंट के आधिकारिक हैंडल ने पोस्ट किया, 'यानिक सिनर दाहिने घुटने की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से हट गए हैं। हमारे 2024 चैंपियन को शुभकामनाएं और अगले साल आपको फिर देखने का इंतजार रहेगा।' सिनर ने 2024 में सिनसिनाटी ओपन का खिताब अपने नाम किया था। फाइनल में उन्होंने फ्रांसिस टियाफो को 7-6 (7-4), 6-2 से हराकर ट्रॉफी जीती थी। सिनर के हटने से टूर्नामेंट को बड़ा झटका लगा है। सिनसिनाटी ओपन का आयोजन 13

से 23 अगस्त तक होना है, जबकि सत्र का आखिरी ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन 30 अगस्त से 13 सितंबर तक खेला जाएगा।

सिनर से पहले उनके चिर प्रतिद्वंद्वी कार्लोस अल्काराज भी सिनसिनाटी ओपन से हट चुके हैं। सात बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन अल्काराज इस टूर्नामेंट में अपने पिछले साल के खिताब का बचाव नहीं कर पाएंगे। अल्काराज अप्रैल में बार्सिलोना ओपन के दौरान कलाई में चोट लगने के बाद से प्रतिस्पर्धी टेनिस से दूर हैं। चोट के कारण उन्हें फ्रेंच ओपन और विंबलडन से भी बाहर रहना पड़ा था।

# डब्ल्यूडबल्यूई में गूंजेगी भारत की दहाड़: भारतीय रेसलर्स वापसी कर मचा सकते हैं तहलका

खेल डेस्क, 10 अगस्त (एजेंसियां)। डब्ल्यूडबल्यूई ने भारत में कई बार लाइव इवेंट का आयोजन किया है. यहां से हर किसी को अच्छे बिजनेस की उम्मीद रहती है. रेसलिंग में भी अब काफी सफलता मिल रही है. भारत के कुछ रेसलर डब्ल्यूडबल्यूई में बवाल मचा चुके हैं. द ग्रेट खली ने सबसे पहले वहां पर वर्ल्ड टाइटल जीतकर इतिहास रचा था. इसके बाद अन्य रेसलर्स ने बड़ा नाम बनाया. हैरान करने वाली ये है कि मौजूदा समय में कोई भी भारतीय रेसलर डब्ल्यूडबल्यूई में काम नहीं कर रहा है. इसे लेकर ट्रिपल एच हमेशा चर्चा में रहते हैं. यहां हम आपको पांच भारतीय स्टार्स के बारे में बताएंगे जिनकी वापसी फ्यूचर में डब्ल्यूडबल्यूई में हो सकती है.

जिंदर महल ने कई सालों तक डब्ल्यूडबल्यूई में काम किया. वो टॉप रेसलर्स की लिस्ट में थे. 2024 में उन्हें रिलीज कर

दिया गया. महल ने 2017 में डब्ल्यूडबल्यूई चैंपियनशिप भी जीती थी. डब्ल्यूडबल्यूई से जाने के बाद महल ने इंडिपेंडेंट सर्किट में बढ़िया एक्शन दिखाया. वो कुछ टाइटल भी जीत चुके हैं. फ्यूचर में महल की दोबारा डब्ल्यूडबल्यूई में वापसी देखने को मिल सकती है. ट्रिपल एच उन्हें वापस ला सकते हैं.

सांगा ने एनएक्सटी में जोरदार प्रदर्शन किया. वहां पर उनका कैरेक्टर बहुत ही खतरनाक था. उनकी मेन रोस्टर में भी एंट्री हुई. हालांकि, उन्हें मेन रोस्टर में ज्यादा सफलता नहीं मिली. 2024 में कंपनी ने उन्हें भी रिलीज कर दिया था. सांगा मौजूदा समय में कहीं काम नहीं कर रहे हैं. फ्यूचर में हो सकता है कि वो डब्ल्यूडबल्यई में आए जाएं. उनकी वापसी हो सकती है.

महाबली शेरा ने कुछ समय डब्ल्यूडबल्यूई में बिताया है. हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा था कि वो डब्ल्यूडबल्यूई में आना चाहते हैं. उन्होंने अपने लक्ष्य के बारे में बात की थी. शेरा को फ्यूचर में ट्रिपल एच न में ला सकते हैं. शेरा की तगड़ी बॉडी है और वो कंपनी में बढ़िया काम कर सभी को दिल जीत सकते हैं.

शैंकी को भी कुछ साल पहले रिलीज कर दिया गया था. उन्होंने मेन रोस्टर में जिंदर महल के साथ अच्छा काम किया था. शैंकी कभी-कभी इंडिपेंडेंट सर्किट में अभी भी परफॉर्म करते हैं. उनका हाइट काफी अच्छी है. एक्शन भी उनका शानदार रहता है. वो फ्यूचर में डब्ल्यूडबल्यूई में वापसी कर बवाल मचा सकते हैं. द ग्रेट खली ने कई साल तक डब्ल्यूडबल्यूई में काम कर फैंस का दिल जीता. वो चैंपियन भी बने. दिग्गजों के साथ उनकी राइवलरी देखने को मिली. खली कई सालों से डब्ल्यूडबल्यूई में नहीं आए हैं. हो सकता है कि वो आगे जाकर एक अंतिम मैच के लिए वापसी करें. ट्रिपल एच उन्हें रिटायरमेंट मैच के लिए वापस ला सकते हैं.

# मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी अपनी पत्नी के साथ प्रारंभिक अनुष्ठानों में शामिल

नागार्जुन सागर, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता ) । सुबह की धूप कृष्णा नदी के जल को छूने से बहुत पहले ही, नागार्जुन सागर में छाई शांति वर्षा और जल के देवता भगवान वरुण से तेलंगाना पर आशीर्वाद मांगने के लिए वैदिक मंत्रों के गंभीर उच्चारण से टूट गई।

सोमवार को ब्रह्म मुहूर्त के पवित्र समय में नागार्जुन सागर के तट पर स्थित विजय विहार में महा वरुण यज्ञ का शुभारंभ हुआ, जिसमें 108 ऋत्विकों, वैदिक विद्वानों और पुजारियों ने दिनभर चलने वाले इस अनुष्ठान में भाग लेकर व्यापक वर्षा, नदियों के प्रवाह, जलाशयों के पुनर्भरण और किसानों की समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी, अपनी पत्नी और कोदंड विधायक पद्मावती उत्तम कुमार रेड्डी के साथ, प्रारंभिक अनुष्ठानों में शामिल हुए, जब पुजारियों ने यज्ञशाला को आवाहन के लिए तैयार किया। समारोह का शुभारंभ चतुर्वेद पाठम से हुआ, जिसमें ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद सहित चारों वेदों का पाठ किया गया। बत्तीस ऋत्विकों ने यज्ञशाला के चारों ओर अपने-अपने स्थान ग्रहण कर मुख्य अनुष्ठान संपन्न किए, जबकि शेष 108 सदस्यीय समूह ने निरंतर वैदिक मंत्रोच्चार और जप में भाग लिया।मंत्रोच्चारण के बाद अग्नि

प्रतिष्ठापना हुई, जो पवित्र अग्नि की विधिपूर्वक स्थापना है। इसके बाद वरुण का आह्वान करते हुए और आकाश, नदियों, पृथ्वी और मानवता के बीच सामंजस्य स्थापित करने के लिए लयबद्ध मंत्रोच्चार के बीच होम कुंड में आहुति दी गई। यज्ञ संपन्न कराने वालों के लिए, इस स्थान का विशेष ऐतिहासिक महत्व है। इस समारोह से जुड़े पुजारियों ने बताया कि वर्तमान नागार्जुन सागर क्षेत्र, जिसे ऐतिहासिक रूप से विजयपुरी के नाम से जाना जाता है, प्राचीन काल में वरुण की पूजा का गवाह रहा है। उन्होंने वरुण से जुड़ी एक प्राचीन प्रतिमा का हवाला दिया, जो अब नालगोंडा संग्रहालय में संरक्षित है, और इसे इस क्षेत्र में ऐसी पूजा की प्राचीनता का प्रमाण बताया।

पुजारियों के अनुसार, ऐतिहासिक संबंध महा वरुण यज्ञ को एक अतिरिक्त आध्यात्मिक आयाम प्रदान करता है - सदियों बाद कृष्णा नदी के किनारे जल के लिए की जाने वाली एक प्राचीन प्रार्थना को पुनर्जीवित करता है। वैदिक अनुष्ठानों का नेतृत्व और समन्वय करने वालों में यदगिरिगुट्टा श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी देवस्थानम से जुड़े विद्वान और पुजारी शामिल हैं, जिनमें प्रमुख पुजारी आचार्य वेंकटाचार्युलु, नरेश शर्मा, वेंकट राम शर्मा, आदित्य शर्मा और अन्य वैदिक विद्वान शामिल हैं।संकल्पम के माध्यम से, पुजारी तेलंगाना भर में व्यापक और समान रूप से वितरित वर्षा के साथ-साथ कर्नाटक और महाराष्ट्र के ऊपरी कृष्णा और गोदावरी जलग्रहण क्षेत्रों में भरपूर बारिश की कामना कर रहे हैं ताकि राज्य में निरंतर जल प्रवाह सुनिश्चित हो सके।

इन प्रार्थनाओं में जलाशयों और ग्राम तालाबों के पुनर्भरण, भूजल स्तर के पुनरुद्धार, खड़ी खरीफ फसलों की सुरक्षा और कृषि समुदाय की समृद्धि की भी कामना की गई है। अनियमित मानसून और वर्षा की संभावनाओं को लेकर चिंताओं के मद्देनजर आध्यात्मिक प्रार्थना का महत्व बढ़ जाता है।जहां इंजीनियर जलाशयों के जलस्तर, नदियों के प्रवाह और सिंचाई की आवश्यकताओं की निगरानी करना जारी रखते हैं, वहीं विजयपुरी में महा वरुण यज्ञ राज्य की नदियों, कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बनाए रखने वाली वर्षा के लिए आकाश से की जाने वाली एक पारंपरिक प्रार्थना का प्रतीक है।

## तेलंगाना में पानी का सावधानीपूर्वक उपयोग करने की योजना : उत्तम रेड्डी

नागार्जुन सागर, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । नागरिक आपूर्ति और सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना सरकार अल नीनो के संभावित प्रभाव को कम करने के लिए आध्यात्मिक, प्रशासनिक और जल-प्रबंधन उपायों का एक संयोजन अपना रही है, जिससे मानसून के शेष महीनों के दौरान वर्षा प्रभावित हो सकती है। सोमवार को नागार्जुन सागर में आयोजित महा वरुण यज्ञ के अवसर पर बोलते हुए उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार प्रचुर और व्यापक वर्षा के लिए प्रार्थना कर रही है और साथ ही जलाशयों, नदियों और तालाबों में उपलब्ध जल का अधिकतम उपयोग करने के लिए सिंचाई प्रणाली तैयार कर रही है।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना में अच्छी बारिश, कृष्णा और गोदावरी नदियों में स्वस्थ जल प्रवाह, जलाशयों और तालाबों की पूर्ति और एक समृद्ध कृषि मौसम की कामना के लिए कृष्णा नदी के किनारे वरुण यज्ञ किया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि उभरती हुई अल नीनो की स्थिति चिंता का विषय है क्योंकि इससे आने वाले महीनों में बारिश पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए, सरकार केवल भविष्य में होने वाली बारिश की उम्मीदों पर निर्भर नहीं रह सकती और पानी के उपयोग की योजना सावधानीपूर्वक बना रही है। उन्होंने कहा, पानी की हर बूंद का सावधानीपूर्वक उपयोग करना होगा।

किसानों के हितों की रक्षा करना और यह सुनिश्चित करना कि कृषि मौसम के दौरान पर्याप्त पानी उपलब्ध रहे, हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उत्तम कुमार रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि कृष्णा और गोदावरी नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार वर्षा होना तेलंगाना के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हालांकि हाल ही में हुए जल प्रवाह से दोनों नदी घाटियों में सिंचाई परियोजनाओं को कुछ राहत मिली है, लेकिन जलाशयों के स्तर में काफी सुधार करने और सिंचाई के लिए अधिक निश्चितता प्रदान करने के लिए ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में निरंतर वर्षा आवश्यक होगी। मंत्री ने कहा कि सरकार वर्षा, नदी में पानी के प्रवाह, जलाशयों में पानी के स्तर और सिंचाई की आवश्यकताओं पर बारीकी से नजर रख रही है और पानी की वास्तविक उपलब्धता के आधार पर निर्णय लेगी। उन्होंने आगे कहा कि जलाशयों के जल स्तर और कृषि मौसम के दौरान पानी की संभावित उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए किसानों को उपयुक्त फसल पैटर्न के बारे में भी सलाह दी जाएगी।

# तेलंगाना के 4.21 लाख मछुआरों को मिलेगा समूह दुर्घटना बीमा : मंत्री श्रीहरि

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता) । तेलंगाना सरकार ने वर्ष 2026-27 के लिए राज्य के 4,21,767 पंजीकृत मछुआरों को समूह दुर्घटना बीमा योजना के दायरे में शामिल करने की मंजूरी दी है। राज्य के पशुपालन, डेयरी विकास, मत्स्य, युवा सेवा एवं खेल मंत्री वाकिति श्रीहरि ने सोमवार को यह जानकारी दी। मंत्री ने कहा कि मछुआरों के कल्याण, आजीविका की सुरक्षा और सामाजिक संरक्षण को सरकार सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।

दुर्घटना में मछुआरे की मृत्यु अथवा स्थायी दिव्यांगता की स्थिति में उसके परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से समूह दुर्घटना बीमा योजना लागू की जा रही है। योजना के तहत 18 से 70 वर्ष आयु के 4,21,767 पंजीकृत मछुआरों को बीमा सुरक्षा मिलेगी। प्रत्येक लाभार्थी का वार्षिक बीमा प्रीमियम 79.96 रुपये है, जिसका वहन केंद्र और राज्य सरकार 60:40 के अनुपात में करेंगी। राज्य सरकार अपने हिस्से के रूप में 21 करोड़ 34 लाख 79 हजार 673 रुपये का भुगतान करेगी। इससे पात्र मछुआरों पर प्रीमियम का कोई आर्थिक बोझ नहीं पड़ेगा। योजना के तहत दुर्घटना में मृत्यु होने पर 5 लाख रुपये, स्थायी पूर्ण दिव्यांगता पर 5 लाख रुपये और स्थायी आंशिक दिव्यांगता की स्थिति में 2.50 लाख रुपये की बीमा राशि दी जाएगी।

दुर्घटना के कारण अस्पताल में भर्ती होने पर अधिकतम 25 हजार रुपये तक चिकित्सा सहायता भी उपलब्ध होगी। मंत्री ने बताया कि 1 जून 2026 से प्रभावी पॉलिसी अवधि में प्रत्येक पात्र पंजीकृत मछुआरे को निरंतर बीमा सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए मत्स्य विभाग आवश्यक कदम उठा रहा है। उन्होंने कहा कि संकट की घड़ी में मछुआरों के परिवारों को आर्थिक सहारा देने और उनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। समूह दुर्घटना बीमा योजना मछुआरा कल्याण के लिए चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

# हरीश राव ने कालेश्वरम की सभी पंप चालू कर जलाशयों को भरने की मांग की

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के विधायक और पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने तेलंगाना सरकार से कालेश्वरम परियोजना के तहत पंपों को तत्काल चालू कर विभिन्न जलाशयों में पानी भरने की प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि अन्नपूर्णा, रंगनायक सागर, मल्लन्ना सागर, कोंडपोकम्मा सागर और बसवापुर सहित अन्य जलाशयों को भरना किसानों के हित में बेहद जरूरी है। हरीश राव ने सोमवार को सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी को लिखे पत्र में कहा कि कालेश्वरम परियोजना के तहत लगभग चार लाख एकड़ अयाकट क्षेत्र के किसानों के हितों की रक्षा के लिए सरकार को तत्काल कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि मौजूदा खरीफ मौसम में कम बारिश के कारण किसान गंभीर परेशानी का सामना कर रहे हैं। अल नीनो परिस्थितियों के कारण वर्षा में कमी और समय पर सिंचाई जलाशयों के नहीं भरने से फसलों की खेती प्रभावित हो रही है। उन्होंने सरकार से हाल में ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में हुई बारिश के बाद गोदावरी में नीचे की ओर बह रहे बाढ़ के पानी का अधिकतम उपयोग करने और पानी की एक-एक बूंद को संरक्षित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि किसानों के हित में कालेश्वरम परियोजना की पंपें बिना किसी देरी के चालू कर पानी की पंपिंग शुरू की जानी चाहिए। हरीश राव ने कहा कि कालेश्वरम परियोजना के महत्वपूर्ण घटक मध्य मनेयर जलाशय की पूर्ण जल भंडारण क्षमता 27 टीएमसी है, जबकि वर्तमान में इसमें करीब 22 टीएमसी पानी उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण गोदावरी में आने वाले पानी की मात्रा बढ़ने की संभावना है। उन्होंने सरकार से मध्य मनेयर पर पंप चालू कर पानी की पंपिंग शुरू करने के साथ ही तालाबों और छोटे बांधों को भरने की मांग की, ताकि लगभग चार लाख एकड़ अयाकट क्षेत्र को सिंचाई का पानी उपलब्ध कराया जा सके।

## शब्बीर अली के स्कूल का पांच करोड़ रुपये से होगा कायाकल्प

कामारेड्डी, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के सलाहकार एवं पूर्व मंत्री मोहम्मद अली शब्बीर ने सोमवार को कामारेड्डी स्थित जिला परिषद बालक उच्च विद्यालय का दौरा कर उसके पुनर्विकास की योजनाओं की समीक्षा की। इसी विद्यालय में उन्होंने शिक्षा प्राप्त की थी। विद्यालय के कायाकल्प के लिए पांच करोड़ रुपये की राशि मंजूर की गई है। पुनर्विकास के तहत मौजूदा विद्यालय भवन को ध्वस्त कर उसकी जगह आधुनिक भवन का निर्माण किया जाएगा। नए भवन में बेहतर कक्षाओं के साथ प्रयोगशालाएं, कंप्यूटर प्रयोगशालाएं और डिजिटल शिक्षा की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। शब्बीर अली ने बताया कि उन्होंने विद्यालय की आवश्यकताओं को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के समक्ष रखा था और धनराशि की मंजूरी दिलाने में सहयोग किया। अपने छात्र जीवन को याद करते हुए शब्बीर अली ने कहा कि उन्होंने वर्ष 1971 में इसी विद्यालय में पढ़ाई की थी और तभी से विद्यालय के विकास में योगदान देने की इच्छा रही है। दौरे के दौरान उन्होंने अपने पूर्व सहपाठियों से भी मुलाकात की और शिक्षकों तथा बचपन की यादों को साझा किया। उन्होंने कहा, भवन बदल जाएगा, लेकिन इस विद्यालय ने मुझे जो यादें दी हैं, वे कभी नहीं बदलेंगी। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर विद्यालय के विकास के लिए वे अपने निजी संसाधनों से भी आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रहे हैं। पूर्व छात्रों ने विद्यालय के लिए धनराशि जुटाने और आने वाली पीढ़ियों के लिए सुविधाओं में सुधार कराने के उनके प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष उमरानी श्रीनिवास, नगर कांग्रेस अध्यक्ष ऐरेनी संदीप, पुस्तकालय अध्यक्ष मद्दी चंद्रकांत रेड्डी सहित कई पूर्व छात्र उपस्थित रहे।

# संगारेड्डी ज़िले के सिरगापुर में 125 प्रतिशत ज़्यादा बारिश

संगारेड्डी, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जहाँ पूरे तेलंगाना में अल नीनो पैटर्न का गंभीर असर देखा गया, वहीं इसके उलट संगारेड्डी ज़िले के सिरगापुर मंडल में ज़बरदस्त बारिश हुई। 125 प्रतिशत ज़्यादा बारिश के साथ, नारायणखेड़ विधानसभा क्षेत्र में स्थित इस मंडल में राज्य में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के दौरान सबसे ज़्यादा बारिश हुई।

10 अगस्त को सुबह 8:30 बजे तक, सिरगापुर में 408 मिमी की सामान्य बारिश के मुकाबले 919 मिमी बारिश दर्ज की गई। इस मौसम में तेलंगाना के किसी अन्य मंडल में 900 मिमी से ज़्यादा बारिश नहीं हुई। इसने इस साल की औसत सामान्य बारिश के आंकड़े को भी 66 मिमी से पार कर लिया है। 854 मिमी की औसत सामान्य बारिश के मुकाबले, मंडल में 919 मिमी बारिश हुई, जबकि पिछले 24 घंटों में यहाँ कोई बारिश नहीं हुई थी।

इस मंडल में भारी बारिश के कारण, नल्लावागु धारा पर बनी मध्यम सिंचाई परियोजना 'नल्लावागु' पिछले चार दिनों से ओवरफ़्लो हो रही है। यह परियोजना संगारेड्डी और कामारेड्डी ज़िलों में 6,500 एकड़ ज़मीन के लिए सिंचाई का पानी उपलब्ध कराएगी। ज़बरदस्त बारिश के कारण भूजल का स्तर बढ़ा और मंडल में जलाशय पानी से लबालब भर गए।

## ईगल फोर्स के निदेशक संदीप शांडिल्य और अंडर-19 क्रिकेटर आरोन जॉर्ज सम्मानित

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 320-एच की ओर से सिकंदराबाद स्थित वोरला कन्वेंशन में आयोजित समारोह में तेलंगाना नारकोटिक्स ब्यूरो की ईगल फोर्स के निदेशक एवं आईपीएस अधिकारी संदीप शांडिल्य तथा भारत की अंडर-19 क्रिकेट टीम के बल्लेबाज आरोन जॉर्ज को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। जिला गवर्नर लायन अशोक कुमार स्वैन ने दोनों को सम्मानित किया। समारोह को संबोधित करते हुए संदीप शांडिल्य ने युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने के लिए परिवार और समाज की सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करना जरूरी है। उन्होंने नशामुक्ति के लिए लायंस क्लबों और प्रेरक वक्ता लायन गंपा नागेश्वर राव द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। भारत के अंडर-19 क्रिकेटर आरोन जॉर्ज ने लायंस क्लबों की सामाजिक सेवा गतिविधियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि सरकारी सहायता के साथ सामाजिक संस्थाओं को भी जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए आगे आना चाहिए। मुख्य अतिथि लायन रामकृष्णन मथानगोपाल, आईपीआईडी एवं एलसीओआई चेयरमैन ने लायंस इंटरनेशनल की सेवा गतिविधियों की जानकारी दी। जिला गवर्नर अशोक कुमार स्वैन ने वर्षभर चलने वाली सेवा गतिविधियों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बड़े स्तर पर सेवा कार्य संचालित करने की योजना की जानकारी दी। कार्यक्रम में लायन दीपक भट्टाचार्जी, एलसीआईएफ एरिया लीडर ने नव निर्वाचित जिला कैबिनेट का पदस्थापन कराया। इसमें प्रथम उप जिला गवर्नर लायन डी. लिंगा रेड्डी, द्वितीय उप जिला गवर्नर लायन पी. मनोज कुमार सहित अन्य पदाधिकारी शामिल हुए। इस अवसर पर जिला मुख्य सलाहकार लायन एन. मनोहर रेड्डी, जिला सचिव लायन पी. संतोष कुमार, जिला कोषाध्यक्ष लायन के. जयपाल रेड्डी और कार्यक्रम अध्यक्ष लायन पी. रवींद्रनाथ गुप्ता सहित बड़ी संख्या में लायंस पदाधिकारी मौजूद रहे।

## हैदराबाद-बेंगलुरु रक्षा औद्योगिक गलियारे को मंजूरी देने की मांग

नई दिल्ली, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के विशेष प्रतिनिधि एवं खेल मामलों के सलाहकार ए.पी. जितेंद्र रेड्डी ने सोमवार को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर हैदराबाद-बेंगलुरु रक्षा औद्योगिक गलियारे को केंद्र सरकार की ओर से औपचारिक रूप से रक्षा एवं एयरोस्पेस गलियारे के रूप में अधिसूचित करने की मांग की।

इस दौरान खम्मम के सांसद आर. रघुराम रेड्डी और महबूबाबाद के सांसद बलराम नायक भी उनके साथ मौजूद रहे। जितेंद्र रेड्डी ने केंद्रीय मंत्री को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की ओर से किए गए अनुरोध से अवगत कराते हुए कहा कि हैदराबाद-बेंगलुरु गलियारे को उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में पहले से स्थापित रक्षा औद्योगिक गलियारों की तर्ज पर केंद्र सरकार की मान्यता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि हैदराबाद देश के प्रमुख एयरोस्पेस और रक्षा केंद्रों में शामिल है। यहां एक दर्जन से अधिक प्रमुख रक्षा सार्वजनिक उपक्रम (पीएसयू), रणनीतिक महत्व की डीआरडीओ प्रयोगशालाएं तथा 1,500 से अधिक एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र की एमएसएमई इकाइयां कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025-26 में तेलंगाना के एयरोस्पेस एवं रक्षा क्षेत्र के निर्यात में 100 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। जितेंद्र रेड्डी ने कहा कि प्रस्तावित रक्षा औद्योगिक गलियारा देश में स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ अनुसंधान एवं विकास को गति देगा। इसके अलावा बुनियादी ढांचे के निर्माण, औद्योगिक क्षमता विस्तार और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह पहल 'मेक इन इंडिया' अभियान और देश की रक्षा तैयारियों को भी महत्वपूर्ण रूप से मजबूत करेगी।

## मानसून में सुरक्षित रेल परिचालन को लेकर दक्षिण मध्य रेलवे की तैयारियों की समीक्षा

### जीएम के सुरक्षा प्रोटोकॉल पालन सुनिश्चित करने के निर्देश

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने सोमवार को सिकंदराबाद स्थित रेल निलयम में सुरक्षा समीक्षा बैठक आयोजित कर मानसून के दौरान निर्बाध एवं सुरक्षित रेल परिचालन सुनिश्चित करने की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में अपर महाप्रबंधक सत्य प्रकाश, विभागों के प्रधान प्रमुखों के साथ सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक वीडियो सम्मेलन के माध्यम से शामिल हुए। महाप्रबंधक ने मानसून की तैयारियों की समीक्षा करते हुए पटरियों की गुणवत्ता और रखरखाव पर विशेष जोर दिया। उन्होंने मैदानी कर्मचारियों को निर्देश दिया कि भारी बारिश के दौरान पटरियों की स्थिरता बनाए रखने के लिए बैलास्ट की पूरी तरह से जांच सुनिश्चित की जाए। उन्होंने नवनिर्मित पुलों, रेल अंडर ब्रिजों तथा नई रेल लाइनों पर

विशेष ध्यान देने को कहा, क्योंकि अपने पहले मानसून के दौरान ये स्थान अपेक्षाकृत अधिक संवेदनशील होते हैं। उन्होंने सुरक्षित रेल परिचालन से संबंधित सभी गतिविधियों में कड़े सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रेलवे कर्मचारियों के साथ-साथ कार्य में लगे ठेकेदारों और संबंधित एजेंसियों को भी निर्धारित सुरक्षा प्रक्रियाओं का पूरी तरह पालन करना होगा। छोटी से छोटी असुविधा या समस्या की भी तत्काल सूचना देने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि समय पर जानकारी मिलने से आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई शीघ्र की जा सकेगी। महाप्रबंधक ने संवेदनशील स्थानों पर रेल परिचालन की सुरक्षा के लिए पहले से ही खाई खोदने, बैरिकेडिंग सहित अन्य सुरक्षात्मक इंतजाम करने के निर्देश दिए। उन्होंने संवेदनशील रेल खंडों के आसपास रहने वाले ग्रामीणों को मवेशियों के रेलगाड़ियों की चपेट में आने की घटनाओं के खतरे के प्रति जागरूक करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की भी सलाह दी। संजय कुमार श्रीवास्तव ने मानसून के दौरान सतर्कता और पूर्व-सावधानी के आधार पर सुरक्षा उपायों को मजबूत करने की आवश्यकता दोहराई। उन्होंने कहा कि दक्षिण मध्य रेलवे सुरक्षित, विश्वसनीय और निर्बाध रेल परिचालन सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक निवारक कदम उठाने के प्रति प्रतिबद्ध है।

## दो गुटों की झड़प एक गंभीर रूप से घायल, सात को मामूली चोटें

मंचेरियल, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार रात श्रीरामपुर के एक स्टेडियम में दो गुटों के बीच हुई झड़प में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि सात अन्य को मामूली चोटें आईं।

पुलिस ने बताया कि श्रीरामपुर के रहने वाले राजेश को भरत और अन्य लोगों ने हमला करके घायल कर दिया। उसे मंचेरियल के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पॉलिटेक्निक के दो छात्र, दिनेश और उसका पड़ोसी गुर्रम चेरी, किसी मामूली बात पर बहस करने लगे। उन्होंने अपने दोस्तों को भी इसमें शामिल किया और अपने विरोधियों पर हमला कर दिया। इस झड़प में शामिल होने के आरोप में संदीप, भरत और चार अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

## घर-घर तिरंगा फहराएं, देशभक्ति का संदेश दें : एन. रामचंदर राव

हैदराबाद, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने प्रदेशवासियों से 'हर घर तिरंगा' अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लेने और 15 अगस्त को अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने की अपील की है। रामचंदर राव ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान उन स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करने और उन्हें सम्मान देने का अवसर है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राण न्योछावर किए। उन्होंने अपने गांव और आसपास के युवाओं के साथ अभियान में भाग लेते हुए अपने आवास पर तिरंगा फहराया। उन्होंने लोगों से स्वेच्छा से अभियान में शामिल होने और अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज लगाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि 14 अगस्त को हैदराबाद के टैंक बंड के निकट भव्य 'तिरंगा यात्रा' निकाली जाएगी। उन्होंने कहा कि यह यात्रा किसी राजनीतिक दल विशेष से जुड़ी नहीं होगी, बल्कि राष्ट्रीय एकता और 'विकसित भारत' के संकल्प को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है।रामचंदर राव ने हैदराबादवासियों से जाति, धर्म और राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर बड़ी संख्या में तिरंगा यात्रा में शामिल होने और इसे सफल बनाने की अपील की।

## जुआ खेलने के आरोप में दस गिरफ्तार

मंचेरियल, 10 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार देर रात मन्नेगुडेम गांव में जुआ खेलने के आरोप में दस लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उनसे 83,010 रुपये नकद, आठ मोबाइल फोन और 52 ताश के पत्ते ज़ब्त किए। तीन अन्य आरोपी फरार थे।

पुलिस ने बताया कि छापेमारी के दौरान मो. फखरुद्दीन, कोटा शंकर, उशन लचन्ना, डोंगरे महेश, मोरला नागेश, बडावथ सूर्या, धरबाला शंकर, मोरला रमेश, इलावेनी नागराजू और चिंथा वेंकटेश को हिरासत में लिया गया। बेल्लमपल्ली के रहने वाले कथित आयोजक रल्लापेट श्रीकांत, श्रीनिवास और राज कुमार अभी भी फरार हैं। आगे की कार्रवाई के लिए इन दस आरोपियों को नेन्नल पुलिस को सौंप दिया गया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.